जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 19 संख्याः 265 प्रभात जालोर, सोमवार 30 दिसम्बर, 2024 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

द. कोरिया में विमान दुर्घटना, 179 लोगों की मौत

उतरते समय विमान का लैंडिंग गियर फेल हो गया था, विमान फिसलते हुए दीवार से टकराया

- ''जेजू एयर'' का बोइंग विमान पूरी तरह नष्ट हो गया। मलबे के बीच केवल ''टेल असेम्बली'' पहचानी जा सकती है।
- विमान की आग पर काबू पाने के लिये दमकल की 32 गाड़ियाँ और कई हेलीकॉप्टर तैनात किए गये। घटना स्थल पर 1500 से अधिक अधिकारी व सैनिक आदि बचाव कार्य में लगे।

सियोल, 29 दिसंबर। दक्षिण कोरिया के भीषण विमान हादसे में मौतों का आंकड़ा अब 179 पहुंच गया है। विमान में कुल 181 यात्री सवार थे। इसमें से सिर्फ 2 लोग ही जीवित बच सके हैं। उनकी हालत भी गंभीर बनी हुई है। यह हादसा साउथ कोरिया के मुआनहवाई अड्डे पर रविवार को उस वक्त हुआ, जब विमान का लैंडिंग गियर उतरते समय फेल हो गया और अचानक वह दीवार की फेंसिंग से टकरा गया। इससे यात्री विमान में आग लग गई। इस घटना में कम से कम 179 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि यह देश में अब तक हुए सबसे वीभत्स हवाई हादसों में से एक है। देश की राष्ट्रीय अग्निशमन एजेंसी ने बताया कि बचाव दल मुआन शहर स्थित इस हवाई अड्डे पर 'जेजू एयर' यात्री विमान से लोगों को निकालने की कोशिश में जुटा हुआ है। विमान में 181 यात्री सवार थे। परिवहन मंत्रालय ने बताया कि विमान 15 वर्ष पुराना बोइंग 737-800 जेट था, जो बैंकॉक से लौट रहा था और दुर्घटना स्थानीय समयानुसार सुबह नौ बजकर तीन मिनट पर हुई। अग्निशमन एजेंसी ने बताया कि आग लगने की घटना में कम से कम 179 लोगों की मौत हो गई।

बचाव दल ने दो लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला, जो चालक दल के सदस्य थे। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि वे होश में हैं। अग्निशमन एजेंसी ने आग पर काबू पाने के लिए दमकल की 32 गाड़ियों और कई हेलीकॉप्टर तैनात किए। एजेंसी के मुताबिक, करीब 1,560 अग्निशमन कर्मी, पुलिस अधिकारी, सैनिक और अन्य अधिकारी भी घटनास्थल पर हैं। वाईटीएन टेलीविजन द्वारा प्रसारित एक फुटेज में 'जेजू एयर' विमान हवाई पट्टी पर फिसलकर एक कंक्रीट की दीवार से टकराता हुआ दिखता है। अन्य स्थानीय टीवी चैनलों द्वारा प्रसारित वीडियो में विमान से काले धुएं का गुबार निकलता दिखा। मुआन अग्निशमन केन्द्र के प्रमुख ली जियोंग-ह्योन ने संवाददाताओं से कहा कि विमान पूरी तरह से नष्ट हो गया है और मलबे के बीच केवल 'टेल असेंबली' ही पहचानी जा सकती है।

ली ने बताया कि कर्मचारी दुर्घटना के कारणों के बारे में विभिन्न संभावनाओं की जांच कर रहे हैं। इसमें विमान के पक्षियों से टकराने के पहलू की भी जांच की जा रही है।

परिवहन मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि संचार रिकॉर्ड के उनके शुरुआती आकलन से पता चला कि हवाई अड्डे के नियंत्रण टॉवर ने विमान को उतरने से कुछ समय पहले पक्षियों के टकराने की चेतावनी जारी की और पायलट को एक अलग क्षेत्र में उतरने की अनुमति दी।

अधिकारियों ने कहा कि पायलट ने दुर्घटना से पहले संकट संकेत भेजा था। परिवहन मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी जू जोंग-वान ने बताया कि कर्मचारियों ने विमान के ब्लैक बॉक्स से फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर को निकाल लिया है और 'कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डिंग' उपकरण की तलाश की जा रही है। मुआन में आपातकालीन अधिकारियों ने कहा कि विमान के 'लैंडिंग गियर' में खराबी आ गई थी।

पंजाब पुलिस ने आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया

- गिरफ्तार आतंकियों ने थानों पर ग्रेनेड से हमले किये थे। वे बब्बर खालसा और पाकिस्तानी आई.एस.आई. के सम्पर्क में थे।

चंडीगढ़ 29 दिसंबर। पंजाब पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) - इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई-पाकिस्तान) द्वारा समर्थित एक पाक प्रायोजित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है, जो ग्रेनेड हमलों के लिए जिम्मेदार है। पंजाब पुलिस के महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को बताया कि बटाला पुलिस ने घनी के बांगर पुलिस स्टेशन, बटाला और वडाला बांगर पुलिस पोस्ट, गुरदासपुर पर ग्रेनेड हमलों के दो हाई-प्रोफाइल मामलों को सफलतापूर्वक सुलझा लिया है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने अथक प्रयासों के बाद, आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया , जिसमें मास्टरमाइंड अभिजोत सिंह भी शामिल है, जो आर्मेनिया में रहते हुए विदेशी हैप्पी पासियन और शमशेर उर्फ हनी के निर्देशों पर काम कर रहा था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जनवरी के अंत तक बन सकता है भाजपा में नया राष्ट्रीय अध्यक्ष

एम.पी., महाराष्ट्र, यू.पी., गुजरात, प.बंगाल, जम्मू-कश्मीर व झारखंड में 15 जनवरी तक अध्यक्ष बनेगा

- यह माना जा रहा है कि सभी राज्यों तथा जिलों में संगठन चुनाव की प्रक्रिया 15 जनवरी तक पूरी हो जायेगी। दिल्ली में पार्टी मुख्यालय पर महत्वपूर्ण बैठक में चुनाव कार्यक्रम की समीक्षा की।

नई दिल्ली, 29 दिसंबर। भाजपा में जल्द ही संगठन स्तर पर बड़ा फेरबदल होने वाला है। नए साल में जनवरी के आखिरी या फरवरी के पहले हफ्ते में पार्टी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल सकता है। भाजपा नेता पीटी कुंजांग ने कहा कि 15 जनवरी तक राज्य और जिला अध्यक्षों के चुनाव पूरे होंगे। इसके बाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी और जनवरी के अंत या फरवरी के पहले हफ्ते में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा की जाएगी।

भाजपा की नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में रविवार को संगठन चुनाव को लेकर अहम बैठक हुई। इसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष, सभी महासचिव, सभी प्रदेश अध्यक्ष और सभी प्रदेश महासचिवों के साथ-साथ संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया के प्रमुख और सह प्रमुख शामिल हुए। बैठक के बाद कुंजांग ने बताया कि बैठक में संगठन की चुनाव प्रक्रिया के सभी पहलुओं पर चर्चा हुई।

मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर और झारखंड को 15 जनवरी तक नए अध्यक्ष मिल सकते हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल 2023 में खत्म हो चुका है। हालांकि, लोकसभा और कई राज्यों के विधानसभा चुनाव को देखते हुए उनका कार्यकाल बढ़ा दिया गया था।

कुंजांग ने बताया कि पार्टी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती को पूरे एक साल तक मनाने का फैसला किया है। उनकी 100 वीं जयन्ती को यादगार बनाने के लिए भाजपा इसे पूरे एक साल तक सुशासन पर्व के तौर पर मनाएगी। उन्होंने कहा कि यह भी फैसला लिया गया कि पार्टी कांग्रेस के बीआर आंबेडकर के अपमान के आरोप के जवाब में संविधान पर्व भी मनाएगी।

भाजपा अपने संगठन में युवाओं को महत्व देने के लिए पहले ही आयु सीमा तय कर चुकी है। इसके लिए जिलों के भीतर बनाए जाने वाले मंडल अध्यक्ष की उम्र 35 से 45 साल के बीच निर्धारित की गई है।

वहीं, जिलाध्यक्ष की उम्र 45 से 60 साल के बीच होगी। जिलाध्यक्ष के लिए संगठन में 7 से 8 साल तक काम करने का अनुभव भी जरूरी किया गया है। इनका चुनाव 15 जनवरी तक पूरा कराए जाने का लक्ष्य है।

लगातार दो बार मंडल अध्यक्ष या जिलाध्यक्ष रह चुके व्यक्ति को तीसरी बार मौका नहीं मिलेगा। साथ ही तय हुआ है कि संगठन के किसी पद पर काम कर रहे व्यक्ति को ही जिलाध्यक्ष बनाया जाएगा।

ओडिशा की बाघिन भटक कर बंगाल पहुँची

- कई प्रयासों के बावजूद वन अधिकारी बाघिन को बेहोश कर पकड़ नहीं पाये
- मुख्य वन्यजीव वार्डन के अनुसार, दोहरा जाल बना कर बाघिन को घेरा गया, फिर जाल की परिधि को छोटा किया गया। बेहोशी की दवा का असर नहीं होने पर कुछ समय अभियान रोका गया।

कोलकाता, 29 दिसंबर। ओडिशा के सिमलीपाल जंगल से भटक कर पश्चिम बंगाल के बांकुरा जिले में पहुंची बाघिन जीनत को रविवार सुबह बेहोश करने की कोशिश नाकाम रही। अधिकारियों ने बताया कि बाघिन को बेहोश करने के लिए उसे दवा दी गई, लेकिन बार-बार प्रयास करने के बावजूद वह बेहोश नहीं हो पाई। एक अधिकारी ने बताया कि पशु चिकित्सकों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड में साल का सबसे बड़ा हिमपात

माउन्ट आबू में तापमान में 8 डिग्री की गिरावट रही

- हिमाचल प्रदेश में बर्फीले तूफान से रोहतांग में तीन फीट से ज्यादा बर्फ जमी। पिछले चौबीस घंटों में श्रीनगर में 8 इंच , सोनमर्ग में 8 इंच तथा पहलगाम में 18 इंच बर्फ गिरी।

नई दिल्ली, 29 दिसंबर। बारिश के बाद दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत में ठंड बढ़ गई है। दिल्ली में इस समय कड़ाके की ठंड का अहसास हो रहा है और मौसम विभाग ने आज भी ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। यह अलर्ट मुख्य रूप से दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के लिए है, जहां बारिश, ओलावृष्टि और ठंडी हवाओं के कारण तापमान और भी गिर सकता है। इसके अलावा, हिमाचल प्रदेश, कश्मीर और उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में भारी बर्फबारी से हालात और भी चुनौतीपूर्ण हो गए हैं।

उत्तर भारत में आज से शीतलहर शुरू होने की आशंका है। पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़ , राजस्थान के अलग-अलग स्थानों में 29-30 दिसंबर के दौरान देर रात और सुबह के दौरान घने से बहुत घना कोहरा रहने की आशंका जताई जा रही है।

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों पर साल का सबसे भारी हिमपात हुआ।

राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में इस समय घना कोहरा देखा जा रहा है। कोहरे की चादर ने इन राज्यों में ठंड को और बढ़ा दिया है, जिससे सर्दी का अहसास और भी तेज हो गया है। राजस्थान माउंट आबू के तापमान में 8 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है।

'पंजाब में 106 ट्रेनें रद्द

- यह कदम किसान संघटनों के ''पंजाब बंद'' के आव्हान को मद्देनज़र रखते हुए उठाया गया। सोमवार को केवल अंबाला और दिल्ली/सहारनपुर की ओर से ही ट्रेनें चलेगी।

फगवाड़ा, 29 दिसंबर। विभिन्न किसान संगठनों के 'पंजाब बंद' के आ ान के कारण, उत्तर रेलवे ने सोमवार को पंजाब में 106 मेल, एक्सप्रेस या सुपरफास्ट ट्रेनों का परिचालन रद्द कर दिया है। रेलवे अधिकारियों ने इसकी पुष्टि करते हुए रविवार शाम को इस संवाददाता को बताया कि इस आशय का निर्णय आज दोपहर लिया गया और पंजाब के सभी संबंधित रेलवे अधिकारियों को इसकी सूचना दे दी गई है। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि अधिकांश ट्रेनें सोमवार को केवल अंबाला और दिल्ली या सहारनपुर की ओर से ही चलेंगी।

इस बीच, सोमवार को सुबह सात बजे से शाम चार बजे तक सड़क और रेल यातायात स्थगित रहेगा क्योंकि इस दौरान पीआरटीसी सहित, बस ऑपरेटर और टैक्सियां भी नहीं चलेंगी। सब्जी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली पुलिस ने 15 अवैध बांग्लादेशियों को वापस भेजा

दिल्ली पुलिस की जाँच से सामने आया है कि कई बांग्लादेशी व रोहिंग्या भारत में फर्ज़ी कागज़ात बनावाकर रह रहे हैं

- जाँच के अनुसार, अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी व रोहिंग्या अप्रवासियों के पास से फर्ज़ी भारतीय आधार कार्ड भी प्राप्त हो रहे है।
- दिल्ली पुलिस ने एक ऐसे गिरोह को भी पकड़ा है, जो अवैध रूप से रह रहे अप्रवासियों को फर्ज़ी कागज़ात दिलाने में मदद करता है।

नई दिल्ला, 29 दिसंबर। दिल्ली की साउथ डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने 7 बांग्लादेशियों को पकड़कर डिपोर्ट कर दिया है। पकड़े गए बांग्लादेशियों में 5 महिलाएं भी शामिल हैं। इसके अलावा, साउथ वेस्ट जिला पुलिस ने भी 8 बांग्लादेश निवासियों को डिपोर्ट किया है। साउथ डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने झुग्गी झोंपड़ी और संदिग्ध इलाकों में सर्च आपरेशन चलाया था।

चेकिंग के दौरान संदिग्धों के वोटर आईडी और आधार कार्ड चेक किए गए। गिरफ्तार बांग्लादेशियों में से मोहम्मद उमर फारूक और रियाज़ मियां की गिरफ्तारी अर्जनगढ़ मेट्रो स्टेशन के पास से हुई है। इसके अलावा, दिल्ली के वसंत कुंज थाना इलाके में रह रहे आठ बांग्लादेशियों को भी पुलिस ने पकड़कर वापस बांग्लादेश भेज दिया है।

जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि अधिकतर बांग्लादेशियों के भारतीय आधार कार्ड बन चुके हैं।

दिल्ली पुलिस राजधानी में रह रहे अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्या मुसलमानों के खिलाफ ऑपरेशन चला

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

छत्तीसगढ़ : शराब घोटाले में ई.डी. ने छापे मारे

पूर्व आबकारी मंत्री लखमा, उनके पुत्र व करीबियों के पाँच ठिकानों पर छापे मारे गये

- पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने कहा, मैं अनपढ़ हूँ। अधिकारी जो फाइल लाते, मैं उस पर सिर्फ दस्तखत करता था। अधिकारी ही कागज को पढ़ते-लिखते थे।

रायपुर, 29 दिसंबर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित 2000 करोड़ के शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को पांच जगहों पर 15 घंटे तक छापेमारी की। इसमें पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा, बेटे हरीश लखमा और उनसे जुड़े लोगों के ठिकानों पर छापेमारी की गयी। इस दौरान ईडी ने कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया है। वहीं, कवासी और उनके बेटे समेत कुछ लोगों को समन जारी किया है। छापेमारी के दूसरे दिन कवासी लखमा ने कहा कि सोमवार को उन्हें और उनके बेटे को पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

उन्होंने कहा, ई डी का छापा राजनीति से प्रेरित है। विधानसभा में सरकार के खिलाफ बोलने और बड़े घोटाले को उजागर करने पर छापा मारा गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बदनाम करने की राजनीति कर रही है। मुझे एपी त्रिपाठी जैसे अधिकारियों ने अंधेरे में रखा। मैं अनपढ़ हूं। अधिकारियों ने गड़बड़ी की है। अधिकारी जो दस्तखत लेकर आते थे, उस पर मैं सिर्फ दस्तखत करता था। अधिकारी ही कागज को पढ़ ते लिखते थे। मेरे घर से एक कागज तक नहीं मिला है।

उन्होंने कहा कि मुझे इस घोटाले के बारे में कोई जानकारी नहीं है। मुझसे संपत्ति की जानकारी मांगी गई है। मैंने समय मांगा है, पूरी जानकारी दूंगा। ईडी के अधिकारी बेटे और मेरा मोबाइल अपने साथ ले गए हैं। उन्होंने मुझ से घोटाले के बारे में भी पूछताछ की।

उन्होंने कहा कि मुझे इस घोटाले के बारे में कोई जानकारी नहीं है। कल शाम आठ बजे तक ईडी की टीम थी। मेरे घर से एक कागज का टुकड़ा तक नहीं मिला। बेड बिस्तर, चूल्हा सभी जगह जांच लिए। मुझ से संपत्ति की जानकारी मांगी है। घोटाले का मास्टर माइंड एपी त्रिपाठी है।

ई डी ने शनिवार को छत्तीसगढ़ के 20,000 करोड़ रुपये के कतिथ शराब घोटाला मामले में अगल-अलग जगहों पर छापे मारे। इस दौरान, एजेंसी ने रायपुर में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा के ठिकानों पर भी छापा मारा। ई डी ने कवासी लखमा के पूर्व ओएसडी जयंत देवांगन सहित अन्य करीबियों पर भी छापा मारा। कोई 15 घंटे तक चली कार्रवाई में ई डी ने लखमा के ठिकानों से कई दस्तावेज जब्त किए हैं। इधर, ई डी की कार्रवाई को लेकर पहली बार कवाली लखमा का बयान सामने आया।

नवी मुंबई में पहली सफल लैंडिंग से नियमित उड़ानों का रास्ता खुला

- नव विकसित हवाई अड्डे को सभी सत्यापनों के बाद केवल परिचालन लायसेंस का इंतजार।

नवी मुंबई, 29 दिसंबर। अदानी समूह द्वारा विकसित किया जा रहे नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के परिचालन की तैयारी के सत्यापन के लिए रविवार को पहली वाणिज्यिक उड़ान का सफलतापूर्वक परिचालन आयोजित किया। समूह का कहना है कि यह हवाई अड्डा अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार परिचालन के लिए तैयार है। उसे अब विनियामक से लाइसेंस की प्रतीक्षा है। नव विकसित हवाई अड्डे पर उड़ानों के आवागमन में सहायक प्रणालियों और सुविधाओं के सत्यापन पहले ही किया जा चुके थे। वाणिज्यिक उड़ान की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जिन्हें हम हीन या नीच बनाये रखते है वो भी क्रमशः हमे हेय और दीन बना देता हैं। –टैगोर

सोशल मीडिया: वैचारिक दृढ़ता बनाम असहिष्णुता

अब भारतीय समाज का बहुत बड़ा हिस्सा किसी न किसी सोशल मीडिया प्लेट्फॉर्म का प्रयोग करने लगा है। कम्प्यूटर का चलन बढ़ने, मोबाइल के स्मार्ट हो जाने और इण्टरनेट के सस्ता तथा अधिक सुलभ हो जाने से इस प्रयोग में बहुत तेज़ी से वृद्धि हुई है। बहुत सारे लोग हैं जो इसका प्रयोग अपने सामाजिक-पारिवारिक रिश्तों के निर्वाह के लिए करते हैं। वे अपने सुख-दुख की बातें करते हैं, अपने हर्ष और विषाद की ख़बरें साझा करते हैं और आवश्यकतानुसार अपनी खुशी और संवेदनाओं का आदान-प्रदान करते हैं। किसी को कुछ हासिल हुआ तो बधाई और किसी ने कुछ खोया तो संवेदनाएं। सोशल मीडिया की वजह से बधाइयों का आदान-प्रदान खूब होने लगा है। बिना किसी ख़ास प्रयत्न के हमें अपनों के जन्म दिन की सूचनाएं मिल जाती हैं और हम भी प्रायः बिना कोई प्रयास किए, किसी उपलब्ध टेम्पलैट का प्रयोग करके, या किसी इमोजी के माध्यम से अपनी शुभ कामनाएं दे देते हैं। यह सोशल मीडिया का सात्विक और निरापद उपयोग है।

इसका लगभग ऐसा ही उपयोग साहित्य और कलाओं की दुनिया के लोग भी करते हैं। वे अपनी नई किताब के प्रकाशन की सूचना देते हैं, अपने लेख, कविता आदि के छपने की या अपने कंसर्ट के आयोजन की ख़बर देते हैं। बहुत बार लोग अपनी रचनाशीलता की बानगी भी यहां दे देते हैं, मसलन कोई कवि अपनी कविता पोस्ट कर देता है या कोई गायक अथवा चित्रकार अपनी कला का एक अंश साझा कर देता है। अगर किसी को कोई पुरस्कार, सम्मान आदि मिलता है तो उसकी ख़बर हमें इस माध्यम से मिल जाती है और सम्बद्ध व्यक्ति तक हम भी अपनी बधाई पहुंचा देते हैं। यह माध्यम बहुत बार दुखद समाचार भी हम तक पहुंचाता है। किसी साहित्यकार, कलाकार के बीमार होने या उसके दिवंगत होने की ख़बर भी इसी माध्यम से हम तक पहुंचती है। यहीं यह बात उल्लेखनीय है कि मुद्रण व अन्य संचार माध्यम बहुत बार ऐसी ख़बरों की अनदेखी कर जाते हैं। तो यह भी सोशल मीडिया का एक सात्विक व निरापद उपयोग ही है। लगभग मैंने इसलिए कहा कि इसका उपयोग करते हुए बहुत सारे लोग आत्म प्रचार की अति कर जाते हैं, और बहुत बार प्रतिक्रिया स्वरूप उनको पसंद न करने वाले ऐसी टिप्पणियां भी कर जाते हैं जिनकी वजह से यह उपयोग सात्विक नहीं रह जाता है। लेकिन ऐसा अधिक नहीं होता है।

सोशल मीडिया का तीसरा उपयोग वैचारिक अभिव्यक्ति के लिए होता है। मान लीजिए, किसी विषय पर –चाहे वह राजनीतिक हो, धार्मिक हो, सांस्कृतिक हो, सामाजिक हो या कोई और हो– आपके कुछ ख़ास विचार हैं। आप उन विचारों को सोशल मीडिया के माध्यम से दूसरों तक पहुंचाते हैं। इधर मुद्रण माध्यमों और दृश्य माध्यमों की प्रकृति में आए बदलाव के कारण वहां वैचारिक अभिव्यक्ति के लिए स्थान संकुचित हुआ है। ऐसे में सोशल मीडिया एक सशक्त विकल्प के रूप में सामने आया है। यहां न तो स्थान का अभाव है और न (लगभग) कोई सेंसर। आप जो चाहें और जैसे चाहें उस तरह अपनी बात कह सकते हैं। एक तरह से यह अभिव्यक्ति की आज़ादी की पराकाष्ठा है। अब, पराकाष्ठा के अपने ख़तरे भी होते हैं और वे ख़तरे यहां साफ़-साफ़ दिखाई भी देते हैं। बहुत बार लोग अपनी बात कहते हुए शालीनता की सीमाओं का खुला उल्लंघन कर बैठते हैं। वे इस बात को समझने से पूरी तरह इंकार करते हैं कि अपनी बात शालीनता से भी कही जा सकती है। जब ऐसा होता है तो स्वाभाविक ही है कि इसकी प्रतिक्रिया भी होती है, और बहुत बार प्रतिक्रिया भी उतनी ही या उससे भी ज़्यादा अशालीन होती है। तब संवाद विवाद में तब्दील हो जाता है। और ऐसा केवल अशालीन अभिव्यक्ति के मामले में ही नहीं होता है। बहुत बार यह भी होता है कि आप तो शालीनता से अपनी बात कहते हैं लेकिन जो उससे असहमत होते हैं वे अपनी प्रतिक्रिया में अशालीन हो जाते हैं। विशेष रूप से राजनीतिक और धार्मिक मुद्दों पर चर्चा में इधर ऐसा ज़्यादा होने लगा है।

सोशल मीडिया की वजह से बधाइयों का आदान-प्रदान खूब होने लगा है। बिना किसी ख़ास प्रयत्न के हमें अपनों के जन्म दिन की सूचनाएं मिल जाती हैं और हम भी प्रायः बिना कोई प्रयास किए, किसी उपलब्ध टेम्पलैट का प्रयोग करके, या किसी इमोजी के माध्यम से अपनी शुभ कामनाएं दे देते हैं। यह सोशल मीडिया का सात्विक और निरापद उपयोग है।

हममें से बहुत सारे लोग इस बात को समझ पाने में असमर्थ हैं कि जितना हम अपने विचारों पर दृढ़ रहने को आज़ाद हैं उतना ही आज़ाद वह भी है जिसके विचार हमारे विचारों से भिन्न हैं। समझ का यही अभाव बहुत सारी समस्याओं के मूल में है। हम सारी दुनिया को एक रंग में, और वह रंग हमारी ही पसंद का हो, रंगा हुआ देखना चाहते हैं। यह जीवन में भी होने लगा है और सामाजिक मीडिया पर भी हो रहा है। कुछ लोग इसे वैचारिक ध्रुवीकरण का भी नाम देते हैं। मुझे यह ध्रुवीकरण से भी अधिक असहिष्णुता का मामला लगता है। हम अपने से भिन्न को स्वीकार करने और बने रहने देने को ही तैयार नहीं हैं। हम चाहते हैं कि सभी वैसा ही सोच रखें जैसा हमारा है। यह बात राजनीति, धर्म, वेशभूषा आदि सारे मामलों में होती जा रही है। यह कह पाना कठिन है कि समाज ऐसा होता जा रहा है इसलिए सोशल मीडिया भी ऐसा हो रहा है या सोशल मीडिया समाज को अपने सांचे में ढाल रहा है। लेकिन इतना निश्चित है कि ऐसा होना दुर्भाग्यपूर्ण है। भारत को अनेकता में एकता का देश कहा जाता रहा है। विविधता हमारी जीवन शैली का अभिन्न अंग रही है। शायर सरशार सैलानी ने क्या खूब कहा है: ''**चमन में इख़्तिलात-ए-रंग-ओ-बू (रंग और गंध का मेल-जोल) से बात बनती है/ हम ही हम हैं तो क्या हम हैं तुम ही तुम हो तो क्या तुम हो।**'' लेकिन इधर सारा ज़ोर आग्रह जैसे 'हम ही हम' पर हो रहा है। सोशल मीडिया पर तो जैसे घमासान होने लगा है। अगर किसी ने कुछ कह दिया तो उससे भिन्न सोच वाले उस पर बड़ी बेरहमी से टूट पड़ते हैं। बात तर्क और तथ्यों की नहीं की जाती है। अभद्र भाषा को हथियार बनाकर दूसरे पक्ष की आवाज़ को दबाया जाता है। बहुत थोड़े से लोग ऐसे भी हैं जो ईंट का जवाब पत्थर से देते हैं, अन्यथा अधिकांश लोग मैदान छोड़ कर हट जाते हैं और यही वे लोग चाहते भी हैं। ईंट का जवाब पत्थर से देना भी कोई अच्छी बात नहीं है। लेकिन ऐसा करने वालों के पास भी अपने तर्क होते हैं। पहला तर्क तो यही कि उन्हें ऐसा करने के लिए विवश किया गया है। ऐसे में बहुत सारे लोग यह भी सलाह देते हैं कि सोशल मीडिया पर किसी तरह का नियंत्रण अवश्य होना चाहिए। लेकिन सवाल यह उठेगा कि नियंत्रण किसका हो? वैसे तो अभी भी थोड़ा बहुत नियंत्रण है। कुछ नियंत्रण स्वयं इन माध्यमों का है, जिसे लेकर बहुत सारी असहमतियां भी व्यक्त की जाती हैं। मसलन यह कि ये माध्यम किसी ख़ास पक्ष के समर्थन में या किसी ख़ास पक्ष के विरोध में अपने एल्गोरिद्म के माध्यम बहुत बड़ा खेल कर जाते हैं। इस बात के अनेक प्रमाण भी दिए गए हैं कि दुनिया के कई देशों में इन माध्यमों ने गम्भीर हस्तक्षेप किए हैं। और यही बात सरकारी नियंत्रण के लिए भी मानी जा सकती है। किसी सरकार से, और वर्तमान परिदृश्य में, यह कैसे उम्मीद की जा सकती है कि वह प्रतिपक्ष की आवाज़ को दबाने के प्रयास नहीं करेगी? ऐसे में नियंत्रण की बात, चाहे वह माध्यमों के भीतर से होया देश विशेष की सरकार के द्वारा, युक्तिसंगत नहीं लगती।

मेरा सोच तो यह है कि सोशल मीडिया के ज़िम्मेदारी भरे प्रयोग के लिए हमें अपने नागरिकों की डिजिटल साक्षरता बढ़ाने पर ही बल देना होगा। इस बारे में स्वैच्छिक संगठन और शैक्षिक संस्थान बड़ी भूमिका निबाह सकते हैं। सोशल मीडिया को बरतने के मामले में अभी हमें बहुत कुछ सीखना है। अगर कोई सोशल मीडिया पर कुछ कह रहा है तो हमें यह सीखना होगा कि हम उससे किस सीमा तक और किस तरह असहमत हो सकते हैं। विचारणीय यह भी है कि हमें अपनी असहमति को कितना खींचना है। क्या केवल अपनी बात कहकर हट जाना है या इस ज़िद पर अड़े रहना है कि सामने वाला हमसे सहमत हो ही जाए! मैं तो बहुत बार यह भी सोचता हूं कि अगर मैं किसी से सहमत नहीं हूं तो यह बात उसकी वॉल पर जाकर कहने की बजाय क्यों न अलग से और विस्तार से अपनी वॉल पर कहूं! कोई सोशल मीडिया पर है इसका मतलब यह नहीं है कि आप उसके साथ चाहे जैसा व्यवहार करें। आचरण में एक मर्यादा का निर्वाह बहुत ज़रूरी है। यह बात सोशल मीडिया के बरतने वालों को समझाना बहुत ज़रूरी है। अभी काफी हद तक एक अराजकता का माहौल वहां बना हुआ है जिसकी वजह से यह बेहतर और सशक्त माध्यम न केवल अपनी सही भूमिका नहीं निबाह पा रहा है, यह हमारे देश की समरसता को और शांति व सौहार्द को भी नष्ट कर रहा है। इस ख़तरे को समझना और इसके प्रसार को रोकना हमारे समय की बहुत बड़ी ज़रूरत है और सभी समझदार लोगों को इस दिशा में न केवल सोचना, सक्रिय भी होना होगा।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

डॉक्टर स्वामीनाथन के द्वारा कृषि उत्पादन मूल्य की गणना के लिए सुझाया गया C2 फार्मूला/कोस्ट कितनी व्यवहारिक?

महावीर सिंह

राष्ट्रदूत में ''केंद्र सरकार फसलों के समर्थन मूल्य की घोषणा किन आधारों पर व कैसे करती है? कैसे सुधारों की आवश्यकता है?'' दिनांक 26 दिसम्बर 2024 को प्रकाशित लेख के उपरान्त कृषि व ग्रामीण पृष्ठ भूमि वाले कई पाठकों से C2 प्रतिशत कृषि लागत के सम्बंध में कई जानकारियां जाननी चाही। इसके क्रम में, सभी के लिए यह टिप्पणी है।

केंद्र सरकार की कॉम्प्रेहेंसिव स्टडी योजना के अन्तर्गत फील्ड सर्वेयर्स, रेंडमली चयनित प्लॉट्स से, कृषकों से सतत सम्पर्क रख कर कृषि लागत से सम्बंधित इनपुट्स, आवश्यक बाहरी श्रमिको, बुवाई जुताई से के लेकर फसल कटाई, निकलाई आदि पर मशीन, मानव श्रम व व्यय धन की जानकारी ली जाती है। इन्ही जानकारियों के आधार पर कृषि लागत मूल्य आयोग श्एइ की अनुशंसाएं करता है।

इन सूचनाओं के आधार पर कृषि लागत की A2 कोस्ट व पारिवारिक सदस्यों के श्रम का मूल्य FL निकाला जाता है। MSP की गणना के सम्बंध डॉक्टर स्वामीनाथन रिपोर्ट में यह सुझाव दिया गया है कि A2+FL में निम्न कोस्ट्स ओर जोड़ी जानी चाहिए::–

A2+FL में पारिवारिक सदस्यों के ऐसे श्रम का मूल्य निकाल कर जोड़ा जाना होता है, जिसकी गणना, सूचना फील्ड सर्वेयर्स नही लेते है। ऐसे श्रम के बारे में आगे चर्चा की जाएगी। इसके अतिरिक्त कृषि के लिए काम में ली जाने वाली स्थायी मशीनरी, औजार-उपकरण, गोदाम-मकानात, आदि के मूल्य पर ब्याज जोड़ने की बात की जाती है। इसमें खेती के लिए आवश्यक वर्किंग पूंजी पर ब्याज जोड़ने की बाता आती है। इसमें भूमि की रेंटल आय जोड़ी जानी चाहिए।

इन सब की व्यवहारिकता को यों समझ जा सकता है:–

1. कृषि के लिए, खेत तैयार करने से लेकर, इनपुट्स क्रय, बाहरी श्रमिकों को देने के लिए रोकड़, पैदा किया अन्न व चारा आदि उपयोगी बाईप्रोडक्ट्स घर लेकर आने व विक्रय तक विभिन्न कार्यों के लिए धन की आवश्यकता व समयावधि का अनुमान लगाना व उस पर ब्याज की गणना को A2+FL में शामिल करना व्यवहारिक रूप से किया जाना सम्भव है।

यहां यह समझना होगा कि खेत की बान व जुताई से लेकर अन्न निकालने तक लगी बाहरी श्रमिकों की व सीजन के कुछ समय पूरे दिन बाहरी श्रमिकों के साथ साथ काम करने वाले घर वालों की गणना आसान है। कॉम्प्रेहेंसिव स्टडी में लगें सर्वेयर्स के द्वारा यह आसानी से करली जाती है और पारिश्रमिक की गणना करना आसान है।

किन्तु फिल्ड सर्वेयरों द्वारा जिन कार्यों पर पूरे दिन घरेलू लोग काम करते और जिनके पारिश्रमिक की गणना कर ली जाती है उनके अतिरिक्त भी फसल के लिए खेत तैयार करने के लिए परिवार के छोटे-बड़े सदस्य कई प्रकार के ओर बहुत से कार्य करते है जैसे कि खेत की सफाई के लिए झाड़ आदि काटना, इक्कठा करना, बुवाई के वक्त खाद-बीज लेकर ट्रैक्टर के साथ रहना व काम में लगे लोगों के लिए चाय-पानी आदि व्यवस्था करना, ट्रैक्टर चलाने वाले को खेत सीमाएं बताते रहना, ट्रैक्टर बुवाई में कोई सुधार जरूरी हो तो बताना आदि कार्य करने पड़ते है। इसी प्रकार जब खेत की बुवाई पूरी जो जाती है तब आवार पशुओं से खेत की रक्षा करना, जब बीज अंकुरित होने लगता है तो मोर, तोते आदि पक्षियों से पौधों की रक्षा करनी होती है।

इसके पश्चात अनावश्यक खरपतवार, विड्स की जानकारी लेते रहना और उन को निकालते रहना होता है। पौधों को कोई किटाणु-विषाणकसान तो नहीं पहुंच रहे, पेस्टिसाइड्स की कब आवश्यकता होगी आदि जानकारियों सहित अनेक क्रियाएं किसान के पारिवारिक सदस्यों द्वारा की जाती हैं। अन्न खलिहान से घर ले जाना, चारा आदि को सुरक्षित करना, मंडी ले जाकर बेचने के लिए लेब जाना पड़ता है। स्वामीनाथन आयोग की सिफिरिस के अनुसार उपरोक्त समस्त छोटी, बड़ी क्रियाओं पर लगे समय का यथासम्भव सही सही अनुमान लगाना व परिश्रम का मूल्य निकाल कर A2+FL में शामिल करना चाहिए और यह किया जा सकता है।

2. एक अन्य सिफारिश के अनुसार किसान की स्वयं की जमीन की काल्पनिक रेंटल आय का आंकलन करना और उसे A2+FL में जोड़ना।

यह कठिन कार्य है। इसमें खेत से खेत, गांव से गांव, तालुका से तालुका व भूमि लोकेशन, साइल गुणवत्ता के अनुसार भारी अंतर होता है। इसकी कैसे गणना हो और कैसे कृषि लागत में जोड़े यह कठिन कार्य है।

शायद कॉम्परेन्सिव स्टडी की मेथोडोलॉजी में कुछ परिवर्तन कर इसका अनुमान लगाया जा सकता है। इसके लिए सर्वप्रथम तो राष्ट्रीय, राज्य मार्गों, मेजर डिस्ट्रिक्ट रोडस के साथ कि व नगरीय निकायों के पेरफेरी से एक निश्चित दूरी तक कि भूमियों को सर्वे हेतु प्लॉट्स से अलग रखा जाएं। इस प्रकार ज्ञात सूचनाओं का, केंद्र व ऐंण्ड्र के आवश्यक करेक्शन फैक्टर्स लगा कर, विभिन्न श्रेणियों की भूमियों की रेंट के लिए वेटेज निर्धारित कर एवरेज निकलने का प्रयास हो सकता है। लेखक की जानकारी के अनुसार अभी इसका कोई युक्तियुक्त पैमाना तय नहीं है।

3. इसी प्रकार किसी किसान नें दूसरे से जमीन लेकर खेती की है तो उसे खेत मालिक को कितना रेंट दिया है, इसके मूल्यांकन की कोई एक रूपता नहीं हो सकती। सबसे बड़ी बाधा तो यह है कि इस सब का कोई सरकारी रिकार्ड रखा नही जाता। अधिकांशतः यह लीज, बंटाई आदि मौखिक होती है।

यदि फील्ड सर्वेयर प्रयास करें तो मोटा मोटा अंदाज रेंट या बंटाई हिस्सेदार का हो जाता है। सामान्यतः इस प्रकार की व्यवस्था में खेत मालिक प्रति बीघा नकद रेंट तय करता है या आधी पैदावार का हिस्सा लेता है, खर्चे भी आधे आधे। कहीं खर्चा सारा बंटाईदार का और हिस्सेदारी का अनुपात आपसी सहमति से 50% से नीचे तय हो जाता है। अलग-अलग जगहों के लिए थोड़ा बहुत अंतर मिलेगा।

रेंट भी खेत की लोकेशन व उसकी साइल गुणवत्ता के अनुसार बदलता है। लेकिन प्रश्न यह उतपन्न होता है कि बंटाईदारों का कोई रिकार्ड होता नही।इस लिए इस एक्सरसाइज का कोई अर्थ नहीं हैं। जहां बंटाईदारों का सरकारी अभिलेखों में विवरण रखा जाता हो, वहां यह आंकड़ा तय करना उचित होगा।

4. उपरोक्त पैराओं 2, 3 से यह तो साफ है कि किसान की स्वयं अथवा लीज आदि पर ली गई भूमि का क्या रेंट A2+FL में जोड़ा जाए, यह अत्यंत कठिन कार्य है।

या तो सरकारें पूरे राज्य के लिए एक स्टेंडर्ड निर्धारित करे या CACP यह कार्य करे।

4. इसी प्रकार किसान खुद की मशीनरी जैसे ट्रैक्टर, हार्वेस्टर आदि का काम में लेते है, उस पर व्यय पूंजी पर ब्याज की गणना msp के लिए शामिल हो।हमारे देश में बहुत कम किसान इतने बड़े रकबे में खेती करते हो जहां ट्रैक्टर, हार्वेस्टर आदि केवल खेत मालिक किसान के काम आते हो। इसलिए यदि किसान ट्रैक्टर आदि मशीनरी का उपयोग करता है तो वह साथ में इन मशीनों को किराए पर भी चला कर दूसरे कार्य करता है। इसलिए इस प्रकार डुएल काम में आने वाली मशीनरी की लागत पर ब्याज को C2 कोस्ट में शामिल करना उचित नहीं लगता। अधिकतर किसान इन ट्रैक्टर, ब्लोवर आदि किराए पर लेकर अपना काम करवाते है। इनका खर्च तो कृषि लागत में अब भी शामिल किया जाता है। हां कुछ औजार, उपकरण हर किसान को रखने पड़ते है यथा गेंती, फावड़े, कटर्स-दरांती, छोटी-बड़ी खुरपिया, खाद-पेस्टिसाइड्स का उपयोग करने के छोटे छोटे उपकरण आदि। इन पर हुए व्यय का आंकलन आसानी से किया जा सकता है और इस राशी पर ब्याज C2 में आसानी से शामिल किया जा सकता है।

–महावीर सिंह,
पूर्व आईएएस

राजस्थान में नवसृजित जिलों और संभागों का पुनर्निर्धारण : एक विवेकपूर्ण कदम

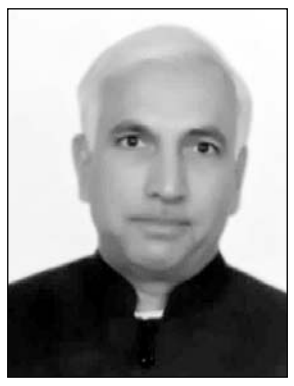

चंद्रमोहन मीणा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली राजस्थान सरकार ने हाल ही में प्रदेश में नवगठित जिलों और संभागों का पुनर्निर्धारण किया है। इस निर्णय के तहत प्रदेश में अब कुल 7 संभाग और 41 जिले होंगे। यह निर्णय प्रशासनिक सुधार, आर्थिक संतुलन और सुशासन की दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण है। पूर्ववर्ती सरकार द्वारा 2023 में 17 नए जिलों और 3 नए संभागों का गठन किया गया था, जिसकी अधिसूचना 5 अगस्त 2023 को जारी की गई थी। हालांकि, वर्तमान सरकार ने इस निर्णय की समीक्षा करते हुए 9 जिलों और 3 संभागों को समाप्त करने का फैसला लिया है। यह निर्णय सेवानिवृत आईएएस डॉ. ललित के पंवार की विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों और मंत्रिमंडलीय उप-समिति की समीक्षा रिपोर्ट के आधार पर लिया गया है।

राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है, जहां क्षेत्रफल और जनसंख्या की दृष्टि से अधिक प्रशासनिक इकाइयों की आवश्यकता महसूस की जाती है। हालांकि, प्रशासनिक इकाइयों का गठन तभी प्रभावी हो सकता है जब यह व्यावहारिक, मापदंड-आधारित और राज्य की आर्थिक परिस्थितियों के अनुरूप हो। पूर्ववर्ती सरकार द्वारा अचानक 17 जिलों और 3 संभागों के गठन का निर्णय आर्थिक और प्रशासनिक दृष्टि से अव्यावहारिक साबित हुआ। नए जिलों और संभागों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर और मानव संसाधन की पूर्ति राज्य के लिए बड़ी चुनौती बन गई। पुनर्निर्धारण के प्रमुख कारणों में आर्थिक संतुलन और संसाधनों का कुशल उपयोग, प्रशासनिक प्रभावशीलता, वास्तविक जरूरत पर ध्यान जैसे बिंदुओं को केंद्र में रखा है।

नए जिलों और संभागों के गठन में बड़े पैमाने पर वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता होती है। कार्यालय भवन, स्टाफ पदों का सृजन और आवश्यक बुनियादी ढांचे की स्थापना पर अत्यधिक खर्च होता है। 9 जिलों और 3 संभागों को निरस्त करने से यह आर्थिक बोझ कम होगा और इन संसाधनों का उपयोग विकास कार्यों में किया जा सकेगा। छोटे जिलों के निर्माण से कई बार प्रशासनिक बोझ बढ़ता है और निर्णय लेने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है। नए जिलों के स्थान पर मौजूदा प्रशासनिक इकाइयों को अधिक प्रभावी बनाने का प्रयास बेहतर परिणाम दे सकता है।

जिन जिलों को मर्ज किया गया है, वे मापदंडों पर खरे नहीं उतरते थे। वहां आबादी, क्षेत्रफल और प्रशासनिक जरूरतें इतनी नहीं थीं कि नए जिलों की आवश्यकता होती। नौ जिलों को समाप्त करने के बावजूद आठ जिलों को यथावत रखा गया है। इससे सरकार अब इन जिलों में इंफ्रास्ट्रक्चर, बजट और मानव संसाधन की पूर्ति पर बेहतर ध्यान दे सकेगी। इन जिलों में निवासरत आमजन को प्रशासनिक सेवाओं का वास्तविक लाभ मिलेगा। अनावश्यक खर्च में कमी आने से यह राशि शिक्षा, स्वास्थ्य, और बुनियादी ढांचे के विकास में निवेश की जा सकेगी। इससे राज्य के समग्र विकास को गति मिलेगी।

प्रशासनिक इकाइयों का पुनर्गठन कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने और सुशासन स्थापित करने में सहायक होगा।

छोटे जिलों के बजाय बड़े और संगठित जिलों में प्रशासन अधिक प्रभावी हो सकता है। भजनलाल सरकार द्वारा 9 जिलों और 3 संभागों को समाप्त करने का निर्णय व्यावहारिक और दूरदर्शी साबित होगा। यह कदम संसाधनों के कुशल उपयोग, बेहतर प्रशासनिक प्रबंधन और राज्य के समग्र विकास के लिए नए रास्ते खोलेगा। नए जिलों के वास्तविक लाभ तभी मिल सकते हैं जब इनकी योजना मापदंडों और आवश्यकता के आधार पर बनाई जाए। राज्य सरकार का यह निर्णय प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक संगठित, प्रभावी और जनहितकारी बनाने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है।

चंद्रमोहन मीणा
सेवानिवृत आईएएस।

813वां सालाना उर्स : अजमेर जिला व पुलिस प्रशासन ने चादर पेश की

अजमेर, (कासं)। दरगाह के बुलंद दरवाजे पर झंडे की रस्म के साथ सूफी संत ख्वाजा साहब के 813वें सालाना उर्स की अपौचारिक शुरुआत हो गई है। उर्स के मौके पर रविवार को जिला कलेक्टर लोक बंधु और एसपी वंदिता राणा के नेतृव में पुलिस व प्रशासन की ओर से चादर व अकीदत के फूल मजार पर पेश कर देश-प्रदेश में खुशहाली, अमन चैन के साथ शांतिपूर्ण उर्स के लिए दुआ मांगी। अंजुमन के पदाधिकारियों ने कलेक्टर व एसपी सहित अधिकारियों की दस्तारबंदी की।

जिला कलेक्टर लोकबंधु व एसपी वंदिता राणा सहित पुलिस व प्रशासन के आला अधिकारियों ने रविवार को ख्वाजा साहब की मजार पर मखमली चादर व अकीदत के फूल पेश किए। इस अवसर पर कलेक्टर लोकबंधु ने कहा कि दरगाह के उर्स को लेकर सभी तैयारी कर ली गई है। चांद दिखाई देने पर उर्स की विधिवत शुरूआत एक या दो जनवरी से होगी। अनौपचारिक शुरूआत झंडा रस्म की अदायगी के साथ हो गई है। जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने कहा कि उर्स के दौरान पुलिस व प्रशासन की ओर से पुख्ता सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। पर्याप्त संख्या में पुलिस जाब्ता तैनात करने के साथ ही आरएएफ टीम सहित स्पेशल टीम भी तैनात की गई है।

गरीब नवाज के उर्स की शुरूआत अनौपचारिक रूप से 28 दिसम्बर को झंडा चढ़ाने के साथ हो गई है। विधिवत शुरूआत चांद दिखाई देने पर एक या दो जनवरी से हो जाएगी।

कलेक्टर लोकबंधु व एसपी वंदिता राणा सहित पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों ने चादर चढ़ाई।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 30 दिसम्बर, 2024

पौष मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, सोमवार, विक्रम संवत 2081, मूल नक्षत्र रात्रि 11:57 तक, वृद्धि योग रात्रि 8:32 तक, चतुष्पद करण दिन 3:59 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-धनु, चन्द्रमा-धनु, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-मकर, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज देवपितृकार्य अमावस्या और सोमवती अमावस्या, वकुला अमावस्या है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 8:37 तक, शुभ 9:54 से 11:12 तक, चर 1:47 से 3:04 तक, लाभ-अमृत 3:04 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 7:19, सूर्यास्त 5:39

मेष
व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मिथुन
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक मामलों से संबंधित विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है।

सिंह
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

तुला
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जा सकते हैं। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

मकर
घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा।

कुंभ
आर्थिक/वित्तिय मामलों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। आज अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। अटके हुए कार्य बन सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मीन
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता नहीं मिलना दुर्भाग्यपूर्ण : प्रो. अर्जुनदेव

जोधपुर, (कासं) । राजस्थानी साहित्य में एक तरफ जहां सत्ता में बैठे सर्वोच्च लोग कवियों के पांव पूजते थे यहीं दुर्भाग्य यह है कि देश की आजादी के छियत्तर वर्ष बाद भी इस भाषा को संवैधानिक मान्यता नहीं मिली। राजस्थान वीरों की भूमि है। इसके प्रमाण देने के साथ ही राजस्थानी भाषा-साहित्य आने वाली पीढ़ी को नई जमीन प्रदान करती है । सौभाग्यसिंह शेखावत जैसे विद्वान इसी राजस्थानी भाषा-साहित्य की हेमाणी के सच्चे साधक थे। यह विचार ख्यातनाम कवि-आलोचक प्रोफेसर (डॉ.) अर्जुनदेव चारण ने अपने अध्यक्षीय उदबोधन में साहित्य अकादेमी एवं जेएनवीयू के राजस्थानी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में होटल चन्द्रा इम्पीरियल में आयोजित 'सौभाग्यसिंह शेखावत : जीवण अर सिरजण' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय राजस्थानी परिसंवाद में व्यक्त किये।

जोधपुर में 'सौभाग्यसिंह शेखावत : जीवण अर सिरजण' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय राजस्थानी परिसंवाद आयोजित हुआ।

संगोष्ठी संयोजक एवं राजस्थानी विभागाध्यक्ष डॉ.गजेसिंह राजपुरोहित ने बताया कि इस अवसर पर सारस्वत अतिथि जेएनवीयू के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) कन्हैयालाल श्रीवास्तव ने कहा कि राजस्थान भाषा एक समृद्ध एवं स्वतंत्र भाषा जिसे संवैधानिक मान्यता मिलनी चाहिए।

उन्होंने इस संबंध में चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अगर समय रहते राजस्थानी को संवैधानिक नहीं मिली तो राजस्थानी संस्कृति खत्म हो जायेगी। प्रोफेसर श्रीवास्तव ने सौभाग्यसिंह शेखावत को राजस्थानी का एक सजग मौन साधक बताया । प्रोफेसर (डॉ.) कल्याणसिंह शेखावत ने अपने मुख्य आतिथ्य उदबोधन में कहा कि सौभाग्यसिंह शेखावत की ज्ञानदृष्टि अद्भुत थी, जिसकी वजह से उन्होंने राजस्थानी भाषा-साहित्य एवं संस्कृति के इतिहास विषयक महत्वपूर्ण सृजन किया।

उन्होंने कहा कि उनका सृजन राजस्थानी साहित्य की अनमोल धरोहर है। उदघाटन सत्र का संचालन डॉ.इन्द्रदान चारण ने किया।

इस अवसर पर साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकाशित राजस्थानी विशेषांक समकालीन भारतीय साहित्य एवं डॉ. गजेसिंह गजेसिंह राजपुरोहित की संपादित पुस्तक पारस अरोड़ा री साहित्य साधना का लोकार्पण किया।

परिसंवाद में आयोजित दो साहित्यिक सत्रों के अंतर्गत पृथ्वीराज रतनू ने अपने अध्यक्षीय उदबोधन मांय वांनै राजस्थानी भाषा-साहित्य का कर्मठ साधक बताया तो डॉ.गजेसिंह राजपुरोहित ने अपने अध्यक्षीय उदबोधन में सौभाग्यसिंह शेखावत को अेक लोक चितेरा गद्यकार बताते हुए उनके साहित्य की विवेचना की। इस अवसर पर नीलू शेखावत ने सौभाग्यसिंह शेखावत का जन्म एवं जीवन संघर्ष, डॉ. संजय कुमार शर्मा - राजस्थानी विद्यापीठ में सौभाग्यसिंह शेखावत का शोधकार्य, डॉ.मदनसिंह राठौड़- सौभाग्यसिंह शेखावत का राजस्थानी साहित्य एवं इतिहास में योगदान एवं डॉ. सद्दीक मोहम्मद राजस्थानी शोध संस्थान संस्थान चौपासनी में सौभाग्यसिंह शेखावत का सृजन विषय पर महत्वपूर्ण आलोचनात्मक शोध पत्र प्रस्तुत किये। साहित्यिक सत्रों का संचालन डॉ. जीवराजसिंह चारण एवं तरनिजा मोहन राठौड ने किया।

राजस्थानी परिसंवाद के समापन सत्र में प्रतिष्ठित राजस्थानी विद्वान एवं इतिहासविद प्रोफेसर जहूर खां मेहर ने सौभाग्यसिंह शेखावत के साहित्यिक व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा उन्होंने जीवनभर ईमानदारी से राजस्थानी भाषा-साहित्य एवं संस्कृति विषयक महत्वपूर्ण शोधकार्य संपादित किये। मुख्य अतिथि ख्यातनाम कवि-आलोचक डॉ.अर्जुनदेव चारण ने कहा कि लोक का ज्ञान हमेशा शास्त्रीय ज्ञान से बड़ा होता है। संगोष्ठी संयोजक डॉ.गजेसिंह राजपुरोहित ने सभी मेहमानों एवं उपस्थित लोगो का आभार प्रकट किया। सत्र का संचालन संतोष चौधरी ने किया।

संगोष्ठी के प्रारम्भ में अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की मूर्ति पर पुष्पमाला अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलित किया गया। तत्पश्चात पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहनसिंह के देवलोक गमन होने पर दो मिनट का मौन रखकर उनको श्रद्धापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित की गई।समारोह में प्रतिष्ठित रचनाकार प्रोफेसर सत्यनारायण, प्रोफेसर कौशलनाथ उपाध्याय, कल्याण सिंह राठौड़, डॉ.चांद कौर जोशी, बसंती पंवार, माधव राठौड़, निर्मला राठौड, नीतू परिहार, पूजा राजपुरोहित, रेणू वर्मा, दमयंति कच्छवाह, संतोष चौधरी, डॉ. महेन्द्रसिंह तंवर, मोहनसिंह रतनू, राजेन्द्र बारहठ, भंवरलाल सुथार, तरनिजा मोहन राठौड, डॉ. कालूराम परिहार, रामरतन फिड़ोदा, खेमकरण लालस, डॉ.कप्तान बोरावड़, डॉ. सवाईसिंह चारण, डॉ. अमित गहलोत, डॉ. जितेन्द्र सिंह साठिका, पृथ्वीसिंह राठौड, रविन्द्र कुमार चौधरी, श्रवणराम भादू, शिवानी जोधा, नीतू राजपुरोहित, सुरभी खींची, माधोसिंह, कंवरसिंह राव, विष्णुशंकर, मगराज, शांतिलाल, अभि पंडित आदि मौजूद रहे।

वर्षों से सड़क पर रह रही वृद्धा को समझा कर घर भेजा

- **प्रशासन व जिला कलैक्टर के संवेदनशील प्रयासों से पाली में 25 वर्षों से सड़क पर बैठी वृद्ध महिला को समझा कर परिवार के साथ भेजा**
- **महिला अधिकारिता विभाग व सखी सेंटर, पुलिस ने निभाई सक्रिय भूमिका**

पाली, (नि.सं.)। जिला कलेक्टर एलएन मंत्री व जिला प्रशासन के संवेदनशील प्रयासों से शुक्रवार देर शाम को 25 साल से सड़क पर बैठी एक वृद्धा को समझा कर घर भेजा गया।

उपनिदेशक महिला अधिकारिता विभाग भागीरथ चौधरी ने बताया कि उन्हें जिला कलक्टर एलएन मंत्री ने इस प्रकरण के बारे में बताते हुये इसमें समुचित कदम उठाने के लिये कहा।

इस प्रकरण में उपनिदेशक भागीरथ ने जानकारी करते हुये पता लगा कि एक वृद्ध महिला जो की गांधी मूर्ति के पास कई सालों से बैठी रह रही थी । जिला कलक्टर मंत्री ने उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जाए इसके निर्देश दिये इस पर उपनिदेशक भागीरथ चौधरी व केस वर्कर द्वारा मौके पर पहुंच कर महिला को सखी सेन्टर कि जानकारी दी गई।

शनिवार को उपनिदेशक के आदेशानुसार केन्द्र प्रबंधक देवी बामणिया ने इस प्रकरण में कार्यवाही करते हुए कट्रोल रूम फोन कर एक महिला कास्टेबल को बुलाया गया। तत्पश्चात मौके पर पहुंच कर महिला के प्रकरण केन्द्र प्रबंधक द्वारा वहाँ की एक दुकान पर जाकर दुकानदार से महिला के परिवार की जानकारी ली गई व महिला के दामाद के नम्बर दिये। महिला के दामाद को फोन कर गांधी मूर्ति उपस्थित होने का कहा गया व महिला की बेटी को भी साथ लाने का कहने पर दोनो पक्षकार उपस्थित हुए।

केन्द्र प्रबंधक द्वारा महिला से यहा रहने का कारण पुछने पर बताया कि मेरे 8 बच्चे है। पति का देहान्त हो चुका है और उन्हें परिवार से कोई नही रखता व ना ही मेरा खर्चा उठाते है। इसलिए स्वयं की ईच्छा से 25 सालो से यहा पर रहकर अपना जीवन व्यतीत कर रही हूं।

केन्द्र प्रबंधक द्वारा महिला को आश्वासन दिया गया कि आप निश्चित रहकर हमारे सेन्टर पर चलिए हम आपके बेटो को बुलाकर समझाईश के माध्यम से उनको अपनी जिम्मेदारी के लिए समझायेगे जिसमें आपको अपना बिछडा हुआ परिवार मिल जायेगा।

महिला ने सखी सेन्टर पर विश्वास करते हुए अपनी बेटी दामाद के साथ जाने की ईच्छा जाहिर की। बेटी व दामाद के उपस्थित होने पर बताया कि मेरी माँ कई वर्षों से यहां पर रह रही है।

बताया कि हम घर लेकर जाते है तो यह घर पर रहती नही है, वापस यहा आने कि जिद करती है। हम चार भाई बहन है एक भाई कि मृत्यु हो चुकी है। मेरी मां का मानसिक संतुलन ठीक नही होने के कारण यह किसी के साथ नही रहती है। उन्होंने कहा कि मैं स्वय भी इनको रखना चाहती हूं, परन्तु हमारे घर पर भी नहीं रहती है।

केन्द्र प्रबंधक द्वारा महिला की बेटी व दामाद को महिला की वृद्धावस्था को देखते हुए उनको मनोरोग चिकित्सकीय सुविधा जो सेन्टर से निःशुल्क दी जाती है। साथ ही कहा कि इनको अपने घर ले जाओ क्योकि सर्दियों का समय है व रात्रि के समय इनके लिए यह एक सुरक्षित स्थान नही है। जिसमें महिला की बेटी व दामाद ने महिला की समस्त जिम्मेदारी उठाने का विश्वास दिलाया।

इस प्रकार महिला की समस्या का समाधान करने के उद्देश्य से बेटी व दामाद के साथ सफल समझाईश कर उपनिदेशक भागीरथ चौधरी के निर्देशन में केन्द्र प्रबंधक देवी बामणिया व केस वर्कर सोनिया जोशी तमन्ना मारू व सुरक्षा कर्मी और महिला कास्टेबल रविना बेल्ट नम्बर 767 की उपस्थिति में महिला को सुरक्षित अपनी पुत्री व दामाद के साथ भेजा गया।

जिला कलैक्टर पाली एलएल मंत्री का कहना है कि मामले की जानकारी हुयी प्रकरण को महिला अधिकारिता को कदम उठाने के लिये कहा। ऐसे कार्य स्वंय की प्रंशसा कराने के लिये नही आत्मसंतुष्टि व सरकारी सेवा में यदि आपको मौका मिला है तो ऐसे कार्य सभी राजकीय कार्मिको व सक्षमजनों को करना चाहिये।

उपनिदेशक महिला अधिकारिता पाली भागीरथ चौधरी ने बताया कि जिला कलैक्टर के निर्देशानुसार मामले की जानकारी कर दो दिन की समझाईश से भेजा गया जिला कलक्टर का मार्गदर्शन व सखी सेंटर व पुलिस का पूर्ण सहयोग रहा।

कमरे में दंपती का शव मिला

- **पुलिस बोली, सिगड़ी जलाकर सोये**
- **बेटा बोला, कमरे में मामा भी थे, उन्हें कुछ नहीं हुआ**
- **कमरे में अगरबत्ती, नींबू पानी का लोटा, काली डोरी, मोली और परात में सिंदूर पड़ा था**

पाली , (नि.सं.)। पाली में कमरे में दंपती की डेडबॉडी मिली। बेटा लगातार कॉल कर रहा था। जब फोन नहीं उठाया तो वह घर पहुंचा। वहां माता-पिता अचेत मिले। पुलिस का कहना है कि कमरे में वे अंगीठी जलाकर सोये थे, हो सकता है दम घुटने से मौत हुई हो। बेटे का कहना है कि उसी कमरे में एक रिश्तेदार भी था, उसे कुछ नहीं हुआ। मामला शहर के रामलीला मैदान इलाके में शहीद नगर का है। रविवार सुबह 8 बजे पति-पत्नी के शव मिले।

सीओ सिटी देरावर सिंह सोडा ओर कोतवाली थाना प्रभारी सहित पुलिस टीम सवेरे मौके पर पहुंची और मौका मुआयना किया और बताया कि बताया-शहर के शहीद नगर कॉलोनी के मकान में कमरे में घेवरदास (53) पुत्र लक्ष्मी दास और उनकी पत्नी इंद्रा देवी (48) मृत मिले। अंगीठी के धुआं से दम घुटने के कारण मौत की आशंका है। परिवार ने मौत के कारण की जांच की मांग की है। पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट आने के बाद स्थिति साफ होगी।

घेवरदास के बेटे प्रकाश ने बताया-मम्मी पापा को मैंने सुबह 8 बजे कॉल किया। कई कॉल करने पर भी फोन नहीं उठाया तो मैं घर पहुंचा। मैं उसी इलाके में दूसरे मकान में रहता हूं। सुबह 8 बजे घर पहुंचकर मैंने दरवाजा खटखटाया। काफी देर तक दरवाजा नहीं खोला। मैंने ऊपर जाकर दूसरा दरवाजा खटखटाया।

उसी कमरे में रिश्तेदारी में मामा लगने वाले सुंदरदास भी सो रहे थे। उन्होंने दरवाजा खोला।

मम्मी-पापा को जगाया लेकिन वे अचेत थे। मैंने मामा को उठाया। उन्हें बताया कि मम्मी पापा जाग नहीं रहे हैं तो वे बोले कि दोनों सो रहे होंगे।

दोनों को बांगड़ हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

प्रकाश ने कहा कि पुलिस का कहना है कि कमरे में सिगड़ी जलाकर सोये थे, उसी के धुआं से मौत होने की आशंका है, लेकिन उसी कमरे में मामा थे। उन्हें कुछ भी नहीं हुआ। कमरे में सिगड़ी थी लेकिन वह जल नहीं रही थी। पता नहीं उन्होंने रात में सिगड़ी जलाई थी या नहीं जलाई थी। मौत की असली वजह सामने आनी चाहिए। पुलिस अब दोनों शवों का पोस्टमॉर्टम करवाएगी। शवो को मॉच्र्युरी में रखवाया गया है।

प्रकाश ने बताया कि शनिवार को कमरे में मम्मी पापा और मामा सोये थे।

पड़ोसी उम्मेदराम ने बताया कि सुबह घेवरदास का बेटा प्रकाश आया था। उसने गेट खुलवाने के लिए खटखटाया लेकिन रिश्तेदार ने गेट नहीं खोला। तब प्रकाश मकान की छत पर गया और लोहे का जाल हटाने की कोशिश की तब रिश्तेदार ने गेट खोला।

अंदर तीन लोग थे। घेवरदास और इंद्रा मृत हालत में मिले। रिश्तेदार घबराया हुआ था। कमरे में नींबू पानी का लोटा, अगरबत्ती, काली डोरी, मोली और परात में सिंदूर पड़ा था।

पुलिस ने सुंदरदास को पूछताज के लिए हिरासत में लिया है।

'कला साहित्य संस्कृति के लिए वर्ष रहा तिरस्कृत'

जोधपुर, (कासं) । राजस्थान कला साहित्य संस्कृति के लिए वर्ष 24 सूखा और तिरस्कृत रहा है

पूर्व राज्यमंत्री और संगीत नाटक अकादमी के पूर्व अध्यक्ष संस्कृति विद् रमेश बोराणा ने वक्तव्य जारी करते कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार ने पूरे एक वर्ष साहित्य संस्कृति की उपेक्षा करते हुए सभी 10 राज्य स्तरीय भाषा संस्कृति अकादमियों को निष्क्रिय कर दिया है और उनके लगातार दूसरे वित्तीय वर्ष का बजट लैप्स होने के कगार पर है इस वर्ष का ही लगभग 10 करोड़ रुपया जो सांस्कृतिक उत्थान पर खर्च होना था वो लेप्स हो रहा है ।

अनेक अकादमियों द्वारा वित्तीय वर्ष 23-24 में आयोजित किए गए कार्यक्रमों में कलाकारों का मानदेय व सम्मानित साहित्यकारों की स्वीकृत बकाया अवार्ड राशि भी नई सरकार ने जारी नहीं की है

बोराणा ने कहा कि अकादमियों की सक्रियता से प्रदेश में रिकार्ड रचनात्मक आयोजन हुए थे और राज्य में राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रमों से सृजनात्मक माहौल बना था जो वर्ष समाप्त होते शून्य हो गया है प्रदेश में पहली बार वृहद स्तर पर जिला व राज्य कला प्रतियोगिताएँ, लोक कला समागम, राजस्थान साहित्य उत्सव, अंतर्राष्ट्रीय नाट्यय समारोह सहित, कवि सम्मेलन, गोष्ठियाँ, सेमिनार, पुस्तक प्रकाशन, पुरातन साहित्य व कला विधाओं का संरक्षण सहित अनेक प्रशिक्षण कार्यशालाओं के व्यापक आयोजन हुए थे, लेकिन भाजपा सरकार ने वर्ष पर्यन्त इस क्षेत्र में कुछ भी नहीं किया है।

राजपुरोहित समाज की 280 प्रतिभाओं का सम्मान

रेवदर, (निसं)। राजपुरोहित कर्मचारी संघ सांचौर -चितलवाना द्वारा राजपुरोहित प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन श्रीमनोरमा गोलोक तीर्थ नंदगांव में परम श्रद्धेय गोऋषि दत्त शरणानंद महाराज, दंडी स्वामी देवानंद सरस्वती महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित हुआ।

समारोह के मुख्य अतिथि रघुनाथ सिंह राजपुरोहित सेवानिवृत प्रशासनिक अधिकारी जबकि अध्यक्षता अमराराम पालडी गौरवाध्यक्ष राजपुरोहित महासभा ने की। समारोह में सोनाराम राजगुरु सेवानिवृत अधिशासी अधिकारी, नेमाराम आमली अंबाराम धूडवा,मंजीराम डबाल, सांवलाराम पालडी, मगाराम डबाल, गोविन्द हिन्डवाडा, हितेश कुमार सहायक आचार्य,ब्रह्मदत्त नानरवाडा के विशिष्ट अतिथि रहे। समारोह का शुभारंभ विद्या की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुआ।

राजपुरोहित कर्मचारी संघ के अध्यक्ष दिनेश कुमार दाता के नेतृत्व में भारतीय संस्कृति की परंपरा के अनुरूप अतिथियों का साफा और माला द्वारा स्वागत किया गया। सचिव मोहनलाल हिन्डवाडा द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। कोषाध्यक्ष प्रवीणकुमार अचलपुर ने आय व्यय का ब्यौरा पेश किया। समारोह में 280 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए गोऋषि स्वामी दत्तशरणानंद महाराज ने कहा कि शिक्षा और संस्कार एक दूसरे के पूरक है। संस्कार सही हो तो शिक्षा सही दिशा में जाएगी। शिक्षा मनुष्य के जीवन का उपहार है जो व्यक्ति के जीवन की दिशा और दशा दोनों बदलता है, और संस्कार जीवन का सार है जिसके माध्यम से मनुष्य के व्यक्तित्व का निर्माण और विकास होता है।

दंडी स्वामी देवानंद सरस्वती महाराज ने सरस्वती महाराज ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति के जीवन में अध्यात्म और नैतिकता के गुणों को विकसित करती है, जीवन के आदर्श मूल्यों के बारे में सीखाती है ।

मुख्य अतिथि रघुनाथ सिंह ने कहा शिक्षा समाज में विवेक, ज्ञान और समर्पण की भावना विकसित करती है। शिक्षा ही जीवन है, शिक्षा से ही संस्कारों का बीजारोपण होता है तथा समाज में जागरूकता उत्पन्न होती है, शिक्षित व्यक्ति सामाजिक स्तर पर कार्य करते हुए आगे बढता है।

मंजीराम डबाल ने कहा शिक्षा आत्मविश्वास विकसित करने के साथ ही व्यक्तित्व निर्माण में सहायता प्रदान करती है, तथा आत्मनिर्भर बनाकर उनके आत्मविश्वास को बढाती हैं। हितेश कुमार सहायक आचार्य ने कहा प्रतिभा सम्मान समारोह को आयोजन करने से विद्यार्थियों को आगे बढाने में प्रोत्साहन मिलता है प्रतिभाओं को दिशा निर्देश तथा मार्गदर्शन प्राप्त होता है और प्रतिभाओं को निखारने का अवसर मिलता है।

प्रतिभा सम्मान समारोह में भामाशाह के रूप में सहयोग करने पर डूंगराराम बिछावाडी, अमृतलाल बालेरा , रामजीराम बिछावाडी, माधाराम सांचौर, हरसिंगाराम सीलू , मिश्रा राम खिरोडी, विजय कुमार सांचौर, रमेश कुमार दाता, कांतिलाल जोशी का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का संचालन राज्य पुरस्कृत शिक्षक जगदीश राजपुरोहित कारोला एवं महेंद्र कुमार आमली ने किया।

कृष्ण लाल बिछावाडी, विठ्ठल कृष्ण,आशाराम देवडा, पारसाराम बालेरा, भूपाराम ओझा , राजेंद्र कुमार डबाल, सांवलाराम रनोदर, रमेश चंद्र ओझा, खीम सिंह खिरोडी, जयंतीलाल दांतिया, प्रकाश दवे, मफतलाल वासन चौहान, राणाराम जैसला, मनीष रनोदर सहित समाज बंधु उपस्थित थे।

राजपुरोहित सेवा न्यास का सम्मान समारोह संपन्न

जोधपुर, (कासं) । राजपुरोहित सेवा न्यास की ओर से समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह रविवार को जोधपुर के डॉक्टर एसएन मेडिकल कॉलेज सभागार में आयोजित किया गया।

इसमें ब्रह्म धाम आसोतरा के वेदांताचार्य डॉक्टर ध्यानाराम महाराज के सानिध्य में समाज की 700 प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। इनमें कक्षा 10 - 12 बोर्ड सहित प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाएं शामिल थी। इसके अलावा समाज के भामाशाहों का भी सम्मान किया गया।

अपने आशीर्वचन में वेदांताचार्य डॉक्टर ध्यानाराम महाराज ने कहा कि समाज संगठित रहकर ही विकास की नई बुलंदियों को छू सकता है। शिक्षा से ही विनम्रता आती है। समाज में शिक्षा के माध्यम से ही बदलाव की नई बयार लाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि समाज में शिक्षा के प्रचार प्रसार के लिए सभी को एकजुट होकर प्रयास करने चाहिए। एक शिक्षित समाज सशक्त देश का निर्माण करता है।

इसके साथ ही उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने और संस्कारों के साथ आगे बढ़ाने की सीख दी। कहा कि आज के समय में संस्कारों का होना बहुत जरूरी है अपने माता-पिता गुरु की आज्ञा का पालन करें।

ए.डी.राही अवॉर्ड समारोह चार जनवरी को

जोधपुर, (कासं) । नगर की प्रमुख साहित्यिक संस्था तहज़ीब, जोधपुर की ओर से हर वर्ष राज्य स्तर पर उर्दू साहित्य के सर्जनात्माक संठाह को दिये जाने वाले ए.डी.राही अवॉर्ड वितरण समारोह चार जनवरी शनिवार को नेहरू पार्क स्थित डॉ. मदन सावित्री डागा साहित्य भवन में शाम 5 बजे आयोजित किया जायेगा।

संस्था सचिव नफासत अहमद ने बताया कि सन् 2024 के लिये निर्णायक मंडल द्वारा सर्वसम्मति से आदिल रजा मंसूरी (जयपुर) के शेरी मज्मूऐ ''सन्नाटे की परछाईं'' को अवॉर्ड के लिये चुना है मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश फरज़न्द अली होंगे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता शाइर, चिंतक एवं नक़्क़ाद शीन काफ़ निज़ाम करेंगे। इस अवसर पर जूरी की ओर से डॉ. मुहम्मद हुसैन पुरस्कृत काव्य संठाह पर विचार व्यक्त करेंगे और शाइर व व्याख्याता इश्राक़ुल इस्लाम माहिर 'सन्नाटे की परछाईं' पर पत्रवाचन करेंगे ।

राजेन्द्र सूरिश्वर का जन्म दिवस व पुण्यतिथि 6 को

जोधपुर, (कासं) । त्रिस्तुतिक जैन समुदाय के प्रथम आचार्य श्रीमद् विजय राजेन्द्र सूरिश्वर म. सा. का 198 वाँ जन्म दिवस एवं 118 वी पुण्यतिथि 6 जनवरी को पूरे भारतवर्ष में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाई जाएगी ।

इसी कड़ी में राजेन्द्र सूरी जैन त्रिस्तुतिक संघ, जोधपुर के तत्वावधान में 10 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। अध्यक्ष पारसराज पोरवाल ने बताया कि 30 दिसम्बर को चौपासनी हाउसिंग बोर्ड, 31 को महामंदिर, 01 जनवरी को अजीत कॉलोनी, 02 को भैरुबाग सरदारपुरा, 03 को गुलाबनगर, 06 को अवंति पार्श्वनाथ खैरादियो का बास में स्थित जैन मंदिरों में विराजित गुरुदेव की प्रतिमाओं का पूजन किया जाएगा।

सचिव हीराचंद भंडारी ने बताया कि 4 जनवरी को सम्भवनाथ-राजेन्द्र जैन मंदिर, अमरनगर एवं 5 जनवरी को राजेन्द्र भवन, खेरादियो का बास में विधिकारक सागर भाई (डीसा) व संगीतकार विनित भाई (फालना) की निश्रा में विधि विधान से संगीतमय महापूजन का आयोजन रखा गया हैं।

संघ सदस्य कमल बाफना ने बताया कि 10 दिवसीय कार्यक्रम की संपूर्ण व्यवस्था राजेन्द्र मित्र, महिला व बालिका मंडल द्वारा की जा रही है, इस अवसर पर इन सभी मंदिरों में विशेष आकर्षक रोशनी की जाएगी। 6 जनवरी को मुख्य कार्यक्रम की रूपरेखा व व्यवस्था के लिए महेन्द्र सुराणा व भंडारी, गौतम खिवसरा व सिंघवी, सुरेश लूँकड़, रणजीत बाफना, कमलेश व विपिन सेठ, सुरेश व निर्भय भंडारी को जिम्मेदारी सौपी गई हैं।

अमृता हाट 2 से 8 तक आयोजित होगा

पाली, (नि.सं.)। निदेशालय महिला अधिकारिता के आदेशानुसार महिला अधिकारिता एवं जिला प्रशासन की ओर से संभाग स्तरीय अमृता हाट का आयोजन दिनांक 31 दिसम्बर 2024 से 06 जनवरी 2025 तक किया जाना था। जिसकी अवधि में अपरिहार्य कारणां से संशोधन करते हुए परिवर्तित अवधि दिनांक पूर्ववत आयोजन स्थल राजकीय बांगड उच्च माध्यमिक विद्यालय पाली के खेल मैदान में ही किया जायेगा। आयोजन का उद्घाटन 2 जनवरी 2025 को होगा। जिसमें राज्य के सभी जिलों से आए हुए विभिन्न स्वयं सहायता समूहों द्वारा अनेक प्रकार के हस्तनिर्मित उत्पादों की स्टॉल्स लगाई जायेगी। महिला अधिकारिता विभाग उपनिदेशक भागीरथ चौधरी ने बताया कि ग्राहकों द्वारा न्यूनतम 500 रूपये मूल्य की सामग्री की खरीददारी पर कूपन जारी करने की व्यवस्था रहेगी।

जो जिले मापदंड में नहीं थे, उन्हें हटाया गया : जलदाय मंत्री

जोधपुर, (कासं) । जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी आज जोधपुर जिले में जल जीवन मिशन की बैठक लेने के लिए जोधपुर पहुंचे।

इस दौरान नए जिलों को लेकर कहा कि जो जिले मापदंड में नहीं थे उन्हें हटाया गया। हमने 2011 की जनगणना के अनुसार मापदंड है उसके आधार पर जिलों को लेकर निर्णय किया गया। जिन जिलों में एसडीएम के करने लायक काम भी नहीं है, वहां जिला कलेक्टर कैसे काम कर पाएगा। इसलिए हमने बिना किसी भेदभाव के ऐसे जिले हटवाए। देश में औसत जिलों का एवरेज 20 लाख आबादी है। हम इसका 50 प्रतिशत कम कर सकते हैं,। लेकिन तीन तीन लाख की आबादी पर जिले कैसे बना सकते हैं। इसलिए जितने भी जिले हटें हैं वो मापदंड पूरा नहीं कर रहे थे। आगे भी कोई भी जिले बने या इन जिलों को हटाने को लेकर कहीं पर भी विरोध होता है तो ऐसे गांव जो 10 लाख ली आबादी से जुड़ना चाहते हैं उन्हें लेकर विचार किया जा सकता है। चौधरी ने कहा कि जल जीवन मिशन को लेकर जो काम राजस्थान में मार्च 2024 तक पूरा होना था उसे हम समय पर पूरा नहीं कर पाए। पूरे भारत में सब जगह काम हो गया लेकिन राजस्थान में नहीं कर पाए। हमारे जितने भी पुराने ट्यूबवेल, बोरवेल, हैडपंप हैं उन्हें दुरुस्त करवाने का काम किया जा रहा है। पांच साल पुराने हैडपंपो की डिटेल मंगवाई जा रही है। कहीं पर पानी लीकेज हो रहा है, कई पर पानी की चोरियां की जा रही है। इन सभी पर मीटिंग में चर्चा होगी।

उन्होंने कहा कि जहां भी खुले बोरवेल है उससे भविष्य में हादसे नहीं हो इसको लेकर निर्देशित किया गया है। कई जगहों पर प्राइवेट काश्तकार भी ट्यूबवेल खुदवाता है। उसे भी चेक करवाया जाएगा कि उसमें परमिशन ली है या नहीं। चौधरी ने कहा कि हर घर कनेक्शन करने से पहले हमें सोर्स को ढूंढना था,पानी उठाने के सिस्टम डेवलप करने थे, फिल्टर प्लांट बनाने चाहिए थे, राइजिंग लाइन बनने के बाद हर घर कनेक्शन देने चाहिए थे लेकिन समस्या की हर जगहों पर घर-घर कनेक्शन तो कर दिए गए लेकिन जहां से पानी उठाने की व्यवस्था करनी थी वह नहीं कर पाए। अब उन पर काम कर रहे हैं। उनके प्रोजेक्ट बना रहे हैं टेंडर निकाल रहे हैं इस पूरे काम में 2 से 3 साल लगेंगे। उपभोक्ता को पानी कैसे मिले इस पर काम किया जा रहा है।

जोधपुर पोलो-2024 : जयपुर ने बेदला चांदना को हराकर कप जीता

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर पोलो एवं इक्यूस्टेरियन इंस्टीट्यूट, जोधपुर के तत्वावधान में महाराजा गजसिंह स्पोर्ट्स फाउण्डेशन पोलो मैदान, लेफ्टिनेंट जनरल एवीएम एच.एच. महाराजा उम्मेदसिंह जी एयरपोर्ट रोड, पाबूपुरा में चल रहे 25वें जोधपुर पोलो सीजन 2०24 में रविवार को दर्शकों से खचाखच भरे मैदान में महाराजा ऑफ जोधपुर गोल्डन जुबली कप (8 गोल) टूर्नामेंट का फाइनल जयपुर व बेदला चांदना टीम के बीच दोपहर 3 बजे खेला गया। फाइनल में जयपुर ने बेदना चांदना टीम को पांच के मुकाबले सात गोल कर दो गोल के अन्तर से हराया। जयपुर टीम के लांस वाटसन ने बेहद शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए टीम को कप दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मैच के चैथे चक्कर में महाराजा जयपुर ने बेहतरीन खेलते हुए चाक-क्षेत्ररक्षण के बावजूद गोल कर दर्शकों को तालियां बजाने के लिए मजबूर कर दिया।

जोधपुर पोलो के संरक्षक गजसिंह व मुख्य अतिथि के रूप में इंटरनेशनल पोलो फेडरेशन की सिल्विया डी डूरंगा मैदान में उपस्थित थीं जिन्होंने खेल की शुरुआत में गेंद फेंककर खेल शुरु करवाया। मैच समाप्ति पर गजसिंह व मुख्य अतिथि ने विजेता टीम के I को कप व ट्रॉफियां प्रदान की।

जोधपुर पोलो एवं इक्यूस्टेरियन इंस्टीट्यूट, जोधपुर के सचिव इन्द्रजीत सिंह नाथावत ने बताया कि बेदला चांदना टीम की ओर से खेलते हुए टीम के चार हैण्डीकेप के अर्जेन्टीना के खिलाडी फेड्रिको बोडो ने पहले, दूसरे व चैथे चक्कर में एक-एक गोल, तीन हैण्डीकेप के अभिमन्यु पाठक व हिम्मतसिंह बेदला ने दूसरे चक्कर में एक-एक गोल किया। टीम ने तीसरे चक्कर में कोई गोल नहीं किया गया। मुकाबले में जयपुर टीम की ओर से खेलते हुए टीम के चार हैण्डीकेप के साऊथ अफ्रीकी खिलाडी लांस वाटसन ने पहले व तीसरे चक्कर में एक-एक व चौथे चक्कर में दो गोल किए। साथी खिलाडी तीन हैण्डीकेप के सिमरन सिंह शेरगिल ने पहले व दूसरे चक्कर में एक-एक व तीन हैण्डीकेप खिलाडी एच.एच. महाराजा जयपुर सवाई पद्मनाभसिंह ने चौथे चक्कर में एक गोल किया। मैच के अम्पायर अर्जेन्टीना के निकोलस स्क्रोटीचीनी व उदय कलान थे। रैफरी धनंजयसिंह व कांमेन्ट्री राजवी शैलेन्द्रसिंह व अंकुर मिश्रा ने सम्मिलित रूप से की।

पाली संभाग निरस्त करने का विरोध किया

पाली , (नि.सं.)। भजनलाल सरकार ने कांग्रेस सरकार के समय बने नए जिलों में से 9 जिलों और 3 संभागों को खत्म करने का फैसला लिया है। साथ ही पाली, सीकर, बांसवाड़ा संभाग भी खत्म कर दिए गए हैं। राज्य सरकार के निर्णय के बाद राजस्थान में 50 जिलों की संख्या घटकर 41 रह जाएगी। वहीं 10 संभाग की जगह 7 संभाग ही अस्तित्व में रहेंगे।

कांग्रेस विधायक भीमराज भाटी ने भी फैसले पर विरोध जताया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने जनता के साथ छल करने का काम किया है। ऐसे में अब पालीवासियों को फिर से अपने प्रशासनिक और पुलिस के कामों के लिए जोधपुर शहर जाना पड़ेगा।

दरअसल पाली को संभाग का दर्जा देने के बाद संभागीय आयुक्त, आईजी बैठने लगे थे। नगर परिषद को नगर निगम बनाया गया था। पाली को जोधपुर की तरह महानगर बनने की संभावना बढ़ गई थी, लेकिन भाजपा सरकार ने मंत्री लेवल की बैठक में फैसला लेकर 9 जिले और 3 संभाग खत्म कर दिए। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि सरकार के निर्णय के बाद नगर निगम का दर्जा हटाने को लेकर भी आशंका बढ़ गई है। सरकार ने जनता पर बोझ डालने का काम किया है।

बता दें कि पाली को संभाग का दर्जा मिलने के बाद यहां संभागीय आयुक्त का ऑफिस डाक बंगले में शुरू हुआ था। संभागीय आयुक्त के रूप में प्रतिभा सिंह, अतिरिक्त संभागीय आयुक्त के रूप में हरफूल सिंह यादव सहित पूरा स्टाफ बैठना शुरू हुआ था।

आईजी ऑफिस भी पाली के टैगोर नगर में स्थापित किया गया। आईजी प्रदीप मोहन शर्मा बैठने लगे और पूरा ऑफिस स्टाफ लगाया गया। इसी तरह जलदाय विभाग सहित अन्य कई ऑफिसों में संभागीय स्तर के अधिकारियों की नियुक्ति हुई। पाली का संभाग खत्म करने से संभाग स्तर पर अधिकारियों को अन्य स्थानों पर भेजा जा सकता है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष बोले कि भाजपा सरकार हर मुद्दे पर फेल मामले में कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजीज दर्द का कहना है कि जनता के साथ कुठाराघात करने का काम भाजपा सरकार ने किया है। भाजपा सरकार हर मुद्दे पर फैल हुई है। जनहित में सरकार को यह फैसला वापस लेना चाहिए।

कांग्रेस नेता जबरसिंह राजपुरोहित ने कहा कि पाली के संभाग स्तर का दर्जा समाप्त करने की कीमत भाजपा सरकार को चुनाव में चुकानी पड़ेगी। पाली की जनता ने भाजपा को छह में से पांच सीटें जीत कर दी और उस जनता के साथ भाजपा सरकार ने कुठाराघात करने का काम किया है।

पूर्व छात्रसंघ जिलासंयोजक विकास राठौड़ ने बताया कि संभाग से पाली को नगरनिगम ओर यूनिवर्सिटी जैसी सुविधाएं मिल सकती थी।

कांग्रेस नेता महावीरसिंह सुकरलाई ने कहा कि लोगों को उम्मीद थी कि पाली भी अब जोधपुर के जैसे संभाग स्तर शहर बनेगा। यहां प्रशासनिक और पुलिसिंग सुविधाएं संभाग स्तर की विकसित होगी। शहर का विकास उस स्तर का होगा लेकिन सरकार ने पाली का संभाग दर्जा खत्म कर जनता के सपनों पर पानी फेर दिया।

सांचौर जिला निरस्त करने पर लोगों में आक्रोश, महापड़ाव की चेतावनी दी

नवगठित सांचौर जिले को रद्द करने के विरोध में आज सांचोर का बाजार बंद रहेगा

सांचौर, (निसं)। प्रदेश की वर्तमान सरकार ने पूर्व सरकार द्वारा घोषित सांचोर जिले को निरस्त कर दिया है, जिसके बाद में सांचौर जिले के लोग आक्रोशित हैं और पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई के नेतृत्व में लोगों ने रविवार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर आज से महापड़ाव की चेतावनी दी। सांचोर जिले को रद्द करने के विरोध में सोमवार को सांचौर का बाजार बंद रहेगा।

पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई ने बताया कि डीग, खैरथल व सलुम्बर जिले जो आबादी के हिसाब से सांचौर जिले के करीब-करीब बराबर हैं। डीग जिले की भरतपुर जिले से मात्र 35 किमी दूर, खैरथल जिला अलवर जिले से मात्र 45

- **पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई के नेतृत्व में लोगों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा**

किमी दूर व सलुम्बर जिला उदयपुर जिले से 70 किमी दूर है। जबकि सांचौर जिला जालोर जिले से 145 किमी दूर है। पूर्व सरकार द्वारा गठित रामलुभाया कमेटी ने नवगठित जिलों में दूरी व आबादी को मानकर नए जिले गठित किये थे, जबकि वर्तमान भाजपा सरकार द्वारा कौनसे आधार पर जिलों को निरस्त किया गया, कोई स्पष्ट नहीं है। सांचौर जिला बनने से जिला मुख्यालय नजदीक होने से लोगों के सभी जिलास्तर के कार्य जल्द होने लगे व आर्थिक बोझ भी ज्यादा नहीं रहा। लेकिन भाजपा सरकार ने जिले को रद्द करके लोगों की भावना के साथ खिलवाड़ किया है, जिससे लोग आक्रोशित हैं।

कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई ने जिला रद्द किए जाने के बाद भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने सांचौर को जिला बनाया था, लेकिन भाजपा सरकार ने राजनीतिक कारणों के चलते जिले को निरस्त किया है, जिसके चलते हम जन आंदोलन करेंगे। सांचौर की दूरी जालोर से 180 किमी है, सांचौर के अंतिम गांव की दूरी 250 किमी है। ऐसे में इन गांवों के लोगों के लिए जालोर जाना मुश्किल हो जाएगा।

पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई के नेतृत्व में लोगों ने महापड़ाव की चेतावनी दी।

नीमकाथाना जिला निरस्त करने पर लोगों में आक्रोश

पाटन, (निसं)। राजस्थान सरकार द्वारा हाल ही में नवगठित जिलों के लिए किए गये निर्णयों में नीमकाथाना सहित नौ जिलों को हटाने के बाद पूरे नवगठित जिलों सहित नीमकाथाना में आमजन में आक्रोश देखने को मिला है। जिला बनाओ संघर्ष समिति ने अपना बैनर अब जिला बचाओ संघर्ष समिति में बदलते हुए नीमकाथाना के रामलीला मैदान में मिटिंग बुलाने का ऐलान कर दिया। जिला हटाने के कारण उपजे असंतोष पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करने व जिला बचाने के उद्देश्य को लेकर बिना किसी राजनैतिक लालसा के दलीय राजनीति से दूर केवल जिला हटने की पीड़ा व्यक्त करने बड़ी संख्या में लोग मिटिंग स्थल पर पहुंचे व सरकार द्वारा लिए गये इस अदूरदर्शिता पूर्ण निर्णय की कड़े शब्दों में भर्त्सना की तथा आगामी रणनीति बनाने को लेकर अपने-अपने विचार रखे।

विधायक सुरेश मोदी ने अपने सम्बोधन में कहा कि जिला बनाने की मांग सन् 1952 से चल रही थी। कई

जिला बनाओ संघर्ष समिति ने नीमकाथाना के रामलीला मैदान में मिटिंग बुलाई।

- **जिला बनाओ संघर्ष समिति ने अपना बैनर अब जिला बचाओ संघर्ष समिति में बदला**

प्रयासों की सुखद परिणाम सन् 2023 में कांग्रेस सरकार के तत्कालीन मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता के चलते नीमकाथाना को जिला बनने के रुप में मिला। हर घर परिवार में खुशियां मनाई गई, हर गांव ढाणी में दीपावली जैसा माहोल देखने को मिला परन्तु अचानक राजस्थान की भाजपा सरकार द्वारा जो निवाला जनता के मुंह से छीना गया उससे सभी लोग स्तब्ध हुए जिसका परिणाम सामने है कि आज स्वप्रेरणा से बड़ी संख्या में लोग मिटिंग स्थल पर पहुंचे हैं। इसका सबसे ज्यादा दुख: युवा पीढी को है कहीं ना कहीं उनके सपने चकनाचूर हुए हैं, परन्तु मेरा सबसे निवेदन है कि अनुशासन रखते हुए गांधी के सिद्वांत अनुसार अहिंसा के रुप में हमें संघर्ष करना पड़ेगा, इसके लिए तैयार रहना है। अगर सरकार को जिला निरस्त करना था तो पहले ही कर दिया होता एक साल तक क्यों खर्च करती रही।

संघर्ष समिति के संरक्षक के.एल मीणा पूर्व प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि नीमकाथाना को जिले के पैनल से निरस्त कर नीमकाथाना की जनता के साथ कुठाराघात किया है। इससे बड़ा अन्याय नीमकाथाना के साथ हो ही नहीं सकता। नीमकाथाना जिला सभी मापदण्ड पूरे करने के बाद भी जिला निरस्त करना सरकार की व्यवस्था के प्रति लापरवाही की सोच को उजागर करता है। भाजपा के स्थानीय नेताओं का चुप रहना जख्मों को कुरेदने जैसा है। इसका खामियाजा सरकार को भुगतना पड़ेगा यह निश्चय है। सभा को कान्ता प्रसाद शर्मा, सुमित मोदी, मदनलाल सैनी, राधेश्याम शर्मा, गोवर्धन तेतरवाल, कैलाश मीणा, राजेन्द्र यादव प्रधान प्रतिनिधि, सवाई सिंह मीणा, राजू महराणियां, मालाराम वर्मा पूर्व सरपंच, भोपाल सैनी, कमल सैनी डाबला, लक्ष्मण सिंह सरपंच, शिवपाल भाटी, बीरबल काजला, सुरेश यादव रामपुरा, राजवीर जाखड़, कैलाश बोपिया, मोहनलाल मीणा, बाबूलाल चौहान, जयराम सिंह, मदनलाल भावरिया, सांवरमल चौधरी, बीरबल राम ने सम्बोधित करते हुए सरकार के निर्णय की कड़े शब्दों में निन्दा की तथा संघर्ष समिति को सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस मीटिंग में क्षेत्र के जिला पार्षद, पंचायत समिति सदस्य, सरपंच एवं पार्षद गणों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर विरोध दर्ज करवाया। संघर्ष समिति की ओर से पूर्व सरपंच जवाहर सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए पधारे हुए सभी लोगों के साथ व्यापार मण्डल एवं सब्जी विक्रेता संघ द्वारा अनिश्चितकालिन बंद का स्वागत किया।

वृद्ध की हत्या का आरोपी अहमदाबाद से गिरफ्तार

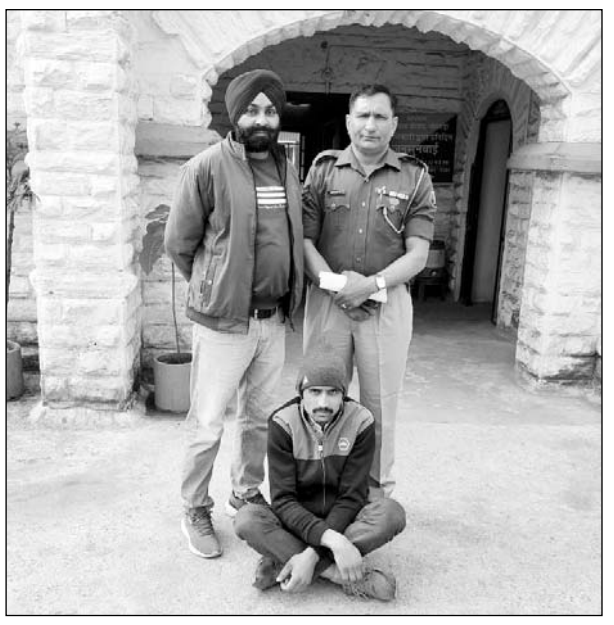

पुलिस ने हत्या के आरोपी को गिरफ्तार किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। आसींद थाना क्षेत्र में वर्ष 2015 में हुई एक वृद्ध व्यक्ति की हत्या के मामले में दस वर्ष से फरार दो हजार रुपये के इनामी अपराधी को डीएसटी टीम ने अहमदाबाद से गिरफ्तार किया है। यह अपराधी जमानत पर रिहा होने के बाद से फरार चल रहा था। पुलिस ने बर्तन का व्यापारी बनकर आरोपी को गिरफ्तार किया।

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र यादव ने बताया कि दिनेश पिता गोपाल खटीक निवासी मोड़ का निंबाहेड़ा द्वारा 7 अगस्त 2015 को एक लिखित रिपोर्ट दी थी, जिसमें उसने बताया कि पप्पू पिता रामेश्वरलाल दरोगा के मोबाइल से उसके पास फोन आया तो पप्पू ने बताया कि कन्हैयालाल मेरे घर पर आकर लड़ाई- झगड़ा कर रहा है, इसे ले जाओ। इस पर दिनेश अपने घर गया और काका सत्यनारायण व भाई मुकेश को बताया और तीनों भागकर पप्पू के घर पहुंचे। वहां पर देखा तो कन्हैयालाल घर में पलंग पर मृत पड़ा हुआ था। उसी घर में कृष्णा दरोगा, उमेश मुंगड़ व कृष्णा के माता-पिता रामेश्वर दरोगा व उसकी पत्नी इन लोगों को देखकर भागने लगे। दिनेश ने कहा कि मेरे भाई कन्हैयालाल को इन सभी ने षड्यंत्रपूर्वक घर पर बुलाकर कोई संदिग्ध वस्तु खिलाकर गला दबाकर मौत के घाट उतार दिया।

पुलिस ने अनुसंधान के दौरान

- **पुलिस ने बर्तन का व्यापारी बनकर आरोपी को अहमदाबाद से गिरफ्तार किया**
- **आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर दो हजार का इनाम भी घोषित किया गया था**

अभियुक्त उमेश पिता राधेश्याम मुंगड़ को गिरफ्तार कर न्यायलय में पेश किया। आरोपी उमेश जमानत होने के बाद फरार हो गया था। तारीख पेशी पर कोर्ट में उपस्थित नहीं होने पर कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया। पिछले करीब 10 साल से फरार हत्या के मामले में वांछित होने से आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर दो हजार का इनाम भी घोषित किया गया। इसी बीच मूखबिर के जरिए आरोपी उमेश के अहमदाबाद में होने की जानकारी मिली, जिस पर डीएसटी टीम के ओमप्रकाश चौधरी और कांस्टेबल अमृत सिंह ने जतिन जैन (प्रोबेशनर) आईपीएस के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए बर्तन का व्यापारी बनकर आरोपी उमेश को गिरफ्तार किया। आरोपी उमेश को आसींद पुलिस के सुपुर्द किया गया, जिसे पुलिस ने कोर्ट में पेश कर जेल भिजवा दिया।

विशेषज्ञों ने भूजल रिसाव का निरीक्षण किया

जैसलमेर, (निसं)। जिले में मोहनगढ़ क्षेत्र में भूजल रिसाव के मामले में जिला प्रशासन द्वारा एहतियात के तौर पर पुख्ता

- **घटनास्थल से पांच सौ मीटर का क्षेत्र निषिद्ध घोषित किया**

प्रबन्ध किए जा रहे हैं। जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट प्रतापसिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के अंतर्गत आदेश जारी कर मोहनगढ़ की सुथार मंडी के 27 बीडी क्षेत्र में पानी की अनियतंत्रित निकासी वाले बोरवेल के पांच सौ मीटर परिधि को निषिद्ध क्षेत्र घोषित कर आम नागरिकों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाया है।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर पवन कुमार ने बताया कि अनियंत्रित निकासी वाले बोरवेल का रविवार को केयर्न एनर्जी कंपनी के विशेषज्ञ अधिकारियों ने निरीक्षण किया एवं उनके द्वारा अतिशीघ्र कारणों का अध्ययन कर रिपोर्ट दी जाएगी और इस पर नियंत्रण की उपचारात्मक कार्यवाही शुरू की जाएगी। अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने बताया कि मोहनगढ़ विकास अधिकारी द्वारा भराव क्षेत्र से पानी निकासी के लिए प्रबंध किए जा रहे हैं। वहीं जोधपुर विद्युत वितरण निगम के द्वारा जलभराव क्षेत्र में आने वाली बिजली लाइनों की वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है।

शिल्पग्राम महोत्सव : जयपुर के हवामहल की प्रतिकृति आकर्षण का केंद्र बनी

उदयपुर, (निसं)। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन के बाद राजकीय शोक के कारण शिल्पग्राम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां रोक दी गई है, फिर भी शहरवासियों का शिल्पग्राम के प्रति उत्साह कम नहीं हुआ है। मुक्ताकाशी मंच पर बनी पिंक सिटी जयपुर के हवामहल की प्रतिकृति, यहां लगे स्टोन के राशि चिह्नों के स्कल्पचर, गवरी सहित जगह-जगह लगे स्टोन के म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स और सांस्कृतिक झलक देतीं शानदार मूर्तियां आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है। जयपुर के हवामहल की प्रतिकृति को देखने लोगों की भीड़ उमड़ रही है। संपूर्ण मेला क्षेत्र में पिकनिक, सेल्फी सेलिब्रेशन और शॉपिंग का खूबसूरत माहौल देखा जा रहा है।

कई आगंतुकों का मानना है कि पिछले 10-12 वर्षों में शिल्पग्राम परिसर में जनरुचि के अनुसार बहुत सारी कलाकृतियां जोड़ी गई है, जिनके कारण सांस्कृतिक प्रस्तुतियां बंद होने के बावजूद जनता में उत्साह न केवल बरकरार रहा, बल्कि उसमें बढ़ोतरी ही हुई है। उदयपुर के दीपक, उमेश, रघुवीर, मेघा, संगीता आदि कई मेलार्थी कहते हैं कि शिल्पग्राम उत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां नहीं हो रही है तो शिल्पग्राम को अच्छी तरह से देखने का अवसर मिल रहा है। केंद्र के कार्यक्रम अधिकारी हेमंत मेहता ने बताया कि केंद्र के निदेशक फुरकान खान ने अपने पहले कार्यकाल में दीर्घकालीन सोच और परिकल्पना के

शिल्पग्राम में मुक्ताकाशी मंच पर बना जयपुर के हवामहल की प्रतिकृति आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

मुताबिक शिल्पग्राम को वर्षपर्यंत जीवंत रखने के लिए कई नवाचार किए थे जिनका लाभ केंद्र को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि 50 से अधिक वाद्य यंत्र और अनेक आधुनिक मूर्तियां अलग-अलग स्थानों पर स्थापित की गई है, जो अपने आप में शिल्पकला का अद्भुत नमूना तो है ही, साथ ही पर्यटकों को आकर्षित करने का एक अच्छा माध्यम भी है।

हेमंत मेहता का कहना है कि आज सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं है तो भी निदेशक खान की सोच के बदौलत शिल्पग्राम को कई ऐसे स्थाई आकर्षण बिंदु मिल पाए, जिन्हें देखकर लोग रोमांचित हो रहे हैं। केंद्र के सहायक निदेशक दुर्गेश चंदवानी का आकलन है कि सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं होने के कारण कला प्रेमियों में कुछ मायूसी अवश्य है, परन्तु उत्साह कम नहीं हुआ है। उनके अनुसार इसका फायदा शिल्पकारों के स्टाल्स पर खरीदारी में बढ़ोतरी में देखा जा सकता है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लगने वाला समय अब खरीदारी में लग रहा है।

बस में आग लगी, जनहानि नहीं

हनुमानगढ़, (निसं)। भादरा क्षेत्र में चलती बस में अचानक एक धमाके की आवाज के साथ आग लग गई। ड्राइवर ने बस को रोककर सभी यात्रियों को बाहर उतारा। बस में लगी अचानक आग से यात्रियों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दमकल को सूचना दी। भादरा थानाप्रभारी भूपसिंह सहारण ने बताया कि सुबह करीब साढ़े तीन बजे थाने में सूचना मिली कि बस में अचानक आग लग गई है। मौके पर रात्रिकालीन ड्यूटी ऑफिसर पुलिस टीम सहित मौके पर पहुंचे। वहां जाकर देखा तो बस में पिछले टायर की साइड में आग लगी हुई थी। यात्रियों को सुरक्षित बाहर उतार लिया गया था। मौके पर पहुंचकर पुलिस टीम ने दमकल को सूचना दी। सहारण ने बताया कि आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, हालांकि पिछली साइड अचानक तेज धमाका होने की सूचना जरूर सामने आई है, लेकिन वो धमाका किस चीज का था, वो अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। बस में सवार एक यात्री ने बताया कि विजय ट्रैवल्स नामक कंपनी की बस यूपी के आगरा से श्रीगंगानगर जा रही थी। भादरा बस स्टैंड से थोड़ा पीछे वरदान हॉस्पिटल के पास बस में आग लग गई। यात्री तो सभी सुरक्षित उतर गए, लेकिन बस में आग लगने से डिग्गी में रखा सामान भी जलकर खाक हो गया है। यात्री ने बताया कि हमने आसपास के व्यक्तियों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग ने भंयकर रूप धारण कर लिया। आरोप लगाया कि दमकल करीबन 50 मिनट देरी से पहुंची।

राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मण्डल
2-2,ए झालाना डूंगरी,जयपुर फोन 0141-2711237, 2703657, 2700540 फैक्स : 0141-2710362
E-Mail : secretary.rstb@rajasthan.gov.in

ई-निविदा सूचना संख्या 340 वर्ष 2024-25

एक वर्ष के लिए मण्डल मुख्यालय एवं राज्य के समस्त जिला वितरण केन्द्रों पर सेवा प्रदाता एजेन्सी के माध्यम से जॉब बेसिस पर वाहन चालक, बागवान, सुरक्षा प्रहरी एवं सहायक कर्मचारी की सेवायें अनुबंध पर लिये जाने हेतु सीलबंद टू-बिड पद्धति से ई-बोली दिनांक 18.01.2025 सांय 6.00 बजे आमंत्रित की जाती है। बोली की अनुमानित लागत राशि रूपये 220.00 लाख है। बोली से संबंधित विवरण एवं शर्तें वैबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड व देखे जा सकते है।
UBN No. : TBB2425SLRC00065
राज.संवाद/सी/24/9665 सचिव

राजस्थान आवासन मण्डल
हमारा प्रयास - सबको आवास
नववर्ष के इस बुधवार आवासन मण्डल से करें अपने आवास का सपना साकार
बुधवार नीलामी उत्सव
ई-बिड सबमिशन के माध्यम से
जयपुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर और अलवर में
बुधवार नीलामी में जुड़े नये आवास
0-50% तक की भारी छूट पर कुल 3940 आवास/फ्लैट्स/भूखण्ड
50% तक की छूट वाले आवास/फ्लैट्स/भूखण्ड

स्थान	स्कीम का नाम	आवास/फ्लैट्स/भूखण्ड संख्या
जयपुर	महला स्कीम (फ्लैट्स) RAJ/P/2018/785	1209
अजमेर	नाका मदार	15
जोधपुर	कुडीभगतासनी स्कीम	413
	विवेक विहार स्कीम	559
		1
	मगरा योजना, बाड़मेर RAJ/P/2018/765	469
	मारवाड़ अपार्टमेंट RAJ/P/2018/757	14
कोटा (स्वतंत्र आवास)	छबड़ा	330
	सुनेल	3
	रामगंज मण्डी	16
	मंगरोल	239
	चोमेला	178
	छीपाबडोद	192
उदयपुर (स्वतंत्र आवास)	अटल नगर, भींडर	1
	गोविन्द नगर	1
	पीडीएन सुवाना	115
	हाउसिंग स्कीम सागवाड़ा	1

बिना छूट वाले आवास/फ्लैट्स/भूखण्ड

स्थान	स्कीम का नाम	आवास/फ्लैट्स/भूखण्ड संख्या
ब्यावर	गढ़ी थोरियान	3
जयपुर	द्वारकापुरी - RAJ/P/2018/793	83
	वीकेंड होम नायला-RAJ/2018/722	9
	इन्दिरा गांधी नगर सेक्टर 4,5,8,9 & 10	1
अलवर	NEB एक्सटेंशन	21
	अरावली विहार	5
	सेक्टर 4 & 7	1
आबू रोड	आकराभाटा	1
कोटा (स्वतंत्र आवास)	नैनवा, बूंदी	11
	जेल रोड	9
उदयपुर (स्वतंत्र आवास)	साउथ एक्सटेंशन	1
	शास्त्री नगर, बांसवाड़ा	1
	हाउंसिग स्कीम, परतापुर	37

*उपरोक्त आवास 'जहाँ/जैसी स्थिति में है' आवंटित किये जायेंगे।
ऑनलाइन प्रस्ताव देने की प्रक्रिया के लिए आवासन मण्डल की वेबसाइट rhb.rajasthan.gov.in देखें।
हेल्पलाइन नं. कार्यालय समय में: 0141-2744688, 2740009, कार्यालय समय उपरान्तः 9461054291/92/319 एवं 9460254319, कमल कुमावत (6376868696) या समन्वयक अधिकारी श्री भारत भूषण जैन (9828363615) से सम्पर्क करें
विस्तृत विवरण के लिये QR कोड स्कैन करें
Rera Website: www.rera.rajasthan.gov.in/
राज.संवाद/सी/24/9674 आवासन आयुक्त

ऐतिहासिक सुजानगंगा नहर का पानी फिर दूषित होना शुरु

पानी दूषित होने के चलते पानी में रहने वाली मछलियों के मरने की शुरूआत

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर की ऐतिहासिक सुजानगंगा नहर का पानी एक बार फिर दूषित हो गया है। पानी दूषित होने के चलते पानी में रहने वाली मछलियों के मरने की शुरूआत भी अब हो गई है। मछलियों के मरने के बाद उनके सड़ने से आसपास रहने वाले लोगों व राहगीरों का बदबू की वजह से निकलना मुश्किल हो रहा है।

सुजानगंगा नहर में अब से कुछ वर्ष पूर्व भी पानी में मछलियों के मरने की घटना सामने आई थी। तब हजारों मछलियों की मौत हो गई थी। जिसका कारण पानी में ऑक्सीजन की कमी बताया गया था। एक बार फिर से पानी में मछलियों के मरने की घटना सामने आ रही है। नगर निगम के द्वारा पानी में मरकर ऊपर आ रही मछलियों की सफाई का कार्य भी शुरू

सुजानगंगा नहर के पानी में मरी हुई मछलियां।

कर दिया है। फिलहाल कम संख्या में ही मछलियां मरी है। ऐसे में जल्द मछली के मरने के कारणों का पता लगाकर कारणों का समाधान करने की जरूरत है। नगर निगम के द्वारा समय समय पर लाखों रूपये खर्च कर सुजानगंगा नहर में सफाई

- **मछलियों के मरने के बाद उनके सड़ने से आसपास रहने वाले लोग व राहगीर परेशान**

को लेकर विभिन्न अभियान चलाए जाते हैं। वहीं जिला प्रशासन के द्वारा भी सुजानगंगा नहर में लोगों को कूढा डालने पर सख्त रोक लगा रखी है। इसके बावजूद सुजानगंगा नहर मैली होती जा रही है, जिसका खामियाजा नहर में रहने वाली मछलियों को उठाना पड़ता है। एक बार फिर से मछलियों के मरने से लोगों को परेशानी हो रही है। वहीं प्रशासन के द्वारा सुजानगंगा नहर में लोगों को बोटिंग की सुविधा भी शुरू की गई है, लेकिन मछलियां मरने और उनकी दुर्गन्ध की वजह से लोगों का बोटिंग से आकर्षण कम होने लगा है। वर्ष 2013 के बाद नहर में कोई बड़ा अभियान नहीं चलाया गया है। न्यायालय के आदेश नहर को प्रदूषण मुक्त करने के हैं। लेकिन नगर निगम सहित स्थानीय प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। सफाई की मशीन सिर्फ ऊपरी सतह से कचरा उठाती है। पानी के अंदर सिल्ट को साफ नहीं किया गया है जो कि पानी को जहरीला बना रही है।

इस बारे में नगर निगम के एक्सईएन रतन सिंह का कहना है कि सुजानगंगा नहर से मरी व जिंदा मछली निकालने का ठेका किया है। मछली ना मरे और जिंदा रहे इसकी जिम्मेदारी मत्स्य विभाग की है।

विधायक राइजिंग राजस्थान के एम.ओ.यू. पर कलेक्टर से नियमित बैठक करें

मुख्यमंत्री भजनलाल ने जोधपुर व उदयपुर संभाग के विधायकों को अटल ज्ञान केन्द्र व सद्भावना केन्द्रों पर दिशा-निर्देश दिये

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पिछले दिनों जयपुर में हुई "राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमैंट समिट" तभी सार्थक मानी जायेगी, जब उसके तहत हुये एमओयू धरातल पर उतरेंगे। इसके लिये विधायकों को जिला कलेक्टरों के साथ निरन्तर मीटिंग करनी होंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन से सर्वांगीण विकास करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने के लिए आधारभूत विकास के साथ ही, प्रदेश में जनकल्याणकारी योजनाएं प्रभावी रूप से संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का लक्ष्य समाज के अन्तिम व्यक्ति को राहत पहुंचाते हुए ,उत्थान और कल्याण सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को उनके निवास पर जोधपुर एवं उदयपुर संभाग के विधायकों से मुलाकात की।

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर जोधपुर एवं उदयपुर संभाग के विधायकों के साथ बजट वर्ष 2024-25 में की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें। इसके लिए जिला प्रशासन के साथ निरन्तर बैठक कर विकास कार्यों की प्रगति का फीडबैक भी लेवें। उन्होंने कहा कि इन घोषणाओं को धरातल पर उतारना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने जोधपुर एवं उदयपुर संभाग के विधायकों से बजट घोषणाओं के विकास कार्यों की वित्तीय स्वीकृति, जमीन आवंटन और प्रगतिरत कार्यों के संबंध में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने विधायकों से कहा कि आमजन के कल्याण एवं क्षेत्र की आवश्यकता के अनुरूप जनहित के विकास कार्यों की सूची बनाकर भेजें, ताकि इन्हें आगामी बजट में शामिल किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने विधायकगणों को मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्रों के संचालन, अटल ज्ञान केन्द्रों की स्थापना और "खेलो इंडिया" अभियान की तैयारी के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने राज्य सरकार के कार्यों, योजनाओं, नीतियों व उपलब्धियों के प्रचार-प्रसार के निर्देश भी दिए। शर्मा ने कहा कि विधायकों के कार्यों से ही क्षेत्र में बदलाव आता है और जनता का विश्वास कायम होता है। उन्होंने विधायकों के सुझावों का संज्ञान लेते हुए, अधिकारियों को समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत निर्माण कार्यों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

- **विधायकों के सुझावों का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत निर्माण कार्यों के बारे में निर्देश दिये**

शर्मा ने कहा, प्रत्येक जिले में पंच गौरव कार्यक्रम के तहत एक जिला-एक उपज, एक जिला-एक प्रजाति, एक जिला-एक उत्पाद, एक जिला-एक पर्यटन स्थल और एक जिला-एक खेल की नियमित मॉनिटरिंग कर, इन्हें बढ़ावा देवें। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से जारी 10 नवीन नीतियों का भी प्रचार-प्रसार किया जाए।

गहलोत ने आनन-फानन में बनाए थे नए जिले : डॉ अरूण चतुर्वेदी

जयपुर। भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ अरूण चतुर्वेदी ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने सेवानिवृत्त अधिकारी की समिति की रिपोर्ट आने से पूर्व ही केवल राजनीतिक दृष्टि से वोटों की फसल काटने के लिए आनन-फानन में 17 नए जिलों की घोषणा की थी। इतना ही नहीं, गहलोत ने जिस दूदू को 3 माह पूर्व नगर पालिका बनाने की घोषणा की, उसे सिर्फ अपने चहेतों को खुश करने के लिए 3 माह के बाद जिला बना दिया।

- **मुख्यमंत्री शर्मा के नए जिलों को लेकर किए गए निर्णय से आमजन खुश, मुख्यमंत्री का जताया आभार : पुष्पेंद्र सिंह राणावत**

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी और भाजपा विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत ने प्रदेा कार्यालय में प्रेस को संबोधित किया।

डॉ चतुर्वेदी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 5 साल तक सत्ता के संघर्ष में लगे रहे। अपनी सरकार बचाने के लिए होटलों के चक्कर लगाते रहे और चुनावी साल में आने वाली सरकार के लिए चुनौतियां खड़ी करने के लिए बिना किसी प्लानिंग के जिलों की घोषणा कर दी। कांग्रेसी नेता पिछले एक साल से जनता के बीच भ्रम फैलाने की राजनीति कर रहे है। जबकि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार लगातार एक के बाद एक संकल्प पत्र के वादों को पूरा करने में जुटी हुई है।

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि ईआरसीपी को अमलीजामा पहनाने का मामला हो, यमुना जल समझौते को मूर्त रूप प्रदान करने का मामला, पेपरलीक माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई कर आरपीएससी सदस्यों को सलाखों के पीछे पहुंचाने का मामला हो, संगठित अपराध पर नकेल कंसने का मामला हो, ऊर्जा का क्षेत्र हो या फिर सरकार के पहले ही साल राइजिंग राजस्थान समिट करने का मामला हो भाजपा सरकार चरणबद्ध तरीके से कार्य पुरा कर रही है। इसके बावजूद कांग्रेसी नेता झूठ और भ्रम फैलाकर राजनीति कर रहे है।

भाजपा विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वित्तीय संसाधनों के अभाव में आनन फानन में वोट बटौरने के लिए नए जिले बनाए। जबकि राजस्थान में आजादी के बाद 2023 तक 26 से महज 7 नए जिले बनाए गए। गहलोत ने चुनावी लाभ प्राप्त करने के लिए 17 नए जिले बना दिए, यह तर्क संगत नहीं था। राणावत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की कैबिनेट द्वारा नए जिलों को लेकर किए गए निर्णय से आमजन खुश है। आज दूदू के लोगों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात कर आभार जताया और जयपुर में शामिल करने पर धन्यवाद ज्ञापित किया। इसी तरह भीनमाल के लोगों ने भी खुशी व्यक्त की। सरकार ने जिलों की प्रशासनिक, आर्थिक और भौगोलिक दृष्टि को ध्यान में रखते हुए 9 जिलों को रद्द करने तथा 3 संभाग को निरस्त करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित राजस्थान 2047 के सपने को साकार करने की दिशा में कार्य कर रहे है।

तीन लेखकों का हुआ सम्मान

जयपुर। विरासत का गर्व करना अच्छी बात है किन्तु विरासत के सन्देश को व्यापक बनाना और उसे सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना से जोड़ना कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण है। सम्भावना संस्थान ने मेवाड़ के प्रसिद्ध स्वतन्त्रता सेनानी रामचन्द्र नन्दवाना की स्मृतियों को सहेजने का जैसा अनुष्ठान किया है वह सचुमच अनुकरणीय है। सुपरिचित लेखक और निबंधकार डॉ दुर्गाप्रसाद अग्रवाल ने स्वतंत्रता सेनानी रामचन्द्र नन्दवाना स्मृति सम्मान समारोह में प्रो अवधेश प्रधान और प्रताप गोपेन्द्र को सम्मानित करते हुए कहा कि इन दोनों लेखकों ने हमारी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को नयी पीढ़ी के लिया पुनर्नवा किया है।

आयोजन में वर्ष 2022 के लिए सोपान जोशी की कृति जल थल मल, 2023 के लिए अवधेश प्रधान की सीता की खोज और 2024 के लिए प्रताप गोपेन्द्र की कृति चंद्रशेखर आज़ाद : मिथक बनाम यथार्थ को सम्मानित किया गया। डॉ अग्रवाल, हिंद ज़िंक मजदूर संघ के महामंत्री घनश्याम सिंह राणावत, प्रो माधव हाड़ा और शहर के साहित्य प्रेमियों ने लेखकों को शॉल, प्रशस्ति पत्र और राशि भेंट कर अभिनन्दन किया। युवा शिक्षक डॉ माणिक ने सोपान जोशी, डॉ रेणु व्यास ने अवधेश प्रधान और महेंद्र खेरारू ने प्रताप गोपेन्द्र के लिए प्रशस्ति वाचन किया।

सम्मान ग्रहण करते हुए काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रो अवधेश प्रधान ने अपनी कृति सीता की खोज के संदर्भ में कहा कि राजनीति भूगोल की छोटी-छोटी सीमाओं में बाँटकर प्रभुत्व का दम

- **स्वतंत्रता सेनानी रामचन्द्र नन्दवाना स्मृति सम्मान समारोह आयोजित**

भर सकती है लेकिन सीता ने जन-मन में सब सीमाओं के ऊपर प्रेम और करुणा का जो भाव सेतु बाँध दिया है उसे तोड़ना किसी राज्य और सेना के बूते में नहीं है। प्रो प्रधान ने कहा कि वाल्मीकि से तुलसीदास और लोककवियों तथा लोककाव्यों ने हजारों वर्षों तक लाखों लोगों के हृदय में सीता की भावमूर्तियाँ गढ़ी हैं। उन्होंने बताया कि वाल्मीकि. महाभारत, भास, कालिदास, भवभूति, तुलसीदास और लोकगीतों की सीता को खोजते हुए उन्होंने पाया कि भारतीय जनमानस में सीता की छवि अत्यंत उज्ज्वल और पावन है जो हमेशा मनुष्य जीवन को संवेदनशील और संघर्षशील बनाती रहेगी।

पुलिस सेवा के अधिकारी और लेखक प्रताप गोपेन्द्र ने कहा कि चित्तौड़गढ़ की वीर भूमि पर इस सम्मान को ग्रहण करना अविस्मरणीय अनुभव है। उन्होंने अपनी कृति के सम्बन्ध में कहा कि अमर क्रांतिकारी चंद्रशेखर आज़ाद की छवि में मिथक और यथार्थ इतने अधिक घुलमिल गए हैं कि उनकी वास्तविक छवि को प्राप्त करना अत्यंत दुष्कर है। उन्होंने पुस्तक की रचना प्रक्रिया की जानकारी देते हुए कहा कि अंग्रेजी शासन की पत्रावलियों और दस्तावेजों को खोजने और उनका सही विश्लेषण कर आज़ाद की वास्तविक पहचान करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण सफर रहा। इस कृति ने अनेक नवीन तथ्यों का उद्घाटन किया है जिससे आज़ाद के सम्बन्ध में प्रचलित अनेक विरोधाभासों का संधान हो सकता है।

इससे पहले आयोजन में स्वागत भाषण करते हुए संभावना के अध्यक्ष लक्ष्मण व्यास ने बताया कि वर्ष नन्दवाना के शताब्दी वर्ष 2019 से प्रारम्भ हुए इसे सम्मान में अब तक कुल छह विद्वान लेखकों की कृतियों को चुना गया है। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के आकस्मिक निधन पर दो मिनिट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। संभावना के सदस्य डॉ गोपाल जाट को कालेज शिक्षक में चयनित होने पर डॉ ए एल जैन एवं प्रो सुरेश चंद्र राजोरा ने शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। विजन कालेज ऑफ़ मैनेजमेंट में हुए सम्मान समारोह में के एम भंडारी, डॉ सत्यनारायण व्यास, डॉ के एस कंग, डॉ भगवान साहू, मुन्नालालडाकोत, डॉ गोविंदराम शर्मा, जी एन एस चौहान, श्रमिक नेता सत्येंद्र कुमार मोड़, राष्ट्रीय कवि अब्दुल जब्बार, अनिल जोशी, गुरविंदर सिंह, सुभाषचंद्र नन्दवाना, मनोज जोशी, जे पी भटनागर, नंदकिशोर निर्झर, कवि भरत व्यास, संतोष कुमार शर्मा, सीमा पारीक, घनश्याम सिंह चौहान, किरण सेठी ,विकास अग्रवाल, बाबूलाल कच्छावा सहित बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी उपस्थित थे। संयोजन डॉ कनक जैन ने किया और अंत में नन्दवाना परिवार की तरफ से डॉ पल्लव ने आभार प्रदर्शित किया।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. डॉ मनमोहन सिंह की याद में श्रद्धांजलि सभा

जयपुर। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए जयपुर शहर जिला कांग्रेस ने श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। श्रद्धांजलि सभा में कांग्रेस जनों ने पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष आर आर तिवाड़ी ने कहा कि देश को विभिन्न लाभकारी योजनाएं देने वाले डॉ मनमोहन सिंह हमारे बीच में नहीं रहे लेकिन जनता को उन्होंने मनरेगा शिक्षा का अधिकार स्वास्थ्य का अधिकार सूचना का अधिकार आदि ऐसी अनेक योजनाएं दी।

गहलोत ने अपनी अल्पमत सरकार को बचाने के लिए बनाए थे नए जिले : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने गहलोत के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि गहलोत अपनी अल्पमत सरकार को सहयोग करने वाले विधायकों को खुश करने के लिए आनन-फानन में नए जिलों की घोषणा कर दी थी, इतना ही नहीं, गहलोत ने पूर्व सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी रामलुभाया की अध्यक्षता में समिति तो गठित की लेकिन नए जिलों की घोषणा के बाद स्वयं रामलुभाया ने आश्चर्य व्यक्त किया था। इसका मतलब साफ है कि गहलोत ने समिति को भी अंधेरे में रखकर विधायकों को खुश करने के लिए

- **'गहलोत ने रामलुभाया समिति को भी अंधेरे में रखकर विधायकों को बांटी नए जिलों की रेवडियां'**

जिलों की रेवडियां बांटी थी ताकि उनकी अस्थिर सरकार को सहारा मिल सकें।

राठौड़ ने कहा कि भाजपा सरकार ने सभी जिलों की समीक्षा करने के बाद भूपपूर्व प्रशासनिक अधिकारी ललित के पंवार की अध्यक्षता में समिति का गठन किया, मंत्री मंडल की समिति बनाई और इनकी रिपोर्ट के बाद कैबिनेट बैठक में 9 जिलें एवं 3 संभाग समाप्त करने का प्रस्ताव किया है। समिति के साथ भाजपा सरकार ने राजस्थान की भौगोलिक, सांस्कृतिक और जनसंख्या के आधार पर जनता की मांग को देखते हुए 41 जिले और सात संभाग रखने का फैसला किया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि गहलोत सरकार ने नए जिले तो घोषित कर दिए लेकिन उन जिलों को चलाने के लिए ना तो आर्थिक प्रबंधन किया और ना ही उनके कार्यालय संसाधन आदि की व्यवस्था की। गहलोत तो 5 साल तक सरकार बचाने में जुटे रहे। उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच शीत युद्ध जनता के सामने है। गहलोत और पायलट दोनों अपने खेमों के विधायकों को लेकर होटलों में कैम्प चलाते रहे। ऐसे में गहलोत विधायकों को संतुष्ट करने में जुटे रहे और गहलोत सरकार ने बिना गहन चिंतन किये चुनावी आचार संहिता लगने से एक दिन पूर्व अचानक नए जिलों की घोषणा कर दी। गहलोत ने ऐसे भी नए जिले बना दिए जिसकी कभी किसी ने कोई मांग तक नहीं की।

रसायन रहित बागवानी खेती ही कारगर, प्राकृतिक उद्यानिकी खेती को बढ़ावा मिले : राज्यपाल

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कृषि उद्यानिकी के अंतर्गत प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिए जाने का आव्हान किया है। उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालयों को देश में रसायन रहित कृषि के लिए वातावरण निर्माण किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के अधिक प्रयोग से रोग ही नहीं बढ़ रहे बल्कि धरती की उर्वरा शक्ति भी नष्ट हो रही है। उन्होंने उद्यानिकी फसलों की संरक्षित खेती के लिए कार्य किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने पानी बचाकर उसके निर्माण के लिए भी देशभर में कार्य करने का आव्हान किया।

बागडे रविवार को अखिल भारतीय कृषि विश्वविद्यालय कुलपति संघ द्वारा "उद्यानिकी फसलों के संरक्षण" विषयक आयोजित 16 वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कम पानी से होने वाली फसलों, फल, फसलों को प्राकृतिक प्रकोप से बचाने के लिए सभी स्तरों पर प्रयास किए जाने पर भी जोर दिया। उन्होंने सभी कृषि विश्वविद्यालयों में सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए भी आवश्यक रूप से कार्य करने की आवश्यकता जताई।

राज्यपाल ने प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक स्वामीनाथन द्वारा 2008 में प्रस्तुत कृषि सुधारों की बनी समिति के सुझावों पर चर्चा करते हुए कहा कि लाभकारी कृषि के लिए केंद्र सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कृषि उद्यानिकी के प्राचीन ज्ञान के आलोक में कृषि की नवीन तकनीक से खेती को लाभकारी किए जाने पर जोर दिया।

बागडे ने कहा कि हमारे यहां धीरे धीरे जंगल कम होता जा रहा है। पहले अनाज जब नहीं होता था और खेती की पैदावार नहीं थी तब उद्यानिकी फसलों पर ही मनुष्य निर्भर था। पर धीरे धीरे इस दिशा में ध्यान नहीं देने के कारण जंगलों में बहुत सी उद्यानिकी फसलें लोप हो गई। उन्होंने स्थान विशेष की जलवायु के अनुरूप उद्यानिकी फसलों के अधिकाधिक उत्पादन के लिए कार्य किए जाने का आव्हान किया।

रो. प्रशांत शर्मा अध्यक्ष नॉमिनी निर्वाचित

जयपुर। रोटरी क्लब जयपुर रॉयल द्वारा बुधवार को रोटरी क्लब सभागार में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कार्यकारी समिति 2025-26 और अध्यक्ष 2026-27 की घोषणा की गई। रोटेरियन प्रशांत शर्मा को सर्वसम्मति से 2026-27 के अध्यक्ष पद के लिए प्रेसिडेंट नॉमिनी घोषित किया गया। कार्यक्रम में निर्वाचन अधिकारी रो. मोहनीश मेहरा द्वारा 2025-26 की कार्यकारिणी के तहत उपाध्यक्ष के रूप में रो. राजेश विजय को चुना गया।

विश्वकर्मा इलाके में गत्ता और प्लास्टिक की फैक्ट्री में आग

12 से ज्यादा दमकलों ने करीब 3 घंटे की कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर के विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र (वी.के.आई) में रोड नंबर 14 पर स्थित गत्ते और पानी की टंकी बनाने की दो फैक्ट्रियों में रविवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई।

आग की जानकारी मिलने पर स्थानीय थाना पुलिस और फायर अधिकारी दमकलों के साथ मौके पर पहुंचे। देखते ही देखते आग ने विकराल ले लिया। दोनों फैक्ट्री से आग की ऊंची लपटें निकलने लगी। फायर-ब्रिगेड की 12 से ज्यादा गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

- **जिन फैक्ट्रियों में आग लगी, वहां नजदीक ही थिनर का गोदाम था, अगर आग वहां तक पहुंचती तो बड़ा हादसा हो सकता था**
- **अग्निशमन टीम को जैसे ही थिनर गोदाम का मालूम चला तो समझदारी दिखाते हुए एक टीम ने वहां पानी डालाना शुरू कर दिया था, ताकि आग की तपिश से यहां कोई हादसा नहीं हो**

विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र में रविवार सुबह गत्ता व प्लास्टिक की पानी की टंकी बनाने की फैक्ट्री में लगी भीषण आग को दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद बुझाया।

सीएफओ ग्रेटर गौतम लाल ने बताया कि रविवार सुबह 6.40 बजे पुलिस कंट्रोल रूम से आग लगने की जानकारी मिली। वीकेआई से 5 फायर-ब्रिगेड, बनीपार्क से 2, बिंदायका से 2 और घाटगेट से 3 फायर-ब्रिगेड को मौके पर बुलाकर आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की। सुबह 8.30 बजे तक लगभग आग को कंट्रोल करने में टीम को सफलता मिली। इसके बाद भी कई जगह से धुआं आने पर उसे पूरी तरह से बुझाने में टीमें लगी रही।

स्थानीय लोगों ने बताया कि आग लगने वाली दोनों फैक्ट्री में से एक में गत्ता और दूसरी फैक्ट्री में पानी की टंकी बनती हैं। इन दोनों फैक्ट्रियों के पास में थिनर का भी गोदाम है। अगर आग की लपटें उस तक पहुंचती तो बड़े इलाके में आग फैल सकती थी। इसके चलते अग्निशमन विभाग की एक टीम ने समझदारी दिखाते हुए थिनर की फैक्ट्री खुलवाकर उसमें पानी का छिड़काव करते रहे, ताकि आग की हीट से होई नुकसान फैक्ट्री को न हो। पुलिस ने एहतियात के तौर पर पूरे इलाके की लाइट भी बंद करवाई और लोगों को फैक्ट्रियों से दूर करके आग बुझाने में मदद की।

'संविधान हमारे लिए गाइडिंग लाइट'

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात कार्यक्रम के 117वें संस्करण में देशवासियों को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सीएमआर पर मंत्रिपरिषद के सदस्य, सांसद एवं विधायकगण के साथ प्रधानमंत्री के सम्बोधन को सुना। मोदी ने कहा कि 2025 में 26 जनवरी को संविधान लागू होने के 75 साल पूरे हो रहे हैं। ये हमारे लिए गर्व की बात हैं। संविधान हमारे लिए गाइडिंग लाइट है, हमारा मार्गदर्शक है।

संविधान की वजह से ही आज मैं आपसे बात कर पा रहा हूं। उन्होंने कहा कि इस साल 26 नवंबर को संविधान दिवस से एक साल तक चलने वाली कई एक्टीविटिज शुरू हुई हैं। देश के नागरिकों को संविधान की विरासत से जोड़ने के लिए 75. नाम से एक खास वेबसाइट भी बनाई गई है। इसमें आप संविधान की प्रस्तावना पढ़कर अपना वीडियो अपलोड कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' में उद्बोधन सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणादायी होते हैं। उनको सुनकर नवीन ऊर्जा का संचार होता है। देश निरन्तर उपलब्धियां हासिल कर रहा है, उसको जानकर हमें गर्व की अनुभूति होती है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश 'विकसित भारत' के पथ पर तेजी से अग्रसर है।

बीते 2 दिनों में 746 खुले बोरवेल और कुएं ढकवाए

खुले बोरवेल में बच्चों के गिरने की घटनाओं को लेकर जिला प्रशासन ने दिखाई सतर्कता

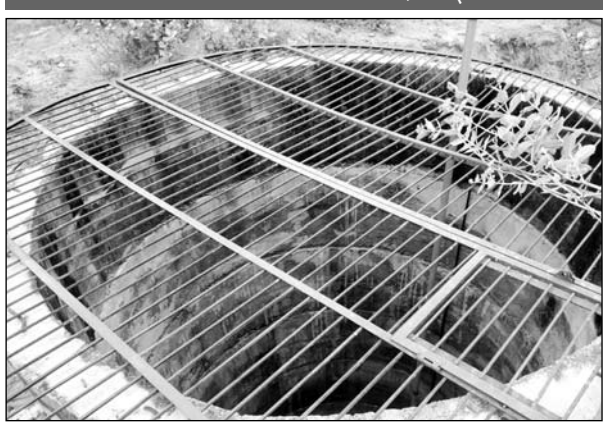

जयपुर। खुले बोरवेल में बच्चों के गिरने की घटना को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बेहद संवेदनशील हैं। राज्य सरकार के निर्देशों की अनुपालन में आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने एवं ऐसे हादसों को रोकने के लिए जयपुर जिला प्रशासन ने मुहिम के तहत विगत दो दिनों में कुल 746 खुले बोरवेल एवं कुंए ढकवाए।

अतिरिक्त कलक्टर मुकेश कुमार मूंड ने बताया कि अभियान के तहत जयपुर तहसील में 13, आमेर तहसील में 30, कालवाड़ तहसील में 33, तूंगा तहसील में 69, जमवारामगढ तहसील में 24, माधोराजपुरा तहसील में 26, बस्सी तहसील में 30, चाकसू तहसील में 63, आंधी तहसील में 30, किशनगढ़- रेनवाल तहसील में 36 खुले बोरवेल एवं कुंए लोहे की प्लेट एवं जालियों से ढकवाए गए हैं। कोटखावदा तहसील में 11, सांभर तहसील में 68, जोबनेर तहसील में 16, रामपुरा डाबड़ी तहसील में 17, सांगानेर तहसील में 22, शाहपुरा तहसील में 82, चौमूं तहसील में 20, जालसू तहसील में 30, दूदू तहसील में 58, फागी तहसील में 27 और मोजमाबाद तहसील में 41 खुले बोरवेल एवं कुंए कवर करवाए गए। वहीं, राज्य सरकार के निर्देश पर जिले के प्रशासनिक अधिकारियों ने शनिवार को 328 तो वहीं 418 खुले बोरवेल एवं कुंए कवर करवाए।

जालोर में सर्व समाज की150 प्रतिभाओं का सम्मान किया

जालोर में एकलव्य फाउंडेशन ने सर्व समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, र(कासं)। जालोर एकलव्य फाउंडेशन की ओर से सर्व समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह रविवार को होटल विजय पैराडाइज जालौर में आयोजित हुआ।

एकलव्य फाउंडेशन के सचिव भरतकुमार जीनगर ने बताया कि एकलव्य फाउंडेशन की ओर से गरीब घुमंतू व कचरा बिनने वाले परिवार के बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोडने के लिए अपनी पाठशाला का संचालन धवला रोड पर किया जा रहा है। फाउंडेशन की ओर से जालोर जिले की प्रतिभाओं को शिक्षा एवं खेल के क्षेत्र में बढावा देने के लिए प्रथम सर्व समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें जिले में 10वीं व 12वीं बोर्ड में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों व वुशू खेल में राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेताओं का सम्मान किया गया। वही रक्तदान में सराहनीय योगदान देने वाले रक्तदाताओं का भी सम्मान किया गया। समारोह के प्रभारी एवं कार्यक्रम संचालक शहजाद खान ने बताया कि सर्व समाज प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन पीर गंगानाथ महाराज के शिष्य योगी ईश्वरनाथ का सानिध्य रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते भैरुनाथ अखाडा के प्रतिनिधि पारसमल ने कहा कि सर्व समाज प्रतिभा सम्मान समारोह से शिक्षा को बढावा मिलेगा। पीर गंगानाथ जी महाराज की तरफ से अपनी पाठशाला को 21000 रूपये मदद की घोषणा की गई। इसके अलावा कार्यक्रम में कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ.एम एल जांगिड , शिक्षक संघ राष्ट्रीय के कृष्ण पाल सिंह सामुजा, एडवोकेट डूंगर देवासी, भामाशाह डॉ. जितेंद्र मेघवाल, कर्मचारी महासंघ अध्यक्ष गोविंदसिंह मंडलावत, डॉ. मदन सिंह राठौड ,राज सुंदेशा कनकवेल, मदनलाल सुंदेशा, रोटरी क्लब अध्यक्ष संजय कुमार समारोह में अतिथि के रूप में मौजूद थे। समारोह को सम्बोधित करते हुए डॉ. जांगिड ने कहा कि एकलव्य फाउंडेशन की ओर से आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह करना बहुत ही सराहनीय कार्य हैं। ऐसे समारोह से जिले की प्रतिभाओं का शिक्षा व खेल के क्षेत्र में आगे बढने का मौका मिलेगा। समारोह में राजस्थान में सेकेंडरी स्कूल में तीसरे स्थान पर रहे यश बालोत पुत्र तेजाराम बालोत को बेस्ट अवार्ड से नवाजा गया। यश ने राज्य स्तर पर मेरिट में तीसरा स्थान प्राप्त कर प्रदेश में जालोर का नाम रोशन किया। कार्यक्रम में प्रियंका शर्मा के नेतृत्व में प्रेरणादायक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। वही अपनी पाठशाला के बच्चों द्वारा भी कार्यक्रम में शिक्षा के बारे में जानकारी दी गई।

इस दौरान एकलव्य फाउंडेशन के अध्यक्ष पी बी सैन, संरक्षक अशोक कुमार, रविंद्र सिंह मंडलावत, महेंद्र कुमार, खिवसिंह राजपुरोहित ,डॉ. पवन ओझा, मनहोर लाल,शिवदत्त आर्य, चारुल शर्मा, रविंद्र राव ,प्रवीण कुमार बौद्ध तरुण सिद्धावत ,सूरजपाल सिंह, श्रवण चौधरी , अर्जुन सिंह ,वीरेंद्र चौधरी, नरपत राणा , चेतन वैष्णव, अरुण भट्ट, आलोक सोनी, महेंद्र कुमार शर्मा सिराज मोहम्मद, जान शेर खान, जाकिर खान, जगदीश विश्नोई, देवेश आर्य सहित कई लोग मौजूद रहे।

पाली के कांग्रेस भवन में सभा हुई

पाली, (नि.सं.)। देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर जिला कांग्रेस के तत्वाधान में कांग्रेसजनों द्वारा आज कांग्रेस भवन पाली में प्रात: 11 बजे शोक सभा आयोजित कर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजीज दर्द ने कहा कि मनमोहन सिंह भारत गणराज्य के 13वें प्रधानमन्त्री थे। साथ ही साथ वे एक अर्थशास्त्री भी थे। पीवी नरसिंह राव के प्रधानमंत्रित्व काल में वित्त मन्त्री के रूप में किए गए आर्थिक सुधारों के लिए भी श्रेय दिया जाता हैं। श्रद्धांजलि सभा में पीसीसी सदस्य महावीर सिंह सुकरलाई, पाली शहर ब्लॉक अध्यक्ष जीवराज बोराणा, पुर्व सेवादल अध्यक्ष जब्बरसिंह राजपुरोहित, सेवादल प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन हटेला, पुर्व ब्लॉक अध्यक्ष हाजी मेहबूब टी, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष गोवर्धन देवासी, महिला जिलाध्यक्ष ऐश्वर्या सांखला, जोगाराम सोलंकी, अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष लाल मोहम्मद सिंधी, ओबीसी जिलाध्यक्ष गोविन्द बंजारा, प्रकाश सांखला, राजेश सांखला, जिला महासचिव रफीक चौहान, मांगुसिह दूदावत, जीवराज चौहान, ताराचंद टांक, मण्डल अध्यक्ष शकील नागौरी, राजेन्द्र मेघवाल, मोहन सिंह राजपुरोहित, भेराराम गुर्जर, माणकलाल गर्ग, असगर कूरैशी, इकबाल शेख़, चिमनलाल वर्मा, अर्जुन कटारिया, रामचंद्र बुनकर, अशोक कुमार, जब्बरमल जांगिड़, राहुल घावरी, मांगीलाल सोलंकी, बाबुसिंह राजपुरोहित, शरीफ शबावत, अनवर खां सिपाही सहित अन्य कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

भारतीय मजदूर संघ के जिला अधिवेशन आयोजित

जालोर में भारतीय मजदूर संघ एवं जोधपुर विद्युत वितरण निगम श्रमिक संघ जालोर के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय जिला अधिवेशन आयोजित हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। भारतीय मजदूर संघ एवं जोधपुर विद्युत वितरण निगम श्रमिक संघ जालोर के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को सामतीपुरा रोड पर स्थित चामुंडा गार्डन जालोर में भारतीय मजदूर संघ की जिला शाखा का एक दिवसीय जिला अधिवेशन आयोजित हुआ। जिसमें भारतीय मजदूर संघ एवं विद्युत श्रमिक संघ की नई जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया।

अधिवेशन में भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश संयुक्त महामंत्री विजय सिंह वाघेला ने संबोधित करते हुए भारतीय मजदूर संघ की जिला कार्यकारिणी का गठन किया।

उन्होंने जिलाध्यक्ष चुन्नीनाथ, कार्यकारी अध्यक्ष पवनी देवी, उपाध्यक्ष प्रकाश भोलावत, प्रकाश सिंह, चौधरी, ओमप्रकाश गहलोत, जितेंद्र डूंगाराम व रेखा गोस्वामी, जिला मंत्री अमर सिंह, कोषाध्यक्ष मुकेश कुमार शर्मा, संगठन मंत्री विजय कुमार, सह मंत्री जयंतीलाल व भगवती ओझा व मीडिया प्रभारी फुलाराम, आमंत्रित सदस्य बंशीलाल सोनी व किरत सिंह देवल सहित कार्यकारिणी सदस्यों के नामों की घोषणा की।

जोधपुर विद्युत वितरण निगम महामंत्री सतीश राठौड ने अधिवेशन को संबोधित किया तथा विद्युत श्रमिक संघ की नवीन कार्यकारिणी का गठन करते हुए जिलाध्यक्ष कृष्ण गोपाल, महामंत्री दिनेश कुमार यादव, संयुक्त महामंत्री विक्रम सिंह, उपाध्यक्ष हुकमाराम, पाबुराम, मीठालाल लोहार, केदाराम सिंह कुशवाहा, कुलपत सिंह व बेदाराम सुथार, कोषाध्यक्ष मनीष सेन, संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह, सह संगठन मंत्री सुरेश कुमार बैरवा, मीडिया प्रभारी विपिन कुमार व मुस्ताक दीन, मंत्री राजवीर सिंह, रमेश बिश्नोई, जितेंद्र मीणा, जगदीश नागर व पुरुषोत्तम सहित कार्यकारिणी सदस्यों के नामों की घोषणा की।

कुशलाराम डउकिया, विजय सिंह वाघेला, मोहनलाल माली, जगदीश दाधीच, सतीश राठौड व महेंद्र सैनी सहित विभिन्न वक्ताओं ने संबोधित किया। मंच संचालन प्रदेश संगठन मंत्री चुन्नीलाल राजस्थानी व संरक्षक बंशीलाल सोनी ने किया।

दातराई में गंगाराम गोयल का स्वागत किया

दातराई में अग्रवाल क्षेत्रीय सभा के दो राज्य राजस्थान व गुजरात, चार जिला और तैंतीस पंचायतों के नवनियुक्त अध्यक्ष गंगाराम गोयल का स्वागत किया। फोटो-राष्ट्रदूत

रेवदर, (निसं)। रेवदर के निकट दातराई में रविवार को नवनियुक्त अध्यक्ष गंगाराम गोयल के पहली दांतराई आने पर पटाखे आतिशबाजी कर स्वागत किया गया।

अग्रवाल क्षेत्रीय सभा के दो राज्य राजस्थान व गुजरात चार जिला और तैंतीस पंचायतो के नवनियुक्त अध्यक्ष गंगाराम गोयल छावनी शिवगंज वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रवीण जावल वाले महामंत्री नरेश ठेकेदार आबू रोड वाले एवं पवन जी स्वरूपगंज वाले और इनके साथ पुखराज मित्तल, प्रकाशजी, अर्जुनलालजी,एवम डाक्टर एम पी बंसल आबूरोड इन सभी के पहली दांतराई आने पर पटाखे आतिशबाजी कर सभी का ढोल धमाको के साथ महाराजा अग्रसेन की जय गोस से दांतराई अग्रवाल समाज के पुर्व अध्यक्ष राधेश्याम पुनमचंदजी अग्रवाल ,दिनेश पी अग्रवाल एवम समाज दांतराई के वर्तमान अध्यक्ष महेन्द्र आर अग्रवाल के नेतृत्व मे दांतराई समाज के सभी पदाअधिकारी एव समाज बन्धुओ ने माला साफा पहनाकर आम चोरये पर सत्यनारायण मंदिर परिसर मे जोरदार स्वागत किया।

स्वागत के दोरान अग्रवालो के वंशज महाराजा अग्रसेन और कुल देवी मॉ लक्षमी जी के जयकारों और तालीयो की गर्माहट के साथ पूरा परिसर गुँज उढा तत्पश्चात नवनियुक्त अध्यक्ष गंगाराम गोयल ने अपने उद्बोबन के दोरान बताया कि ये मेरी जीत समाज के बन्धुओ ने मुझे भारी मतो से जीत कराई इसके लिए मे हमेशा आप सब समाज बन्धुओ का हमेशा ऋणी रहुंगा।

इस मौके संजय बी अग्रवाल, हितेश भाई, मातादिन, हरिप्रसाद, मदनलाल संजय एन,शम्भुलाल दुर्गाप्रसाद, नरेश कुमार जुबीन कुमार, महेन्द्र, विपुल, उत्सव, दुर्गेश, मोहनलाल, दिक्सु, प्रथम, सुनिल कुमार सहित समाज दांतराई के लोग उपस्थित थे।

श्रद्धांजलि दी

रेवदर, (निसं)। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर जिला कांग्रेस कमेटी एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रेवदर द्वारा उपखंड मुख्यालय स्थित सरेसी माता मंदिर के सामुदायिक सभा भवन में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

श्रद्धांजलि सभा में सर्वप्रथम जिला अध्यक्ष आनंद जोशी, विधायक मोतीराम कोली, ब्लॉक अध्यक्ष कृष्णवीर सिंह रोहुआ, पूर्व विधायक गंगाबेन गरासिया, राजेंद्र सिंह सांखला, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह देवडा द्वारा स्वर्गीय डॉ मनमोहन सिंह की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्जवलन कर पुष्पांजलि अर्पित की।

श्रद्धांजलि सभा में माउंट आबू ब्लॉक अध्यक्ष रामसिंह, जिला उपाध्यक्ष महेशदान चारण, बाबूलाल पुरोहित, राजेश गहलोत, सवाराम चौधरी, भूपेन्द्रसिंह सोलंकी, हिमपालसिंह देवल, जिला महासचिव भूराराम कोली, मगसिंह, लाखाराम चौधरी, मजहर हुसैन, शिवशंकर, सुभाष चौधरी, अश्विन गर्ग, जिला कोषाध्यक्ष छगनलाल सोलंकी, जिला प्रवक्ता हर्षुल अग्रवाल, राजेन्द्रसिंह, रमेश कोली, लक्ष्मणसिंह, पिंटू मेघवाल, परबतसिंह, कानाराम मेघवाल, भैराराम, कन्हैयालाल कोली, अमराराम मेघवाल, फिरोज सोरडा, करसन पंचाल, हीरसिंह, मुकेश जोशी, हितेश जोशी, सिकंदर नागौरी, असकर खान समेत सैकडों की संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

धानसा के नेत्र जांच शिविर में 1840 जनों को लाभांवित किया

जालोर, (कासं)। धानसा के राजकीय प्राथमिक चिकित्सा केंद्र में रविवार को भामाशाह सोहनराज पुत्र वच्छराज पटियात धानसा की ओर से निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक ज्ञानचन्द यादव रहे। डॉक्टर नरपत सोलंकी, पूर्व कृषि मंडी अध्यक्ष दीप सिंह धनानी, भैरूमल जैन जालोर, रतन चन्द जैन मोदरा, तहसीलदार जसवंतपुरा नीरज कुमारी, मंजू सोलंकी, महेंद्र मुणोत, वरिष्ठ अतिथि पूर्व सरपंच महेंद्र सिंह राठौड व उप सरपंच लाल सिंह समेत रहे । मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक ज्ञानचन्द यादव, पूर्व कृषि मंडी अध्यक्ष दीप सिंह धनानी डॉ. नरपत सोलंकी ने शिविर का शुभारंभ करते हुए मां आशापुरी व गुरू महाराज की तस्वीर के आगे दीप प्रज्जवलित कर शुरुआत की गई । कार्यक्रम में ढोल धमाके नही बजे तथा नही हुआ अतिथियों का स्वागत सत्कार साफा-माला, शॉल और मोमेंटो का अतिथियों का स्वागत राष्ट्रीय शोक के कारण नही किया गया। नेत्र जांच शिविर का अतिथियों द्वारा फीता काटकर शुभारंभ किया गया। अधीक्षक ज्ञानचन्द यादव ने कहा कि जिसने जो भामाशाह जन्म भूमि पर खर्च करता है , वह बहुत धन्यवाद के आभारी है, जो हर साल अपने गांव के लोगों के लिए लाखों रुपए खर्च कर निशुल्क इलाज करवाते हैं । उनका ऑपरेशन करवाना यह एक बहुत पुण्य का काम है ऐसे कामों में आगे आना चाहिए । कमाते तों पैसा प्रवास बाहर मगर अपनी जन्मभूमि के लिए भी धन का खर्च करते हैं। जिस जमीन के गांव में पैदा हुए । उसे जमीन का कर्ज अदा करते हैं। ऐसा भामाशाहों का मैं बहुत-बहुत आभार करता हूं। उन्होने दुर्धटनाओं से बचने के लिए युवा दोपहिया वाहन चलते समय अपना हेलमेट जरूर पहनें और मोटर एक्ट नियमों का पालन करें । पूर्व कृषि मंडी अध्यक्ष दीप सिंह धनानी ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि पैसा हमेशा दूसरों के लिए खर्च करना ऐसा संस्कार अपने बच्चों को भी दे धन का सदुपयोग करना चाहिए। जो दूसरों के लिए भी काम आ सके अपने माता-पिता के संस्कारों को याद रख कर जीवन में पुण्य कार्य करते रहने की प्रेरणा दी ।

साथ ही डॉक्टर नरपत सोलंकी ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा की मैं बेंगलुरु जाकर लोगों का इलाज करता हूं और मैं फॉरेन कंट्री भी जाता हूं लेकिन मै जिस जन्म भूमि में पैदा हुआ हूँ। उन लोगो की सेवा करना सबसे बडे पुण्य का कार्य है। तथा जन्म भूमि के लोगो की सेवा करने में जो आनंद आता है वह विदेश व अन्य जगह नही आता है। लोगों के इलाज के लिए मैं करीबन 5 6 दिन से मेरी टीम लगातार काम कर रही है और मैं भी काम कर रहा हूं । लेकिन ऐसे कैंप लगाने से मैं कहीं हमारे गांव के लोगों से मुलाकात होती है और मेरा दिल खुश होता है भगवान मुझे ऐसे सेवा के अवसर देंता रहे। डॉक्टर नरपत सोलंकी ने कहा कि ऑपरेशन करने के बाद मरीजो को सावधानी बरतने की बात कही । भामाशाह सोहनराज ने सफल ऑपरेशन में आई प्रॉजेक्ट दृष्टि की टीम को भी धन्यवाद दिया। शिविर में 110 जरूरत मंद लोगों का डॉक्टर नरपत सोलंकी द्वारा ऑपरेशन किये जाएगे । 1840 मरीजों की आंखें जांच की तथा 985 लोगों को आंखों के चश्मे दिए गए। वह निशुल्क दवाई वितरण की गई । कार्यक्रम में मंच संचालन विक्रम सिंह राठौड ने किया।

कार्यक्रम में चैनसिह राठोड सहकारी समिति अध्यक्ष धानसा,रामसिहं मेडतिया सहकारी समिति अध्यक्ष थलवाड, भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष मंजू सोलंकी, डॉ.अमरसिंह धनखड, डॉ. रामेश्वर गौत्तम , प्रवीण जैन, हुकमसिंह, छैलसिंह, महावीर शर्मा, चनणी कुमारी, वगताराम कुयाराम, जयन्तिलाल राव, दलाभाई राव सहित कई ग्रामवासी मौजूद थे।

नरेन्द्र मोदी के मन की बात सुनी

रेवदर, (निसं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात का 117 वां संस्करण कार्यक्रम जिला संयोजक मगनलाल कोली के नेतृत्व में पूर्व जिलाध्यक्ष नारायण पुरोहित के निर्देशन में शक्ति केंद्र रेवदर पर सुना। प्रधान प्रतिनिधि अर्जुन देवासी, पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, प्रकाश मेघवाल, मंडल महामंत्री दशरथ सोनी, अनिल वैष्णव, जिला मंत्री जगसीराम कोली सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जानिसार क्लब मुस्लिम क्रिकेट के सेमीफाइनल में

जालोर, (कासं)। जालोर शहर के मिया मोटन शाह दरगाह ग्राउण्ड में आयोजित मुस्लिम समाज क्रिकेट प्रतियोगिता के पांचवे दिन रविवार को क्वार्टन फाईनल के रोचक मैच खेले गये। ए मैच में जानिसार क्लब ने खेजरला क्लब को हराकर सेमीफाईनल में प्रवेश किया गया।

आयोजक नाहिद अली व अफरोज अली ने बताया कि क्रिकेट प्रतियोगिता के पांचवे दिन पहला मुकाबला बीवीसी क्लब और खेजरला (साबिर भाई)के बीच खेला गया। खेजरला क्लब पहले खेलते हुए 99 रन बनाए। जिसमें सर्वाधिक अशरफ खान ने 34 रन का योगदान दिया । बीवीसी की ओर से साहिल खान ने सर्वाधिक तीन विकेट लिये। जवाब में बीवीसी की टीम 77 ही बना सकी । खेजरला क्लब (साबिर भाई)ने यह मैच 22 रन से जीता । दूसरा मैच जिलानी रामसीन और आर जे 46 जुंजाणी के बीच खेला गया । जिलानी रामसीन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 83 रन बनाएं। जिसमें शाकिर खान ने 44 रन का योगदान दिया। जवाब में जुंजाणी की टीम ने 5 विकेट होकर निर्धारित लक्ष्य को हासिल किया। जिसमें सर्वाधिक रन फैजान नायक के अर्धशतक 56 रन की बदौलत यह मैच जीत लिया। तीसरा मैच तवाव और आर जे 46 जुंजाणी के बीच खेला गया तवाव की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 87 रन बनाए। जिसमें याकूब द्वारा सर्वाधिक 37 रन का योगदान दिया गया। जुंजाणी की ओर से परवेज ने 4 विकेट लिए जवाब में जुंजाणी की टीम ने 4 विकेट होकर लक्ष्य को हासिल कर लिया। जिसमें सर्वाधिक फैजान नायक ने 41 रन बनाए तथा जुंजाणी की टीम ने यह मैच 6 विकेट से जीत लिया। चौथा मैच जानिसार क्लब और खेजरला (साबिर भाई)के बीच खेला गया। जिसमें जानिसार क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 95 रन बनाए, जिसमें कप्तान अफरोज खान ने 20 रन, नाहिद अली ने 19 रन का योगदान दियां खेजरला की ओर से अयूब हाडा ने 3 विकेट हासिल किये। जिसके जवाब में खेजरला की टीम 28 रन ही बना सकी, जानिसार की ओर से इमरान ने 4 विकेट, नदीम मंडोरी ने 3 विकेट और रुसलान खान ने 2विकेट हासिल किए । जानिसार क्लब ने यह मैच जीत कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

इस दौरान सैयद गुलजार अली ,शराफत अली, शाहनवाज खान ,अल्ताफ खान, मुस्ताक मेहर, शाहरुख मेहर, हैदर मेहर , वाहिदुल्ला खान मेहर, मौलाना सत्तार नूरी, लक्ष्मीकांत दवे, अशोक शर्मा, साबिर अली, उजीर भाई, जबरू खान पठान,आसिफ खोखर, भंवरु खान पठान, आरिफ खोखर सहित खेलप्रेमी मौजूद थे।

भाजपाइयों ने सुनी मन की बात

जालोर, (कासं)। भाजपा नगर मंडल जालोर की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम मन की बात का लाइव प्रसारण कई बूथों में किया गया।

साथ ही भाजपा जिला कार्यालय में मन की बात का प्रसारण किया। जिसमें भाजपा नगर अध्यक्ष सुरेश सोलंकी ने अध्यक्षता की।

इस अवसर पर विशिष्ठ अथिति के नाते ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष ओबाराम देवासी, जिला प्रवक्ता मुकेश राजपुरोहित उपस्थित थे। कार्यक्रम में नगर उपाध्यक्ष घनश्याम देवासी, दिनेश बारोट, धनपत मेहता सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 117वीं बार 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों से संवाद किया। पीएम मोदी ने 'मन की बात' की शुरुआत करते हुए देशवासियों को नए साल की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि 2025 अब नजदीक है, और इस वर्ष 26 जनवरी को हमारे संविधान को लागू हुए 75 साल पूरे हो जाएंगे, जो हम सभी के लिए गर्व का विषय है।

14 जनवरी से बरसी महोत्सव

जोधपुर, (कासं) । जोधपुर शहर में चांदपोल स्थित बड़ा रामद्वारा के संत हरिराम शास्त्री के सान्निध्य व मार्गदर्शन में 14 जनवरी से भगवानदास महाराज के 223वें बरसी महोत्सव की शुरुआत होगी। बरसी महोत्सव 12 फरवरी तक जारी रहेगा।

सर्वप्रथम 14 को सुबह 9 बजे से गुदड़ी के दर्शन होंगे।

14 जनवरी को सामूहिक पाठ, 16 को नानी बाई का मायरा कथा, 29 को रानी सती मंगल पाठ, 30 को रामायण पाठ, 8 से 11 फरवरी तक श्री वाणी पाठ, 12 फरवरी को फाग उत्सव मनाया जाएगा।

फोटोग्राफरों का सम्मान समारोह हुआ

जालोर शहर के सूर्या गार्डन सामतीपुरा रोड पर फोटोग्राफर सम्मान समारोह हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। जालोर शहर के सूर्या गार्डन सामतीपुरा रोड पर रविवार को जालोर फोटोग्राफर एसोसिएशन कि ओर से आयोजित फोटोग्राफर सम्मान समारोह 2024 बडी धूमधाम से संपन्न हुआ।

समारोह में विशेष अतिथियों ने फोटोग्राफरों को उनकी कला, समर्पण और फोटोग्राफी के माध्यम से समाज को जोडने में निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका के लिए सराहा। मंच पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने विभिन्न पुरस्कार और शॉल देकर सम्मानित किया। इस मौके पर देवेंद्र पोरवाल, सुमेरपुर से आये लक्ष्मण पारंगी, भवर लाल माली एवं चित्रकार रावत सिंह राठौड द्वारा अपने अपने विचार रखे गए। जिसमे फोटोग्राफी के क्षेत्र में नई नई तकनीकी को लेकर अवगत करवाया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल फोटोग्राफी क्षेत्र के कलाकारों को प्रेरित करना था, बल्कि उनके कार्य को समाज में पहचान दिलाना भी था। कार्यक्रम में बडी संख्या में फोटोग्राफरों ने भाग लिया। 60 साल से ऊपर के फोटोग्राफरों को जालोर फोटोग्राफर एसोसियेशन द्वारा साफा,माला,सॉल एवं मोमेंटो द्वारा सम्मान किया गया।

कार्यक्रम फोटोग्राफरों के बीच नेटवर्किंग और नए विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक बडा मंच साबित हुआ। आयोजन के दौरान जालौर जोधपुर पाली सिरोही एवं बालोतरा से लोग जालोर पहुंचे। फोटोग्राफरो में जिलों के भव्य आयोजन में जोधपुर जिला अध्यक्ष मुकेश कच्छवाह, पाली फोटोग्राफर जिला अध्यक्ष जयपाल परिहारिया, फोटोग्राफर जिला अध्यक्ष प्रवीण सिंह सोलंकी, सांचौर जिला अध्यक्ष दीपक जीवनानी ,बालोतरा जिला अध्यक्ष पिंटू आर खारवाल का सम्मान जालौर फोटोग्राफर एसोसिएशन द्वारा किया गया।

आहोर अध्यक्ष गजेंद्र गहलोत, सायला अध्यक्ष ललित गहलोत, भीनमाल अध्यक्ष रघु पारीक, रानीवाडा अध्यक्ष किरण माली, बागोडा अध्यक्ष सीताराम वैष्णव, अध्यक्ष मुकेश भाटी सुमेरपुर, अध्यक्ष तगाराम माली गोडवाड , अध्यक्ष कांतिलाल लोहार का साफा माला पहनकर सम्मान शिव कुमार सैनी, बंसीलाल राव जवानाराम प्रजापत, रविंद्र सोलंकी, मुकुंद सोलंकी द्वारा सम्मान किया गया।

इस मौके पर 38 वरिष्ठ फोटोग्राफर का माल साफा शॉल मोमेंट देकर अभिनंदन किया गया।

इस मौके पर इंटरनेशनल फोटो जर्नलिस्ट और डॉक्यूमेंट्री फोटोग्राफर पुरुषोत्तम दिवाकर के जालौर नहीं पहुंचने पर मोबाइल द्वारा कार्यक्रम को बेहतरीन तरीके से संबोधित किया गया।

इस अवसर पर लक्ष्मण परिहार आनंद कलर लेब, हितेश चौधरी, ललित चौहान, शहजाद खान, हरसन सांखला, अशोक शुक्ला सुरेश सोलंकी, मंगल परमार, उजीर सिलावट आदि मौजूद रहे।

श्रीमाली ब्राह्मण समाज का राष्ट्रीय महासम्मेलन मंथन संपन्न

भीनमाल, (निसं)। भीनमाल शहर के क्षेमंकरी तलहटी पर अखिल भारतीय राष्ट्रीय मंथन महासम्मेलन का आगाज रविवार को दूसरे दिन प्रात:काल में विप्र शिरोमणि हितेशानंद महाराज, मुख्य अतिथि घनश्याम ओझा कालंद्री, मुख्य संयोजक वासुदेव अवस्थी, कार्यक्रम समन्वयक दिनेश दवे नवीन, स्थानीय अध्यक्ष शेखर व्यास ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पंडित घनश्याम जोशी ने कहा कि उन्नत समाज से ही समर्थ राष्ट्र के योगदान अभूतपूर्व तथा श्रीमाली ब्राह्मण ऋषि मुनियों की संतान है। समाज में संध्याकर्म, षट्कर्म का विशेष महत्व है। ब्राह्मण जीवन को महान बनाना चाहिए। स्वामी हितेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि श्रीमाल भूमि एक महान माघ व बृह्म गुप्त की पवित्र भूमि है, भारत भूमि पर श्रीमाली कुल में जन्म लेना गर्व का विषय है। 2024 में अखिल भारतवर्षीय पुष्कर समाज संस्थान के 108 वर्ष पूर्ण करने जा रहा है। समाज के विषय और विकार को मिटाना चाहिए। हमे शिक्षा, राजनीति सहित सभी क्षेत्रों में जाना चाहिए व उन्होंने सामूहिक शपथ देकर कुरीतियों जैसे प्री वेडिंग, फिल्मी सीरियल का हल्दी रस्म, अधिक खर्चीला विवाह, वृति हरण, मेंहदी, महिला संगीत, बढता नशीला सेवन आदि समाज में व्याप्त कुरीतियों के शमन हेतु मातेश्वरी आद्या शक्ति क्षेमकरी व जगत जननी महालक्ष्मी को साक्षी मानकर अक्षरश पालन करने की समूह के साथ शपथ सहर्ष ली और पालन करने की बात कही। राष्ट्रीय अध्यक्ष विधुशेखर दवे व सचिव कैलाश त्रिवेदी ने कहा कि समाज हित में सभी श्रेष्ठ कार्य करने चाहिए। समाज को जोडना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव से हमने मूल संस्कृति को भूला दिया है। भूले हुए संस्कारों का हमे पुन: स्मरण करना चाहिए। शिक्षाविद व समाज सेवी डॉ घनश्याम व्यास ने राष्ट्र अभ्युदय में सकल समाज के शिक्षित व सुसंस्कार मय जीवन की प्रेरणा की बात कही। डॉ व्यास ने कहा कि व्यक्तिगत समाज में कुरीतियों को छोडकर मानवीय जीवन को साकर करने की बात की। दिनेश दवे नवीन ने मंथन 2024 को समाज हित में सफल करने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम के मार्गदर्शक सुरेंद्र त्रिवेदी ने कहा कि समाज की बुराइयों को दूर करने की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय महासम्मेलन मंथन का संचालन डॉ घनश्याम व्यास भीनमाल ने किया।

मेरे पिता ने केंद्र सरकार में 25 साल नौकरी की थी और जब मैं कुछ भी नहीं था। मैंने राज्य-स्तरीय क्रिकेट भी नहीं खेला था, तब पहला व्यक्ति जिसने मुझ पर विश्वास किया वह मेरे पिता थे।

- नीतीश कुमार रेड्डी

भारतीय ऑलराउंडर नीतीश, अपने पिता के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जसप्रीत बुमराह

मेलबर्न टेस्ट के चौथे दिन ऑस्ट्रेलियाई बॉलर्स नाथन लॉयन और स्कॉट बोलैंड ने आखिरी विकेट के लिए 55 रन जोड़े। इस साझेदारी की मदद से टीम मजबूत स्थिति में पहुंच गई है। स्टंप्स तक कंगारुओं की लीड 333 रन हो गई। रविवार को रिकॉर्ड्स की सूची में जसप्रीत बुमराह का नाम टॉप पर रहा। बुमराह 20 से कम की औसत से 200 टेस्ट विकेट लेने दुनिया के वाले पहले बॉलर हैं। वह देशों (साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में सबसे ज्यादा 142 विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बन गए हैं।

क्या आप जानते हैं ?... सचिन तेंदुलकर दुनिया में सबसे ज्यादा 28 बार नर्वस नाइंटीज का शिकार हुए हैं. सचिन तेंदुलकर टेस्ट में 18 और वनडे क्रिकेट में 10 बार नर्वस नाइंटीज का शिकार हुए हैं।

लाबुशेन, कमिंस और लायन ने दिलाई ऑस्ट्रेलिया को बड़ी बढ़त

मेलबर्न, 29 दिसंबर। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट मैच के चौथे दिन रविवार को ऑस्ट्रेलियाने दूसरी पारी में मार्नस लाबुशेन(70), कप्तान पैट कमिंस (41) और नेथन लायन (नाबाद 41) की उपयोगी पारियों की बदौलत दिन का खेल समाप्त होने के समय नौ विकेट पर 228 रन बना लिये है। इसी के साथ उसकी कुल बढ़त 333 रन की हो गई हैं।

दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने अपना पहला विकेट 20 के स्कोर पर सैम कोंस्टास (आठ) के रूप में गंवाया है। उन्हें जसप्रीत बुमराह ने बोल्ड आउट किया। 19वें ओवर में मोहम्मद सिराज ने उस्मान ख्वाजा (21) को बोल्ड आउट किया। भोजनकाल तक ऑस्ट्रेलिया ने 53 रन पर अपने दो विकेट गवां दिये है हालांकि ऑस्ट्रेलिया की बढ़त 158 रन हो चुकी है। 33वें ओवर में सिराज ने स्टीव स्मिथ (13) को पंत के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। अगले ही ओवर में बुमराह ने ट्रेविस हेड (एक) को भी विदा कर भारत को चौथी सफलता दिलाई। इसी के साथ बुमराह ने टेस्ट क्रिकेट में अपने दो विकेट पूरे कर लिये। इसके बाद बुमराह ने मिचेल मार्श (शून्य) को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को पांचवा झटका दिया। 36वें ओवर में बुमराह ने एलेक्स कैरी (दो) को बोल्ड कर अपना चौथा शिकार किया।

ऑस्ट्रेलिया का सातवां विकेट मार्नस लाबुशेन के रूप में गिरा। उन्होंने मोहम्मद सिराज ने पगबाधा आउट किया।

लाबुशेन ने 139 गेंदों में तीन चौकों की मदद से (70) रनों की पारी खेली। आठवां विकेट मिचेल स्टार्क (पांच) का रन आउट के रूप में गिरा। इसके बाद रवींद्र जडेजा ने कप्तान पैट कमिंस को (41) के स्कोर पर चलता कर दिया। नेथन लायन और स्कॉट बोलैंड ने 10वें विकेट के लिए महत्वपूर्ण साझेदारी करते हुए को स्कोर दो सौ रनों के पार पहुंचा दिया। दिन का खेल समाप्त होने के समय ऑस्ट्रेलिया ने 82 ओवरों में नौ विकेट पर 228 रन बना लिये है और उसकी कुल बढ़त 333 रनों की हो गई हैं। नेथन लायन (नाबाद 41) और स्कॉट बोलैंड (नाबाद 10) रन बनाकर क्रीज पर हैं।

भारत की ओर जसप्रीत बुमराह ने चार विकेट लिये। मोहम्मद सिराज को तीन विकेट मिले। रवींद्र जडेजा ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले भारत ने कल के नौ विकेट पर 359 रन आगे खेलना शुरु किया। भारतीय टीम कल के स्कोर में दस रन का इजाफा कर पहली पारी 369 रनों के स्कोर पर सिमट गई है। नेथन लॉयन ने नीतिश कुमार रेड्डी को आउट किया। रेड्डी ने 189 गेंदों में 11 चौके और एक छक्का लगाते हुए (114) रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के आधार पर 105 रनों की बढ़त हासिल हुई थी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस, स्कॉट बोलैंड और नेथन लायन ने तीन-तीन विकेट लिये। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन का स्कोर बनाया था।

भारत को मेलबर्न-सिडनी टेस्ट जीतने ही होंगे

मेलबर्न, 29 दिसंबर। भारत को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूटीसी) के फाइनल में जगह बनाने के लिए मेलबर्न और सिडनी टेस्ट जीतने ही होंगे। रविवार को साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान को पहला टेस्ट हराकर फाइनल में जगह कन्फर्म कर ली। इसलिए अब भारत दोनों में से एक भी टेस्ट हारती है तो ऑस्ट्रेलिया के फाइनल खेलने के चांस बढ़ जाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद फाइनल तक भारत को टेस्ट नहीं खेलना है। जबकि ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका का दौरा करना है। वहां टीम दो टेस्ट खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया को भी फाइनल में पहुंचने के लिए बचे हुए 4 में से 3 मैच तो जीतने ही होंगे।

भारत को मिल सकता है 350 का टारगेट भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट मेलबर्न में खेला जा रहा है। चौथे दिन ऑस्ट्रेलिया ने 9 विकेट खोकर 228 रन बना लिए, टीम पहली पारी में 105 रन से आगे थी, इसलिए उनकी बढ़त 333 रन की हो गई है।

पांचवें दिन अगर भारत ने कुछ रन देने के बाद 3 ओवर में भी आखिरी विकेट ले लिया तो टीम को 85 ओवर में करीब 350 रन का टारगेट मिल सकता है। इतना बड़ा टारगेट मेलबर्न में आज तक किसी भी टीम ने हासिल नहीं किया। टीम इंडिया अगर यहां जीत गई तो 58.33 पॉइंट्स के साथ टेबल में ऑस्ट्रेलिया को पीछे कर दूसरे नंबर पर पहुंच जाएगी।

भारत को सिडनी टेस्ट भी जीतना ही पड़ेगा ऑस्ट्रेलिया अगर मेलबर्न में हार गया तो 55.21 पॉइंट्स के साथ पॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर पहुंच जाएगा। भारत को फिर भी फाइनल में जगह कन्फर्म करने के लिए सिडनी टेस्ट भी जीतना होगा। पॉइंट्स में जानते हैं, पांचवें टेस्ट के नतीजे से भारत के पॉइंट्स पर क्या असर होगा?

राज्य स्तरीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप

समायरा महिला व हर्ष पुरुष वर्ग के चैंपियन

जयपुर, 29 दिसंबर। जयपुर में संपन्न हुई पांच दिवसीय राज्य स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में पुरुष एकल मुकाबले में हर्ष श्रीवास्तव ने अनुक्रम जैन को 4-1 से परास्त कर खिताब पर कब्जा किया वहीं महिला एकल मुकाबले में समायरा शर्मा जयपुर ने समृद्धि व्यास जयपुर को चार तीन से परास्त कर खिताब जीता। बालक वर्ग-19 में जयपुर के देवांश मुद्गल ने यथार्थ कोटा को 4-2 से परास्त कर खिताब जीता, वही बालिका वर्ग-19 में जयपुर की समृद्धि व्यास ने जयपुर की ही समायरा शर्मा को 4-3 से परास्त कर खिताब जीता। समारोह के मुख्य अतिथि राकेश ओझा ज्योतिषाचार्य रहे व अध्यक्षता जयपुर जिला टेबल टेनिस संघ के अध्यक्ष ललित सिंह ने की तथा साथ ही आयोजन सचिव सचित गुप्ता भी मौजूद रहे।

जम्मू कश्मीर खो-खो एसोसिएशन का प्रतिनिधि मंडल उपराज्यपाल से मिला

जम्मू, 29 दिसंबर। जम्मू-कश्मीर खो-खो एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष डॉ. बलजिंदर कौर के नेतृत्व में रविवार को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की। आज यहां हुई मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने उपराज्यपाल को खो-खो विश्व कप 2025 के उद्घाटन समारोह के लिए निमंत्रण दिया। उल्लेखनीय है कि 13 से 19 जनवरी 2025 तक नई दिल्ली खो खो विश्वकप का आयोजन किया जाएगा।

पद्मश्री अजय ठाकुर ने अंतरराष्ट्रीय कबड्डी को कहा अलविदा

शिमला, 29 दिसंबर। हिमाचल प्रदेश के अंतरराष्ट्रीय कबड्डी स्टार और पद्मश्री पुरस्कार विजेता अजय ठाकुर ने अंतरराष्ट्रीय कबड्डी से संन्यास की घोषणा कर दी है। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता के दौरान उन्होंने यह बड़ा फैसला लिया। उन्होंने वीडियो के माध्यम से यह घोषणा की है। उन्होंने कहा कि अब काफी कबड्डी खेल चुके हैं और युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका देना चाहते हैं। अजय ठाकुर ने अपने संन्यास का कारण अपनी शारीरिक इंजरी को भी बताया, जिनकी वजह से वे अब खेल को जारी रखने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा, देश में अब युवा प्लेयर काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि वे भारत का नाम और भी ऊंचा करेंगे। अजय ठाकुर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रेडर के रूप में भारतीय कबड्डी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। वह भारतीय टीम के कप्तान भी रहे और अपनी नेतृत्व क्षमता के लिए जाने गए। उनके शानदार खेल के लिए उन्हें भारत सरकार ने पद्मश्री और अर्जुन अवार्ड से सम्मानित किया। वर्तमान में वह हिमाचल पुलिस में पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) पद पर तैनात हैं और ऊना में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। अपने खेल करियर को विराम देने के बाद भी अजय ठाकुर खेल से जुड़े रहेंगे। दभोटा में उनकी कोहिनूर स्पोर्ट्स कबड्डी अकादमी में युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। उनका उद्देश्य युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए तैयार करना है। अजय ठाकुर मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया सरकार द्वारा आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में भारतीय टीम के कप्तान के रूप में खेल रहे थे। शनिवार को मैच के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी संन्यास की घोषणा की। उनकी इस घोषणा के बाद खेल जगत से जुड़े लोग उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं और उनके योगदान को याद कर रहे हैं।

हम्पी ने दूसरी बार वर्ल्ड रैपिड शतरंज चैंपियनशिप जीती

नई दिल्ली, 29 दिसंबर। भारत की कोनेरू हम्पी ने दूसरी बार वर्ल्ड रैपिड शतरंज चैंपियनशिप खिताब जीत लिया है। न्यूयॉर्क में खेले गए इस टूर्नामेंट में हम्पी ने फाइनल में इंडोनेशिया की इरीन सुखंदर को हराया।इससे पहले हम्पी ने साल 2019 में जॉर्जिया में हुए इस चैंपियनशिप को जीता था। भारत की नंबर 1 खिलाड़ी चीन की जू वेनजुन के बाद एक से अधिक बार खिताब जीतने वाली दूसरी खिलाड़ी हैं। 37 वर्षीय हम्पी ने 11 में से 8.5 अंकों के साथ टूर्नामेंट का समापन किया। हम्पी नेशनल बॉयज टाइटल जीतने वाली पहली भारतीय महिला थीं। वे ग्रैंड मास्टर बनने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी हैं। वे 2600 ईएलओ पॉइंट हासिल करने वाली सिर्फ दूसरी महिला खिलाड़ी हैं। उनके पिता अशोक कोनेरू ने 5 साल की उम्र में उनकी प्रतिभा को पहचान लिया था। अशोक भी शतरंज खेलते थे। उन्होंने हम्पी को ट्रेनिंग दी। अशोक प्रोफेसर थे। बेटी के शतरंज के सपनों को पूरा करने के लिए उन्होंने नौकरी छोड़ दी और हम्पी को ट्रेनिंग देने लगे। 6 और 7 साल की उम्र में हम्पी ने स्टेट चैंपियनशिप जीत ली। इसके बाद अंडर-12, 14, 16 की नेशनल चैंपियन बन गईं। चेस में इस साल भारत का प्रदर्श प्रदर्शन बेहतर रहा है। डी गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को 12 दिसंबर को वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप फाइनल में 7.5-6.5 से हराया था। इतनी कम उम्र में खिताब जीतने वाले गुकेश दुनिया के पहले प्लेयर हैं। इससे पहले 1985 में रूस के गैरी कैस्परोव ने 22 साल की उम्र में यह खिताब जीता था। वहीं सितंबर में हंगरी के बुडापेस्ट में हुए चेस ओलिंपियाड में भारत ने ओपन और विमेंस कैटेगरी में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीता। ओलिंपियाड के 97 साल के इतिहास में भारत ने दोनों कैटेगरी में पहली बार ही पहला स्थान हासिल किया। 11वें राउंड की ओपन कैटेगरी में भारत ने स्लोवेनिया को 3.5-0.5 से हराया। वहीं, विमेंस टीम ने अजरबैजान को 3.5-0.5 के अंतर से ही आखिरी राउंड हराया।

नाओमी ओसाका ने कहा, अगर नतीजे नहीं आए तो वह टेनिस को अलविदा कह देंगी

वेलिंगटन, 29 दिसंबर। चार बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका ने कहा कि अगर उनके नतीजे उनकी उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहे तो वह टेनिस को अलविदा कह देंगी। जापान की 27 वर्षीय खिलाड़ी अक्टूबर में चाइना ओपन में लगी पीठ की चोट के बाद वापसी करते हुए अपना पहला मैच सोमवार को ऑकलैंड में एएसबी टेनिस क्लासिक में खेलेंगी जिसमें पहले दौर में उनका सामना इस्त्राइल की लिना ग्लूश्को से होगा। ओसाका ने रविवार को ऑकलैंड में टूर्नामेंट से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि 2024 में उन्होंने

अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए लगभग 15 महीने के ब्रेक के बाद अपना पेशेवर करियर फिर से शुरू किया और वह सत्र का अंत 58वें स्थान पर रहीं। ओसाका ने कहा, "मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसी खिलाड़ी हूं जो उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं रहने पर खेलती रहे। " उन्होंने कहा, "मैं टूर पर मौजूद सभी खिलाड़ियों का बहुत सम्मान करती हूं लेकिन मैं अभी अपने जीवन के जिस मुकाम पर हूं, उसे देखते हुए अगर मैं एक निश्चित रैंकिंग से ऊपर नहीं हूं तो मैं खुद को खेलते हुए नहीं देखूंगी।" ओसाका ने कहा, "अगर मैं उस रैंकिंग पर नहीं हूं जहां मुझे लगता है कि मुझे होना चाहिए तो मैं अपनी बेटी के साथ समय बिताना पसंद करूंगी। " ओसाका का 2024 में जीत हार का एकल रिकॉर्ड 22-17 रहा जिसमें वह दोहा और नीदलैंड में हुए टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल तक पहुंची।

चोटिल जॉश इंग्लिस बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से हुए बाहर

मेलबर्न, 29 दिसंबर। ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज जॉश इंग्लिस पिंडलियों में आये खिंचाव के कारण बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। मेलबर्न टेस्ट के तीसरे दिन स्थानापंन्न खिलाड़ी के रूप में क्षेत्ररक्षण के इंग्लिस को पिंडलियों खिंचाव महसूस हुआ। इस कारण वह सिडनी टेस्ट नहीं खेल पायेंगे। ऑस्ट्रेलिया जल्द ही उनकी जगह किसी दूसरे खिलाड़ी के नाम घोषणा कर सकता है। इस चोट के कारण अब जॉश इंग्लिस के इस सीजन बीबीएल में खेलने पर संदेह है। ऑस्ट्रेलिया को उम्मीद है कि वह अगले महीने के अंत में होने वाले श्रीलंका टेस्ट दौरे तक फिट हो जाएंगे।

सिनर, स्वियातेक के डोपिंग मामलों में खिलाड़ियों को अंधेरे में रखा गया : जोकोविच

ब्रिसबेन, 29 दिसंबर। दुनिया के पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने इस खेल में डोपिंग से जुड़े हाई-प्रोफाइल मामलों से निपटने में 'दोहरे मापदंड' अपनाने की आलोचना की। जोकोविच चोट से उबर कर सोमवार से शुरू होने वाले 'ब्रिसबेन इंटरनेशनल' से प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी करेंगे। अगले महीने शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद में लगे जोकोविच 2009 के बाद पहली बार 'ब्रिसबेन इंटरनेशनल' में भाग लेंगे। इस टूर्नामेंट के एकल में उन्हें शीर्ष वरीयता मिली है।

जोकोविच ने मौजूदा समय में रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज यानिस सिनर के डोपिंग मामले के बारे में 'अंधेरे में रखे जाने' पर निराशा व्यक्त की। जोकोविच 'बिसबेन इंटरनेशनल' के युगल में ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस के साथ भी जोड़ी बनाएंगे। यह जोड़ी सोमवार से अपना अभियान शुरू करेगी। उन्होंने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, "मैं यह सवाल नहीं कर रहा हूं कि (सिनर ने) जानबूझकर प्रतिबंधित पदार्थ लिया था या नहीं। हमने अतीत और वर्तमान में बहुत सारे खिलाड़ियों को प्रतिबंधित पदार्थों के लिए जांच में पॉजिटिव आने के कारण निलंबित होते देखा है।"

उन्होंने कहा, "कम रैंकिंग वाले कुछ खिलाड़ी एक साल से अधिक समय से अपने मामले के सुलझने का इंतजार कर रहे हैं। मैं वास्तव में निराश हो हूं। हमें (सिनर मामले पर) कम से कम पांच महीने तक अंधेरे में रखा गया।" इंटरनेशनल टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) ने सिनर और पूर्व महिला विश्व नंबर एक इगा स्वियातेक दोनों पर साल की शुरुआत में डोपिंग रोधी उल्लंघन का आरोप लगाया था। सर्बियाई खिलाड़ी ने डोपिंग उल्लंघनों के संबंध में टेनिस अधिकारियों की ओर से पारदर्शिता की कमी की भी आलोचना की।

राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में मेडल प्राप्त बच्चों को साइकिल और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया

जयपुर, 29 दिसंबर। गांधी पथ स्थित कैम्ब्रिज कैम्पस वर्ल्ड स्कूल में वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें 600 से ज्यादा बच्चों ने मंच पर प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मदन कपूरिया, पुलिस अधीक्षक, जयपुर और हीरानंद कटारिया, उपाध्यक्ष, वुशु गेम, उपस्थित रहे। बच्चों ने बहुत ही रंगीन और शानदार प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें जंगल बुक, सर्कस, भगत सिंह और रानी लक्ष्मी बाई की प्रदर्शन शामिल थीं। कार्यक्रम में उपस्थित माता-पिता और अन्य सभी दर्शकों ने बच्चों की प्रस्तुतियों की खूब सराहना की। इसके साथ ही, स्कूल के विद्यार्थिों को उनके अकादमिक और खेल प्रदर्शन के लिए पुरस्कार भी दिए गए। स्कूल के निदेशक शिवराम चोपड़ा और हीरानंद कटारिया ने राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में मेडल प्राप्त करने वाले बच्चों को साइकिल और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर माता-पिता के लिए भी खेलों और क्विज का आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

67वीं नेशनल शूटिंग चैम्पियनशीप प्रतियोगिता

50 मीटर पिस्टल जूनियर मैन में संदीप बिश्नोई ने स्वर्ण पदक जीता

जयपुर, 29 दिसंबर। डा. करणीसिंह शूटिंग रेंज तुगलकाबाद नई दिल्ली में आयोजित 67वीं नेशनल शूटिंग चैम्पियनशीप प्रतियोगिता राईफल 2024 में महावीर सिंह ने 25 मीटर स्टेण्डेड पिस्टल मास्टर मैन केटेगिरी में व्यक्तिगत व जुनियर पुरूष मैन केटेगिरी में अभिनव चौधरी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किये।

50 मीटर पिस्टल जूनियर मैन में संदीप बिश्नोई ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। राजस्थान पुलिस के नरेश कुमार ने 10 मीटर एयर राईफल में व्यक्तिगत सिल्वर मेडल व 50 मीटर राईफल 3 पोजीशन में कांस्य पदक अपने नाम किया। 50 मीटर पिस्टल जूनियर मैन नेशनल चैम्पियनशीप टीम केटेगिरी में सन्दीप बिश्नोई, योगेश कुमार व उमेश चौधरी की जोडी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। 50 मीटर पिस्टल जूनियर मैन सिविलियन चैम्पियनशीप टीम केटेगिरी में योगेश कुमार, भूपेन्द्रसिंह शेखावत व भानू प्रताप सिंह की जोडी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

50 मीटर पिस्टल मैन नेशनल चैम्पियनशीप टीम केटेगिरी में संदीप बिश्नोई, ओमप्रकाश मिठारवाल व उमेश चौधरी की जोडी ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। 25 मीटर स्टेण्डेड पिस्टल जूनियर मैन नेशनल चैम्पियनशीप टीम केटेगिरी में अभिनव चौधरी, योगेश कुमार व चन्द्रराज की जोडी ने सिल्वर पदक अपने नाम किया। 50 मीटर पिस्टल मैन सिविलियन चैम्पियनशीप टीम कंटेगिरी में योगेश कुमार, पवन कुमार शर्मा व हेमन्त लिडान की जोडी ने कांस्य पदक अपने नाम किया। 25 मीटर स्टेण्डेड पिस्टल जूनियर मैन सिविलियन चैम्पियनशीप में सोमिल चौधरी, नवद्वीप जटराना व योगेश कुमार की जोडी ने कांस्य पदक हासिल किया।

पाकिस्तान को हरा दक्षिण अफ्रीका विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में

सेंचुरियन, 29 दिसंबर। दक्षिण अफ्रीका ने रविवार को खेले गये पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन पाकिस्तान को दो विकेट से हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में अपनी जगह बना ली है। दक्षिण अफ्रीका ने 11 मैचों में सात जीत दर्ज करते हुए प्रतिशत 66.67 अंक के साथ शीर्ष पर पहुंच गई है। इसी के साथ दूसरे फाइनलिस्ट के लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बीच प्रतिस्पर्धा होगी। दक्षिण अफ्रीका ने आज कगिसो रबाडा (31), मार्कं यानसन (16) की जूझारु और कप्तान तेम्बा बवूमा (40) तथा एडन मारक्रम (37) की महत्वपूर्ण पारियों की बदौलत पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान को दो विकेट से हरा दिया है।

दक्षिण अफ्रीका ने कल के तीन विकेट पर 27 रन से आज आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में मोहम्मद अब्बास ने एडन मारक्रम को बोल्ड कर पाकिस्तान को चौथी सफलता दिलाई। मारक्रम ने 63 गेंदों में छह चौके लगाते हुए (37) रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये डेविड बेडिंघम ने कप्तान तेम्बा बवूमा के साथ मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने पांचवें विकेट के लिए 34 रन जोड़े। अब्बास ने बवूमा को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। बवूमा ने (14) रन बनाये। इसके बाद नसीम शाह ने काइल वेरेन (दो) को अपना शिकार बना लिया। आठवें विकेट के रूप में कॉर्बिन बॉश (शून्य) को मोहम्मद अब्बास ने आउट किया।

एक समय जब दक्षिण अफ्रीका 116 रन पर आठ विकेट गिर गये तो ऐसा लगा रहा था। पाकिस्तान जल्द ही उसने ऑलआउट कर यह मुकाबला जीत लेगा। ऐसे समय में मार्कं यानसन और कगिसो रबाड़ा की जोड़ी ने जूझारू पारी खेली और टीम के लिए तेजी के साथ रन बनाये। मार्कं यानसन 24 गेंदों में (16) रन बनाकर और कगिसो रबाड़ा 26 गेंदों में (31) बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका ने 39.3 ओवर में आठ विकेट पर 150 रन बनाकर मुकाबला दो विकेट से जीत लिया। एडन मारक्रम को उनकी 87 और 37 रनों की शानदार पारियों के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया।

पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद अब्बास ने 19.3 ओवर में 54 रन देकर छह विकेट लिये है। खुर्रम शहजाद और नसीम शाह ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। पाकिस्तान ने पहली पारी में 211 रन बनाये थे। वहीं दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 301 का स्कोर खड़ा किया था। इसके बाद पाकिस्तान ने दूसरी पारी में 237 का स्कोर बनाते हुए दक्षिण अफ्रीका को दूसरी पारी में जीत के लिए 148 रनों का लक्ष्य दिया था।

जिम्बाब्वे बनाम अफगानिस्तान टेस्ट ड्रा की ओर

बुलावायो, 29 दिसंबर। रहमत शाह (234) के पहले दोहरे शतक और कप्तान हशमतउल्लाह शहीदी (नाबाद 179) की शानदार ऐतिहासिक पारियों के दम पर अफगानिस्तान ने पहले टेस्ट के चौथे दिन वर्षा बाधित मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन विकेट पर 515 रन बना लिये है। हालांकि अफगानिस्तान अभी भी जिम्बाब्वे के स्कोर से 71 रन पीछे है। अब केवल एक दिन का खेल शेष है ऐसे में यह टेस्ट मैच ड्रा की ओर जा रहा है। इस टेस्ट मैच में दोनों ही टीमों ने 500 से अधिक का स्कोर बना लिया है। जोकि इन दोनों टीमों के लिए ऐतिहासिक है। आज सुबह के सत्र में न्यामहुरी ने रहमत शाह को आउट कर जिम्बाब्वे को तीसरी सफलता दिलाई। अफगानिस्तान के लिए रहमत शाह ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 424 गेंदों में 23 चौके और तीन छक्के लगाते हुए 234 रनों की पारी खेली। इसके साथ ही रहमत अफगानिस्तान के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। बारिश के कारण आज दिन खेल रद्द किये जाने के समय अफगानिस्तान ने 156 ओवर में तीन विकेट पर 515 रन बना लिये है और कप्तान हशमतउल्लाह शहीदी 367 गेंदों में (नाबाद 179) रन बनाकर और अफसर जजाई (नाबाद 46) रन पर क्रीज पर है।

// विजय मर्चेंट अंडर-16 ट्रॉफी //

कर्णाटक के विरूद्ध राजस्थान संकट में

जयपुर, 29 दिसंबर। विजयवाड़ा (मंगलगिरि) में खेली जा रही बीसीसीआई अंडर 16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी में खेले जा रहे राजस्थान- कर्णाटक मैच के दूसरे दिन टीम के लिए अन्वय द्रविड़ ने 90 रनो का योगदान दिया। राजस्थान के गेंदबाज रजत बघेल 33 /3 , सुजल परमार 28 /2 , हर्ष सिंह 62 /2 , पुरु डेवाढवाल 51/2 विकेट प्राप्त किये। राजस्थान पहली पारी में 123 आल आउट ओर टीम के लिए यथार्थ भारद्वाज 41, एकांश शर्मा 32 व पुरू डेवाढवाल नाबाद 10 रनो का योगदान दिया। कर्णाटक के गेंदबाज ध्यान हीरमठ 40 / 5 , गौरव वेंकटेश 20 /3 , सुकुरथ 21 / 2 विकेट प्राप्त किये। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक कर्णाटक ने दूसरी पारी में 4 विकेट पर 100 बना लिये थे। राजस्थान के गेंदबाज आदित्या वाधवा 18 /2 व एकांश शर्मा 36 /2 विकेट प्राप्त किये।

डब्ल्यूटीसी के फाइनल के लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका में होगी प्रतिस्पर्धा

मेलबर्न 29 दिसंबर। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के दूसरे फाइनलिस्ट के लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका अपने-अपने मुकाबलों में प्रतिस्पर्धा करते हुए दिखेंगे। दक्षिण अफ्रीका ने आज पाकिस्तान पर दो विकेट से जीत दर्ज कर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में अपनी जगह बना ली है।

हाल में चल रहे मैचों के अनुसार इन तीनों टीमों की स्थिति इस प्रकार है। भारत को बिना किसी बाहरी सहायता के डब्ल्यूटीसी के फाइनल में जगह बनाने के लिए शेष दोनों मैच जीतने होंगे। ऐसी स्थिति में भारत अंक तालिका को 60.53 पर समाप्त करेगा और अगर इसके ऑस्ट्रेलिया इसके बाद श्रीलंका के खिलाफ अपने शेष दोनों मैच जीत भी जाता है तब भी वह 57.02 प्रतिशत अंक तक ही पहुंच पाएगा।

अगर भारत एक टेस्ट मैच जीतता है और एक टेस्ट ड्रॉ होता है तब 57.02 प्रतिशत अंक के साथ फाइनल में पहुंचने से वंचित रह सकता है क्योंकि अगर ऑस्ट्रेलिया श्रीलंका को 2-0 से हरा देता है तब ऐसी स्थिति में ऑस्ट्रेलिया के पास 58.77 प्रतिशत अंक हो जाएंगे। अगर भारत 57.02 अंक के साथ भी फाइनल में पहुंचना चाहेगा तब उसे यह उम्मीद करनी होगी कि ऑस्ट्रेलिया श्रीलंका के खिलाफ 16 से अधिक अंक अर्जित ना कर पाए जिसका मतलब है कि ऑस्ट्रेलिया अगर श्रीलंका को एक मैच में हरा देता है तब भारत को यह उम्मीद करनी होगी कि श्रीलंका ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक मैच कम से कम ड्रॉ करा ले।

यदि भारत अगले दो मैचों में से एक मैच जीतता और एक हारता है तब ऐसी स्थिति में उसके पास 55.26 प्रतिशत अंक होंगे और वह चाहेगा कि श्रीलंका ऑस्ट्रेलिया को 1-0 के अंतर से हरा दे। यदि भारत के दोनों मैच ड्रॉ पर समाप्त होते हैं तब ऐसी स्थिति में उसके पास 53.51 प्रतिशत अंक होंगे। श्रीलंका 2-0 की जीत के साथ इस आंकड़े को पार कर सकता है जबकि ऑस्ट्रेलिया को फाइनल में जगह बनाने के लिए एक मैच में जीत चाहिए होगी। अगर भारत का एक मैच ड्रॉ होता है और एक मैच वो हार जाता है तब ऐसी स्थिति में उसके पास 51.75 प्रतिशत अंक होंगे और ऐसी स्थिति में वह फाइनल की दौड़ से पूरी तरह से बाहर हो जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया यदि भारत के खिलाफ दोनों मैच जीत लेता है तब वह श्रीलंका के खिलाफ 2-0 से हारने की स्थिति में भी फाइनल में पहुंच जाएगा क्योंकि श्रीलंका के खिलाफ हारने के बाद भी ऑस्ट्रेलिया के पास 57.02 प्रतिशत अंक होंगे। भारत के खिलाफ एक मैच जीत और एक ड्रॉ भी उन्हें श्रीलंका से 2-0 से हारने के बाद भी भारत से आगे रखेगा लेकिन ऐसे में श्रीलंका ऑस्ट्रेलिया से आगे हो जायेगा। ऑस्ट्रेलिया भारत के खिलाफ एक मैच जीतता है और एक मैच हार जाता है तब उसे भारत से आगे रहने के लिए श्रीलंका के खिलाफ कम से कम एक मैच जीतना होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को भरतपुर संभाग के विधायकों के साथ आगामी बजट की तैयारियों पर चर्चा की। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, विधायक जगत सिंह, डॉ. शैलेश सिंह, बहादुर सिंह, दर्शन सिंह, हंसराज मीना एवं डॉ. ऋतु बनावत आदि मौजूद रहे।

'ई.आर.सी.पी. परियोजना पूर्वी राजस्थान का कायापलट कर देगी'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने भरतपुर संभाग के विधायकों से कहा, सक्रिय जनप्रतिनिधि की भूमिका निभायें

- मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार द्वारा संचालित पंच गौरव कार्यक्रम से अपने क्षेत्र को लाभांवित करने के लिये विधायकों का आव्हान किया।

जयपुर, 29 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि संशोधित केपीसी-ईआरसीपी का मार्ग प्रशस्त हो चुका है। यह परियोजना पूर्वी राजस्थान का कायापलट कर देगी। इस परियोजना के वरदान के फलस्वरुप, पूर्वी राजस्थान में अपूर्व उत्साह का माहौल है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर क्षेत्र की जनआकांक्षाओं को पूरा करते हुए, प्रदेश के विकास को गति प्रदान करना राज्य सरकार का लक्ष्य है। इसी दिशा में सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास की भावना के साथ सभी विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा, चिकित्सा, पानी, बिजली, सड़क आदि मूलभूत सुविधाओं एवं विभिन्न विकास कार्यों की बजटीय घोषणाएं राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर भरतपुर संभाग के विधायकों के साथ बजट वर्ष 2024-25 में की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विधायक, सरकार एवं जनता के बीच की अहम कड़ी है। ऐसे में सभी विधायक क्षेत्र के लोगों के साथ संवाद करने से लेकर बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन तक सक्रिय जनप्रतिनिधि की भूमिका निभाएं।

मुख्यमंत्री ने भरतपुर संभाग के विधायकों से विधानसभावार बजट घोषणाओं की अनुपालना में होने वाले विकास कार्यों की वित्तीय स्वीकृति, भूमि आवंटन और प्रगतिरत कार्यों के संबंध में चर्चा की। उन्होंने विधायकों से कहा कि क्षेत्र की आवश्यकता के अनुरूप आगामी बजट में शामिल किए जाने वाले जनहित के विकास कार्यों के सुझाव भी देवें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक जिले में एक उपज, एक उत्पाद, एक प्रजाति, एक पर्यटन एवं एक खेल को बढ़ावा देने के लिए पंच गौरव कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संबंधित जिले में इन श्रेणियों में चयनित तत्वों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि इनके संरक्षण और प्रोत्साहन को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने अटल ज्ञान केन्द्रों की स्थापना तथा मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्रों के संचालन के संबंध में भी विधायकों से विस्तृत चर्चा की।

शर्मा ने कहा कि स्थानीय उद्योगों का क्षेत्र के विकास में अहम योगदान होता है। इसी कड़ी में हाल ही में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत जिला स्तर पर भी एमओयू किए गए हैं। उन्होंने विधायकों से कहा कि समिट के दौरान हुए एमओयू की निरंतर मॉनिटरिंग की जाए, ताकि समय पर इनकी क्रियान्विति सुनिश्चित हो सके।

इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, विधायक जगत सिंह, डॉ. शैलेश सिंह, बहादुर सिंह, जितेन्द्र गोठवाल, दर्शन सिंह, हंसराज मीना एवं डॉ. ऋतु बनावत उपस्थित रहे।

केन्द्र नौ जनवरी तक डल्लेवाल से बात करे

हिसार, 29 दिसंबर। हरियाणा में हिसार जिला के बास गांव में हुई हरियाणा की 102 खाप पंचायतों की महापंचायत ने केन्द्र सरकार को आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत डल्लेवाल से बातचीत करने के लिए नौ जनवरी तक का अल्टीमेटम दे दिया है। खाप प्रतिनिधियों ने कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो इसी दिन यानी नौ जनवरी को मुजफ्फरनगर में देश की सभी खापों की महापंचायत बुलाई जाएगी, जिसमें कड़े फैसले लिए जाएंगे। खाप प्रतिनिधियों ने कहा कि अगर

- हरियाणा की महापंचायत ने अल्टीमेटम दिया कि वरना नौ जनवरी को मुज्जफर नगर में पूरे देश के खापों की महापंचायत बुलाई जायेगी।

आंदोलन कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा सांझी एकता के लिए बुलाएंगे, तो खापों की 18 मेंबरी कमेटी सबको एक प्लेटफार्म पर लाने के लिए जाएगी।

इस महापंचायत में कांग्रेस नेता पहलवान बजरंग पूनिया भी पहुंचे। उन्होंने महापंचायत में कहा कि सरकार का काम आपस में फूट डालने और आंदोलन को तोड़ने का है। जितने भी किसान संगठनों में मनमुटाव चल रहा है, वे बैठकर बात करें।

अगर आंदोलन जीतना है तो हमें इकट्ठा होना पड़ेगा। वहीं किसान नेता विकास सिसर ने कहा कि भाषण देने से किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की जान नहीं बचेगी। जब तक अपने नेताओं के ऊपर विश्वास करना नहीं सीखोगे, तब तक इस आंदोलन की जीत नहीं हो सकती। देशवाल खाप प्रतिनिधि राम पाल सिंह देशवाल ने कहा कि हम सभी को एक नेता चुनना होगा और फिर आंख बंद कर उस एक नेता पर विश्वास करना होगा।

वैष्णो देवी रोपवे के खिलाफ पाँचवे दिन भी बंद रहा

उपमुख्यमंत्री सुरिन्दर चौधरी ने रोपवे प्रोजैक्ट के फैसले को गलत बताया

रियासी, 29 दिसंबर। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों में रोपवे प्रोजेक्ट के खिलाफ बंद रविवार को 5वें दिन भी जारी है। 18 प्रदर्शनकारियों को कटरा पुलिस ने 3 दिन पहले गिरफ्तार किया था, जिनकी रिहाई की मांग के लिए 5 अन्य प्रदर्शनकारी भूख हड़ताल पर बैठ गए। जम्मू चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति को अपना समर्थन दिया है और प्रशासन से बातचीत के जरिए मुद्दे को सुलझाने की बात कही है।

इस बीच, उप मुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने प्रदर्शनकारियों का समर्थन करते हुए कहा- रोपवे प्रोजेक्ट का फैसला गलत है। यदि कटरा के लोग रोपवे परियोजना नहीं चाहते हैं, तो श्राइन बोर्ड और एलजी को उनकी बात सुननी चाहिए और समस्याएं हल करनी चाहिए, क्योंकि इससे 40 हजार लोगों

- श्राइन बोर्ड श्रद्धालुओं के लिये 12 किलोमीटर मार्ग पर 250 करोड़ रूपये का रोपवे बना रहा है। व्यापारियों का कहना है, इससे 40 हजार लोगों का रोजगार छिन जायेगा।

का रोजगार छिन जाएगा।

दरअसल, वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड श्रद्धालुओं के मंदिर जाने के लिए कटरा में ताराकोट मार्ग और सांझी छत के बीच 12 किलोमीटर के मार्ग पर 250 करोड़ रुपए की लागत से रोपवे का निर्माण करवा रहा है।

अभी तक वैष्णो देवी आने वाले श्रद्धालुओं को खच्चर और पालकीवाले ही मंदिर दर्शन कराने ले जाते हैं। ये उनके कमाई का जरिया है। इसलिए वे रोपवे प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल (एल जी) मनोज सिन्हा ने कहा था- 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। उम्मीद है कि यह जनवरी तक पूरा हो जाएगा। कटरा में चल रहे विरोध प्रदर्शन पर उन्होंने कहा था कि श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड द्वारा घोषित रोपवे परियोजना का उद्देश्य तीर्थयात्रियों के लिए तेज और सुरक्षित यात्रा प्रदान करना है। रोपवे प्रोजेक्ट के खिलाफ चले प्रदर्शन में मजदूर संघ के अध्यक्ष भूपिंदर सिंह जामवाल और शिवसेना (यूटीबी) के प्रदेश अध्यक्ष मनीष साहनी भी शामिल हुए। उन्होंने रोपवे प्रोजेक्ट से प्रभावित होने वाले प्रत्येक नागरिक के लिए 20 लाख का मुआवजा देने की मांग की थी। साथ ही, प्रभावित लोगों के लिए पुनर्वास प्लान बनाने के लिए भी कहा।

'पंजाब में ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मंडियां, अनाज मंडियां और अन्य व्यावसायिक दुकानें भी नौ घंटे के लिए बंद रहेंगी। बार एसोसिएशन फगवाड़ा के अध्यक्ष करणजोत सिंह झिक्का और वरिष्ठ एडवोकेट ललित चोपड़ा ने आंदोलनकारी किसानों को पूर्ण समर्थन व्यक्त किया है और केन्द्र और राज्य सरकार से किसानों की समस्याओं को हल करने और मानव जीवन को बचाने के लिए जल्द ही पहल करने की मांग की है। राजस्व पटवार यूनियन पंजाब ने पहले ही किसानों को अपना समर्थन देने की घोषणा कर दी है। भारतीय किसान यूनियन (दोआबा) के महासचिव सतनाम सिंह साहनी ने लोगों से सोमवार के पंजाब बंद में सहयोग करने और भाग लेने की अपील की है।

ओडिशा की बाघिन भटक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की मंजूरी मिलने के बाद उसे पकड़ने का अभियान फिर से शुरू किया जाएगा।

पश्चिम बंगाल के मुख्य वन्यजीव वार्डन, देबल रॉय ने कहा कि बाघिन को बांकुरा जिले के गोपालपुर जंगल में उसी स्थान पर ट्रैप किया गया था, जहां वह शनिवार की रात को देखी गई थी। बाघिन को पकड़ने के लिए दोहरे जाल से उसे घेर दिया गया है और जाल की परिधि को छोटा कर दिया गया है, ताकि उसे काबू किया जा सके।

रॉय ने बताया, "बाघिन को रविवार तड़के 1:20 बजे बेहोशी की दवा दी गई थी, लेकिन दवा का असर नहीं हुआ। इसके बाद सुबह 4:30 बजे तक दवा देने का अभियान रोकना पड़ा, क्योंकि दवा की अधिकतम सीमा तय होती है। बाघिन अत्यधिक उत्तेजित अवस्था में है, जिससे उसे बेहोश करना चुनौतीपूर्ण हो गया है।" रॉय ने बताया कि जीनत को फिलहाल कुछ आराम दिया गया है। घटनास्थल पर तीन पशु चिकित्सक मौजूद हैं और वे स्थिति का आकलन कर रहे हैं। जैसे ही चिकित्सकों से मंजूरी मिलती है, बाघिन को बेहोश करने के प्रयास फिर से शुरू किए जाएंगे।

बाघिन जीनत को पिछले महीने महाराष्ट्र के ताडोबा-अंधारी बाघ अभ्यारण्य से ओडिशा के सिमलीपाल में भेजा गया था, जहां उसे बाघों की जनसंख्या में नए जीन जोड़ने के उद्देश्य से लाया गया था। हालांकि, उसने ओडिशा के सिमलीपाल से भटककर 27 दिसंबर को बंदवान से लगभग 15 किलोमीटर का सफर तय कर मनबाजार ब्लॉक के जंगल में शरण ली थी, जहां वह 24 से 26 दिसंबर के बीच छिपी हुई थी। झारखंड से आने के बाद वह लगभग एक सप्ताह से पश्चिम बंगाल में है। वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि सिमलिपाल छोड़ने के बाद, नए इलाके की तलाश में बाघिन ने पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा के जंगलों में घूमते हुए 120 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की है। अभी तक उसके सिमिलिपाल बाघ अभ्यारण्य में वापस लौटने के कोई संकेत नहीं दिखाई दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि वह पिछले कुछ दिनों से कम दूरी की यात्रा कर रही है। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ड्रोन लगाए गए हैं, लेकिन घने जंगल के कारण निगरानी प्रभावित हो रही है।

इज़रायल के मिसाइल हमले में नौ फिलिस्तीन मरे

गाजा, 29 दिसंबर। मध्य गाजा पट्टी में माघाज़ी शरणार्थी शिविर में शनिवार को एक घर पर इज़रायली हवाई हमले में कम से कम नौ फ़िलिस्तीनी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। फ़िलिस्तीनी सूत्रों ने यह जानकारी दी है। स्थानीय सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि एक इज़रायली विमान ने माघाज़ी शिविर के बाहरी इलाके में एक घर पर कम से कम एक मिसाइल से बमबारी की। मध्य गाजा के डेर अल-बलाह शहर में अल-अक्सा अस्पताल के प्रवक्ता हुसाम अल-दकरान ने बताया कि हवाई हमले के बाद बच्चों और महिलाओं सहित नौ लोग मारे गए और कई घायल लोगों को अस्पताल भेजा गया। इज़रायली सेना ने हमलों पर कोई टिप्पणी नहीं की।

इज़रायली सेना के प्रवक्ता अविचे एड्राई ने शनिवार को एक प्रेस बयान में कहा कि इज़रायली सेना ने बेत हनौन क्षेत्र में आतंकवादी ठिकानों के खिलाफ़ रात में कार्रवाई शुरू की, क्योंकि उन्हें इस क्षेत्र में कई आतंकवादियों और आतंकवादी सुविधाओं की मौजूदगी के बारे में पहले से ही खुफिया जानकारी थी।

बयान के अनुसार, सेना के प्रवेश करने से पहले इज़रायली लड़ाकू विमानों ने तोपखाने की गोलाबारी के साथ मिलकर क्षेत्र में कई आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया, जिसमें आतंकवादी जमावड़े के स्थान और हमास आतंकवादी संगठन से संबंधित अन्य आतंकवादी सुविधाएँ शामिल हैं।

- अस्पताल के प्रवक्ता ने दावा किया कि मकान पर हमले में मरने वालों में महिलायें व बच्चे भी थे।
- इज़रायली सेना के प्रवक्ता ने कहा कि उन्हें आतंकवादियों और आतंकवादी सुविधाओं की मौजूदगी पर खुफिया जानकारी थी।

उल्लेखनीय है कि इज़रायल सात अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इज़रायली सीमा के माध्यम से हमास के हमले का बदला लेने के लिए गाजा में हमास के खिलाफ़ बड़े पैमाने पर आक्रमण कर रहा है, जिसके दौरान लगभग 1,200 लोग मारे गए और लगभग 250 बंधक बनाए गए।

ट्रम्प ने किया एच-1बी वीज़ा का समर्थन

वॉशिंगटन, 29 दिसंबर। अमेरिका में अब तक एच-1बी वीजा का विरोध कर रहे डोनाल्ड ट्रम्प ने पलटी मार ली है। ट्रम्प ने कहा कि वे इसका समर्थन करते हैं। ट्रम्प ने न्यूयॉर्क टाइम्स से कहा कि मैं हमेशा से इस वीजा के सपोर्ट में

- ट्रम्प के आलोचक उनके इस बयान को उनके "सख्त वीज़ा पॉलिसी" के पूर्व बयान से यू-टर्न लेना मान रहे हैं

रहा हूं। ट्रम्प के यह बयान इस साल नवंबर में उनके इलेक्शन कैंपेन के दौरान दिए गए बयान से एकदम उलट है। इलेक्शन कैंपेन के दौरान, ट्रम्प ने अवैध प्रवासियों को देश से निकालने और वीजा पॉलिसी को सख्त बनाने की बात कही थी।

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि वे "एच-1बी" वीजा में विश्वास करते हैं, उन्होंने योग्य पेशेवरों के विरोध को लेकर चल रही खबरों को खारिज कर दिया। उन्होंने शनिवार को न्यूयॉर्क पोस्ट को एक फोन साक्षात्कार में बताया।

ओडिशा में श्रद्धालुओं से भरी बस पलटी, चार की मौत, 40 घायल

कोरापुट, 29 दिसंबर। ओडिशा के कोरापुट जिले में रविवार की सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एक बस के पलट जाने से चार यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 40 अन्य लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि ये बस करीब 50 श्रद्धालुओं को लेकर गुप्तेश्वर जा रही थी। इस दौरान चालक ने बस से अपना नियंत्रण खो दिया और बस पलट गई।

पुलिस ने बताया कि यह हादसा कोरापुट जिले के बोइपारीगुडा थाना क्षेत्र में हुआ। यहां के गुप्तेश्वर के पास डोकरीघाट में तड़के करीब साढ़े पांच बजे बस पलट गई। पुलिस के मुताबिक, बस कटक के नियाली से लगभग 50 श्रद्धालुओं को लेकर गुप्तेश्वर मंदिर जा रही थी। एक अधिकारी ने बताया कि हादसे की सूचना मिलने के बाद सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पुलिस की टीम मौके पर पहुंचीं। इसके बाद आनन-फानन में घायल यात्रियों को बचाया गया और उन्हें बोइपारीगुडा अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अधिकारियों ने बताया कि ऐसी आशंका जताई जा रही है कि पहाड़ी सड़क के कठिन मोड़ पर वाहन चालक ने नियंत्रण खो दिया। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में एक 12 वर्षीय बच्चा भी शामिल है। उन्होंने बताया कि कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिनमें से कई ने अपने हाथ और पैर खो दिए हैं। उन्होंने बताया कि घायलों में कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। वहीं, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस हादसे पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा भी की।

- कटक से 50 श्रद्धालुओं को गुप्तेश्वर मंदिर ले जा रही बस कोरापुट जिले के बोइपारिगुडा थाना क्षेत्र में पलटी
- मुख्यमंत्री माझी ने मृतकों के परिजनों के लिए दो-दो लाख रूपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

कांग्रेस आत्म-निरीक्षण करे-शर्मिष्ठा

नई दिल्ली, 29 दिसंबर। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कांग्रेस की दुखद स्थिति पर पार्टी के भीतर गंभीर आत्मनिरीक्षण की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने रविवार को दावा किया कि देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल का पतन हो चुका है। शर्मिष्ठा ने यह सवाल भी उठाया कि उनके पिता के निधन के बाद कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की कोई बैठक क्यों नहीं बुलाई गई और कोई प्रस्ताव क्यों नहीं पारित किया गया?

शर्मिष्ठा ने कहा, कांग्रेस को सोशल मीडिया पर ट्रोल करने की बजाय गंभीरता से आत्मचिंतन करना चाहिए कि मेरे जैसा व्यक्ति, जो कांग्रेस की विचारधारा में अटूट विश्वास रखता था, आज पार्टी से अलग-थलग क्यों महसूस कर रहा है?

- उन्होंने कहा कि उनके पिता के निधन से सी.डब्ल्यू.सी. की मीटिंग क्यों नहीं हुई।

नवी मुंबई में पहली सफल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सत्यापन प्रक्रिया में आज इंडिगो एयरलाइंस का एक ए 320 विमान इस हवाई अड्डे की उड़ान पट्टी 08/ 26 पर उतारा गया।

हवाई अड्डे का विकास और परिचालक करने के लिए गठित कंपनी नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनएमआईए) की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, विमान के हवाई पट्टी की ओर आने और हवाई पट्टी पर उतरने की प्रक्रिया और प्रणालियों के सत्यापन के साथ इसे हवाईअड्डा विनियामक डीजीसीए (नागर विमानन महानिदेशालय) से परिचालन का लाइसेंस मिलने का रास्ता साफ हो गया है।

विज्ञप्ति के अनुसार, हवाई अड्डे पर पहले वाणिज्य विमान की सत्यापन उड़ान को देखने के लिए वहां डीजीसीए और उन एजेंसियों के अधिकारी भी उपस्थित थे। इंडिगो के विमान के हवाई पट्टी पर उतरने पर दोनों ओर से दो दमकल मशीनों द्वारा पानी की फुहार से परंपरागत तरीके से स्वागत किया गया।

इस अवसर पर, वहां डीजीसीए के अधिकारियों के अलावा, भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण, सीमा शुल्क, आव्रजन विभाग, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, महाराष्ट्र सरकार की एजेंसी सिडको, मौसम विभाग, नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो और अदानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड कंपनी के अधिकारी और अन्य संबद्ध पक्षों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि इन विभिन्न एजेंसियों की उपस्थिति में हवाई अड्डे पर वाणिज्यिक उड़ान व्यवस्था के सफलतापूर्वक प्रमाणीकरण से यह संकेत मिलता है कि यह हवाई अड्डा अंतरराष्ट्रीय विमान मानकों के अनुसार परिचालन के लिए तैयार है।

पटना में पेपर लीक पर छात्र आंदोलन ने जोर पकड़ा

गाँधी मैदान पर हजारों छात्र एकत्रित हुए, पुलिस ने कई जगह बैरिकेडिंग की

पटना, 29 दिसंबर। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) का पेपर लीक मामला अब तूल पकड़ता दिख रहा है। इसे लेकर आज छात्र पटना के गांधी मैदान में जुटे हुए हैं और लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच, छात्रों के प्रदर्शन में जन सुराज के नेता प्रशांत किशोर भी शामिल हुए हैं। बता दें कि छात्र सीएम आवास का घेराव करने वाले हैं। छात्र लगातार सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात करने की मांग कर रहे हैं। इससे पहले, पटना जिला प्रशासन ने आयोग के अधिकारियों से बातचीत की पेशकश की थी, लेकिन इसे छात्रों ने ठुकरा दिया था।

वहीं, अब पटना के गांधी मैदान में हजारों की संख्या में छात्र जुटे हुए हैं और सीएम आवास की ओर आगे बढ़ रहे हैं। छात्रों को रोकने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है और जगह-जगह पर बैरिकेडिंग भी की गई है। इस बीच, छात्रों ने गांधी मैदान के करीब जेपी गोलम्बर के पहले लगी बैरीकैडिंग को तोड़ दिया और अब आगे बढ़ रहे हैं। वहीं, इसके 100 मीटर के आगे ही होटल मौर्या के पास एक और बैरीकैडिंग बनाई हुई है, जहां छात्रों को रोका गया है। जन सुराज नेता प्रशांत किशोर भी यहीं पर मौजूद हैं।

- जिला प्रशासन बिहार लोक सेवा आयोग के अधिकारी छात्रों के पाँच प्रतिनिधियों से बात कराना चाहता हैं। छात्र मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात करने पर अडिग हैं।
- जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर भी आज छात्र आंदोलन में शामिल हुए।

पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह ने शनिवार को कहा कि प्रदर्शनकारियों को बातचीत के लिए अपने पांच प्रतिनिधियों को नामित करना होगा, जिसके बाद बीपीएससी (मुलाकात के लिए) "उचित समय के भीतर" निर्णय लेगा।

उन्होंने कहा, "जिला प्रशासन ने प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों को अपने प्रतिनिधियों (सभी परीक्षार्थी) की सूची देने को कहा है, ताकि हम इस मुद्दे पर बीपीएससी अधिकारियों के साथ उनकी बैठक करवा सकें।" उन्होंने कहा, "वे बैठक में आयोग के अधिकारियों को अपनी शिकायतों से अवगत करा सकते हैं। जिला प्रशासन भी प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों को आश्वस्त करता है कि आयोग उचित समय के भीतर उचित निर्णय या रुख अपनाएगा।" सिंह ने कहा कि आयोग एक स्वतंत्र निकाय है और वह अपने निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र है।

दिल्ली पुलिस ने .....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रही है। इसी ऑपरेशन के तहत, सभी थाना इलाकों में घर-घर जाकर पुलिस वेरिफिकेशन किया जा रहा है। पुलिस अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों को पकड़कर एफआरआरओ की मदद से डिपोर्ट भी कर रही है।

वसंत कुंज थाना इलाके से दिल्ली पुलिस ने आठ बांग्लादेशियों को पड़कर डिपोर्ट किया है। पकड़े गए लोग बांग्लादेश के मदारीपुर जिले के रहने वाले हैं। ये सभी एक ही परिवार के हैं, जिनमें मां-बाप और उनके 6 बच्चे शामिल हैं।

वेरिफिकेशन कैंपेन में हर घर में जाकर पुलिस पड़ताल करती है। लोगों को वेरीफिकेशन फॉर्म, जिसे दिल्ली पुलिस की भाषा में पर्चा 12 कहा जाता है, दिया जाता है। यह उन लोगों को दिया जाता है, जो पश्चिम बंगाल या दूसरे राज्यों से आकर यहां बसने की बात बताते हैं। पुलिस उनके पश्चिम बंगाल के एड्रेस को वेरीफाई करवा रही है, ताकि अवैध बांग्लादेशियों का पता लगाया जा सके।

दरअसल, पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि अवैध बांग्लादेशी पहले पश्चिम बंगाल में दाखिल होते हैं और फिर वहां के फर्जी कागजात बनाकर दिल्ली आ जाते हैं। पुलिस जब पूछताछ करती है, तब यह अवैध बांग्लादेशी अपने आप को पश्चिम बंगाल का रहने वाला बताते हैं। इसके चलते, इन पर कार्रवाई करना पुलिस के लिए मुश्किल हो जाता है। इस वेरिफिकेशन के जरिए कई अवैध बांग्लादेशियों को पुलिस ने गिरफ्तार करके वापस बांग्लादेश भेजा है।

हाल ही में दिल्ली पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो इन अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों के फर्जी कागजातों की मदद से आधार कार्ड बनवा रहे थे। दिल्ली पुलिस को आशंका है कि एजेंटों की मदद से हजारों बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमान भारतीय नागरिक बनकर दिल्ली में रह रहे हैं।

पंजाब पुलिस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डीजीपी यादव ने कहा कि दो आरोपियों को बरामदगी के लिए ले जाया गया, जहां हिरासत से बचने के लिए पुलिस टीम पर हमला करने पर, जवाब में पुलिस ने आत्मरक्षा में कार्रवाई की, जिसमें दोनों आरोपी घायल हो गए। उन्हें बटाला के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पूरे आतंकी मॉड्यूल का खुलासा करने के लिए जांच जारी है

गिरफ्तार किए गए लोगों से एक 9 एमएम ग्लॉक 26 पिस्तौल (ऑस्ट्रिया में निर्मित) और छह जिंदा कारतूस भी बरामद हुए हैं।

'बॉर्डर पर बाहरी व आंतरिक खतरों का सामना करना पड़ता है'

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सैन्यकर्मियों से देश के दुश्मनों पर कड़ी नज़र रखने की अपील की

नई दिल्ली, 29 दिसंबर। केन्द्रीय रक्षा मंत्रीराजनाथ सिंहने कहा कि बॉर्डर के मामले में भारत बहुत भाग्यशाली नहीं है। देश को बाहरी और आंतरिक दोनों तरफ से खतरों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में सेना को हमेशा सतर्क रहना होगा। दुश्मन हमेशा सक्रिय रहते हैं। रक्षा मंत्री इंदौर के महू छावनी में सेना के जवानों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान सैन्यकर्मियों से आंतरिक और बाहरी दुश्मनों पर पैनी नजर रखने की अपील भी की। इससे पहले राजनाथ सिंह ने सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी के साथ महू में डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत को 2047 तक एक विकसित और आत्मनिर्भर देश बनाने के लिए सेना की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है।

- महू छावनी में राजनाथ सिंह ने सैन्यकर्मियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत को एक विकसित और आत्मनिर्भर देश बनाने में सेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

दो सदी से अधिक पुरानी महू छावनी में सेना के जवानों को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि जब मैं यहां आया और जिस अनुशासन और समर्पण के साथ आप प्रशिक्षण ले रहे हैं, उसे देखकर मैं बहुत प्रभावित हुआ। आपका प्रशिक्षण किसी युद्ध से कम नहीं है। अनुशासन के इस स्तर को बनाए रखने के लिए समर्पण और दृढ़ विश्वास की आवश्यकता होती है। वह देश भर में सैन्य प्रतिष्ठानों और छावनियों में साफ-सफाई से प्रभावित हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा कि महू का यह क्षेत्र अनेक कारणों से ऐतिहासिक महत्व रखताहै। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के जन्म स्थान होने के कारण, यह क्षेत्र हम सबके लिए, किसी पुण्य भूमि से कम नहीं है। उनके जन्म स्थान होने के अलावा भी, यह क्षेत्र कई कारणों से महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908